Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 14 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 32 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

शिक्षा समृद्धि में आभूषण है, विपत्ति में शरण तथा बुढ़ापे में सहारा है।

-अरस्तु

Nora Fatehi Thanks Fan For Spreading...

SHARE

सेंसेक्स	:	76,138.97
निफ्टी	:	23,031.40

SARAFA

सोना	:	8,155
चांदी	:	107.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

हमास ने की बंधकों को रिहा करने की घोषणा

NEW DELHI : गुरुवार को हमास ने कहा कि वह योजना के अनुसार इजरायली बंधकों को रिहा करेगा। चरमपंथी संगठन की इस घोषणा को उस मुद्दे को हल करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है, जिसकी वजह से गाजा में संघर्ष विराम पर खतरा मंडरा रहा है। हमास ने एक बयान में कहा कि मिस्र और कतर के मध्यस्थों ने पुष्टि की है कि वे सभी बाधाओं को दूर करने के लिए काम करेंगे, और संघर्ष विराम समझौता लागू होगा। बयान में संकेत दिया गया है कि शनिवार को तीन और इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। हमास की घोषणा के बाद इजराइल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हमास ने और इजरायली बंधकों की रिहाई में देरी करने की धमकी दी थी, और इजराइल पर तंबुओं व शिविरों में रहने की अनुमति देने के दायित्वों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया था।

महंत सत्येंद्र दास को सरयू तट पर दी गई जल समाधि

AYODHYA : गुरुवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के दिवंगत मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास को जल समाधि दी गई। आचार्य सत्येंद्र दास के पार्थिव शरीर को पालकी में रखकर उनके निवास स्थान से सरयू नदी के तट पर ले जाया गया, जहां तुलसीदास घाट पर उन्हें जल समाधि दी गई। इससे पहले दोपहर बाद सत्येंद्र दास के पार्थिव शरीर को रथ पर रखकर नगर भ्रमण कराया गया। उनके उत्तराधिकारी प्रदीप दास ने बताया था कि रामानंदी संप्रदाय की परंपराओं के अनुसार दास को जल समाधि दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि उनके पार्थिव शरीर को हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि ले जाया जाएगा। प्रदीप दास ने बताया था कि जल समाधि के तहत शव को नदी के बीच में प्रवाहित करने से पहले उसके साथ भारी पत्थर बांधे जाते हैं। रामानंदी संप्रदाय की परंपराओं के अनुसार, जल समाधि देने से पहले रामलला के मुख्य पुजारी के पार्थिव शरीर को जुलूस के रूप में घुमाया गया, ताकि लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें।

केंद्र ने दलाई लामा को दी जेड श्रेणी की सुरक्षा

NEW DELHI : केंद्र ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को संभावित सुरक्षा खतरों के मद्देनजर जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा शाखा को 89 वर्षीय आध्यात्मिक नेता की सुरक्षा का जिम्मा संभालने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि देश के सभी हिस्सों में दलाई लामा को सीआरपीएफ कमांडो की जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। दलाई लामा को हिमाचल प्रदेश पुलिस सुरक्षा मुहैया करा रही थी और जब वह दिल्ली या किसी अन्य स्थान पर जाते थे तो स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की जाती थी।

वीरता को सलाम कर शहीद कैप्टन को दी गई अंतिम विदाई

तिरंगे में लपेटकर पैतृक गांव लाया गया पार्थिव शरीर, अंतिम यात्रा में जुटे हजारों लोग

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में हुए थे शहीद, भीड़ ने बरसाए फूल, डीसी-एसपी ने दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS HGB : जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी गुरुवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। वीरता और बलिदान को सलाम कर उन्हें नाम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। खिरगांव मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार हुआ। इसके पहले शहीद पंजाब रेजिमेंट के वीर जवान कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी का पार्थिव शरीर उनके पैतृक घर हजारीबाग पहुंचा। पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर सेना ने पूरे सम्मान के साथ सलामी दी। इस दौरान डीसी नैन्सी सहाय एवं एसपी अरविंद कुमार सिंह भी उपस्थित थे। नैन्सी सहाय ने शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा, शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी ने राष्ट्र सेवा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनकी वीरता और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। पूरे देश को ऐसे वीर जवानों पर गर्व है।

कैप्टन करमजीत सिंह अमर रहें के लगे नारे

शहीद के पार्थिव शरीर को सेना के वाहन में रख कर शहर से होते हुए खिरगांव मुक्तिधाम लाया गया है। इस दौरान जनप्रतिनिधि के साथ-साथ भारी संख्या में हजारीबाग की आम जनता भी मौजूद रही। शहीद की अंतिम यात्रा जिधर से गुजरी भारत माता की जय और कैप्टन करमजीत सिंह अमर रहे के नारे लगे। लोगों ने फूलों की बारिश की। मुक्तिधाम पहुंचने पर शहीद कैप्टन के पार्थिव शरीर पर लिपटे तिरंगे को जब सेना के अधिकारी ने उनकी मां को सौंपा तो उन्होंने जो बोले सो निहाल.. सत श्री अकाल के नारे लगाए।

पांच अप्रैल को होना था विवाह

आईईडी धमाके में कैप्टन के अलावा दो जवान भी घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी और नायक मुकेश ने दम तोड़ दिया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार कैप्टन करमजीत की शादी तय हो चुकी थी। 5 अप्रैल को वे विवाह बंधन में बंधने वाले थे। लड़की भी आर्मी में डॉक्टर है। कैप्टन करमजीत सिंह की पढ़ाई गुवाहाटी में हुई थी। वे 2023 में सेना में भर्ती हुए थे। परिजनों ने बताया कि कैप्टन करमजीत 16 जनवरी को एक हफ्ते की छुट्टी पर घर आए थे।

शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी

बजट सत्र : समिति के अध्यक्ष ने साक्ष्यों का रिकॉर्ड भी सदन में रखा

विपक्ष के हंगामे के बीच वक्फ संबंधी जेपीसी की रिपोर्ट पेश

विपक्षी सदस्यों ने असहमति को रिपोर्ट के साथ संलग्न नहीं करने का लगाया आरोप

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार को विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामा के बीच वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट लोकसभा के पटल पर रखी गई। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा। साथ ही, उन्होंने समिति के समक्ष आए साक्ष्यों का रिकॉर्ड भी सदन में रखा। इससे पहले समिति की रिपोर्ट राज्यसभा के पटल पर भी रखी गई। विपक्षी सदस्यों का आरोप है कि उनकी असहमति को रिपोर्ट के साथ संलग्न नहीं किया गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि वह विपक्ष की आपत्तियों को जोड़ सकते हैं और इस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कोई आपत्ति नहीं है। इस पर बिरला ने कहा कि कुछ सदस्यों ने उनसे मुलाकात की थी और उनके साथ जिन विषयों पर बात हुई है उन्हें रिपोर्ट के साथ संलग्न कर लिया गया है। विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताते हुए सदन से वाकआउट कर दिया और कुछ देर बाद सदन में लौटे। विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की, तो सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद भारत माता की जय के नारे लगाए।

30 जनवरी को स्पीकर को सौंपी गई थी रिपोर्ट

समिति की रिपोर्ट गत 30 जनवरी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी गई थी। समिति की 655 पृष्ठ वाली इस रिपोर्ट को बहुमत से स्वीकार किया गया था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव समाहित हैं। विपक्षी सदस्यों ने इसे असंवैधानिक करार दिया था और आरोप लगाया था कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा। भाजपा सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया था कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया। विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का प्रयास करेगा।

भाजपा के सदस्यों के संशोधन को किया गया था स्वीकार

समिति ने भाजपा सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया था और विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज कर दिया था। समिति में शामिल विपक्षी सदस्यों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक के सभी 44 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव रखा था और दावा किया था कि समिति की ओर से प्रस्तावित कानून विधेयक के दमनकारी चरित्र को बरकरार रखेगा और मुस्लिमों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करेगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने के बाद आठ अगस्त, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था।

सरकार ने राज्यसभा में पेश किया शुद्धिपत्र

समिति की रिपोर्ट में असहमति की अभिव्यक्ति से जुड़े हिस्सों को कथित रूप से हटाए जाने के मुद्दे पर विपक्षी दलों के हंगामे के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मेधा विश्राम कुलकर्णी ने गुरुवार को दोपहर में एक शुद्धिपत्र पेश किया। कुलकर्णी ने रिपोर्ट के परिशिष्ट पांच का शुद्धिपत्र राज्यसभा में भोजनावकाश के बाद पेश किया। उन्होंने सुबह सदन में रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट के परिशिष्ट का अध्याय पांच संयुक्त समिति के सदस्यों से प्राप्त टिप्पणियों असहमतियों के कार्यवृत्त से संबंधित है और इसमें वे टिप्पणी शामिल हैं जिन्हें पहले की पेश की गई रिपोर्ट में संपादित किया गया था।

कृषि मंत्री के काफिले की 3 गाड़ियां अचानक आपस में टकराईं, पांच जख्मी

PHOTON NEWS GUMLA : गुरुवार को गुमला के बसिया प्रखंड में एक बड़ा हादसा हो गया। मंत्री के काफिले में चल रहीं 3 गाड़ियां अचानक आपस में टकरा गईं। दुर्घटना में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) समेत 5 लोग जख्मी हो गए है। जानकारी के अनुसार, झारखंड सरकार की कृषि सहकारिता एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बसिया दौरे पर जा रहीं थीं। जोलो जाने के दौरान मंत्री के काफिले में चल रहीं 3 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस दुर्घटना में बसिया की प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सुप्रिया भगत समेत कुल 5 लोग घायल हो गए। बीडीओ और अन्य कर्मियों को हल्की चोटें आई हैं। बसिया की बीडीओ की टाटा सुमो कार में चल रहीं थीं। उनकी कार के आगे एक स्विफ्ट डिजायर कार चल रही थी। स्विफ्ट डिजायर कार क्षतिग्रस्त हो गई है। मंत्री का काफिला जोलो गांव की ओर जा रहा था। काफिले में गाड़ियों की लंबी कतार थी। इसी दौरान तुकई गांव स्थित स्कूल के समीप आगे जा रही एक कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। स्विफ्ट डिजायर के चालक को भी अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। इसी दौरान तेज रफ्तार में चल रही बसिया बीडीओ की कार ने सामने वाली कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन क्षत्तिग्रस्त हो गए। इस दुर्घटना में बीडीओ सुप्रिया भगत, बीडीओ के वाहन चालक जगपाल कुमार, जेएसएलपीएस के बनमाली साहू, रामजड़ी निवासी जितेंद्र कुमार भगत और ज्योति लकड़ा को चोटें आईं हैं। इस घटना के बाद कुछ देर के लिए वाहनों का काफिला रुक गया। सभी लोग गाड़ी में सवार लोगों का हाल-चाल लेने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा है कि 3 गाड़ियों में जबरदस्त टक्कर हुई है। ईश्वर की कृपा से गाड़ियों में सवार लोगों को सिर्फ चोटें आयीं हैं। काफिले में शामिल सभी गाड़ियों की रफ्तार तेज थी। यही वजह है कि ब्रेक लगाने के बावजूद कारों ने एक-दूसरे को टक्कर मार दी। हालांकि, मंत्री की गाड़ी आगे थी, इसलिए उनकी कार को कोई नुकसान नहीं हुआ।

- गुमला के बसिया प्रखंड में हुई दुर्घटना, गाड़ियों की थी लंबी कतार, तेज थी रफ्तार
- एक गाड़ी के चालक के अचानक ब्रेक लगा देने के कारण हुआ हादसा
- घायलों में बसिया की प्रखंड विकास पदाधिकारी सुप्रिया भगत भी शामिल

सोनाहातू थाना क्षेत्र के डिबाडीह गांव में शॉर्ट सर्किट से हुआ दर्दनाक हादसा

घर में लगी आग, पति-पत्नी की जलकर मौत

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार की देर रात को सोनाहातू थाना क्षेत्र के डिबाडीह गांव में एक घर में अचानक लगी भीषण आग ने पति-पत्नी की जान ले ली। गांव में बाइक मिस्त्री का काम करने वाले 46 वर्षीय रंजीत साहू और उनकी पत्नी 42 वर्षीय मीना देवी की आग में जलने की वजह से मौत हो गई है। जानकारी मिलने पर सोनाहातू पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है घर में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। सोनाहातू थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि बाइक मिस्त्री का काम करने वाले रंजीत साहू और उनकी पत्नी मीना देवी की घर में आग लगने की वजह से जलने से मौत हो गई है। जानकारी मिलने पर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सोनाहातू पुलिस के अनुसार, रंजीत साहू बाइक मिस्त्री के साथ खुदरा में लाकर पेट्रोल और डीजल भी बेचा करता था। रात में जब शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी तो घर में मौजूद पेट्रोल और डीजल की वजह से आग ने भयावह रूप ले लिया और दोनों पति-पत्नी को संभलने का भी मौका नहीं मिला।

मौजूद पेट्रोल और डीजल की वजह से आग ने लिया भयावह रूप

- दंपती को संभलने और भागने का नहीं मिला मौका
- दोनों डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद जांच में जुटी पुलिस

बेटा चलाता है पंक्चर दुकान

हादसे के समय घर में केवल पति-पत्नी ही मौजूद थे, इसलिए हादसे में दोनों ही की मौत हुई है। गांव वालों ने बताया कि मृत रंजीत साहू का बेटा पंक्चर दुकान चलाता है। रात के समय उसी दुकान में था, इसलिए उसकी जान बच गई। वहीं माता-पिता दोनों की जलने से दर्दनाक मौत हो गई।

सीएम के इस्तीफे के चार दिन बाद मणिपुर में लगाया गया राष्ट्रपति शासन

IMPHAL : मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के अपने पद से इस्तीफा देने के चार दिन बाद गुरुवार को को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। विधानसभा को भी निलंबित कर दिया गया है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा करते हुए गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मानना है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें इस राज्य की सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चल सकती। अधिसूचना में कहा गया है, अब, संविधान के अनुच्छेद 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, मैं घोषणा करती हूं कि मैं भारत के राष्ट्रपति के रूप में मणिपुर राज्य सरकार के सभी कार्यों और इस राज्य के राज्यपाल द्वारा निहित या प्रयोग की जाने वाली सभी शक्तियों को अपने अधीन करती हूं। अधिसूचना में कहा गया है कि विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने कहा था कि हिंसा, जान-माल के नुकसान के बावजूद पीएम मोदी ने एन बीरेन सिंह को पद पर बनाए रखा। लेकिन, अब लोगों की तरफ से बढ़ते दबाव, सुप्रीम कोर्ट की जांच और कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव की वजह से एन बीरेन सिंह इस्तीफा देने को मजबूर हो गए। उन्होंने कहा कि इस वक्त सबसे जरूरी बात यह है कि राज्य में शांति बहाल की जाए और मणिपुर के लोगों के घावों को भरने का काम किया जाए। पीएम मोदी को तुरंत मणिपुर जाना चाहिए, वहां के लोगों की बात सुननी चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे हालात सामान्य करने के लिए क्या योजना बना रहे हैं।

विधानसभा को भी कर दिया गया है निलंबित

भविष्य की चिंता वायुमंडल में छा जाएगा धूल का भयंकर गुबार

उल्कापिंड टकराने से पृथ्वी पर 15% कम हो सकती है बारिश

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : एस्टेरॉयड का मतलब उल्कापिंड या क्षुद्रग्रह होता है। सौरमंडल के विशेषज्ञ बताते हैं कि एस्टेरॉयड को किसी ग्रह या तारे का टूटा हुआ टुकड़ा माना जाता है। ये पत्थर या धातु के टूकड़े होते हैं। एक छोटे पत्थर से लेकर एक मील बड़ी चट्टान तक और कभी-कभी ये एवरेस्ट के बराबर तक भी हो सकते हैं। आकाश में कभी-कभी एक ओर से दूसरी ओर हाई स्पीड के साथ चलते हुए अथवा पृथ्वी पर गिरते हुए, जो पिंड दिखाई देते हैं, उन्हें उल्का और साधारण बोलचाल में टूटते हुए तारे कहा जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि हमारे सौरमंडल में करीब 20 लाख एस्ट्रेरॉयड घूम रहे हैं। नासा के पास पृथ्वी के आसपास 140 मीटर या उससे बड़े करीब 90 प्रतिशत एस्टेरॉयड को ट्रैक करने की क्षमता है। हमारे सौरमंडल में ऐसे लाखों छोटे-बड़े पिंड हैं,जो सूर्य की परिक्रमा करते हुए कई बार पृथ्वी के निकट आ जाते हैं। निकट से गुजर जाते हैं या उसके वायुमंडल में आकर जलकर टूकड़े-टूकड़े होकर धरती पर गिर जाते हैं। इसके कारण पृथ्वी पर भयावह स्थिति पैदा हो जाती है।

500 मीटर के एस्टेरॉयड टकराने पर जलवायु और जीवन में बड़ा बदलाव संभव

पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को कई तरह से नुकसान का करना पड़ेगा सामना

- सूर्य और पृथ्वी के बीच मौजूद ओजोन परत में 32% तक गिरावट की आशंका
- बुसान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में आईसीसीपी के शोधकर्ताओं ने किया है विशेष अध्ययन

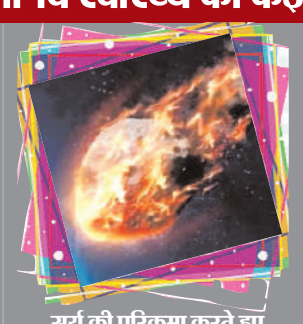

सूर्य की परिक्रमा करते हुए पृथ्वी के निकट आ जाते हैं उल्कापिंड, हमारे सौरमंडल में लगातार घूम रहे करीब 20 लाख एस्टेरॉयड

- साइंस एडवांस जर्नल में लंबे समय तक की गई स्टडी की है विस्तृत जानकारी
- 10 से 40 करोड़ टन तक धूल छा जाने से वायुमंडलीय रसायन प्रक्रिया में होगी गड़बड़ी

क्लाइमेट सिस्टम में बड़ा परिवर्तन

मध्यम आकार यानी लगभग 500 मीटर के एस्टेरॉयड के टकराने के कारण पृथ्वी पर जलवायु और जीवन में बदलाव आ सकता है। ऐसी स्थिति में ऊपरी वायुमंडल में कई सौ लाख टन धूल के बड़े गुबार छा जाएंगे। 10 से 40 करोड़ टन तक की धूल छा जाने के बाद तीन से चार सालों में जलवायु, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और वैश्विक प्रकाश संश्लेषण में भारी गड़बड़ी हो सकती है।

कल बीआईटी के समारोह में होंगी शामिल

आज शाम रांची पहुंचेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

PHOTON NEWS RANCHI : 14 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु झारखंड की राजधानी रांची पहुंच रही हैं। वह बीआईटी मेसरा के हीरक जयंती समारोह में 15 फरवरी को शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सुरक्षा के लिए रांची पुलिस ने चाक-चौबंद व्यवस्था की है। राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे राजभवन जाएंगी। राष्ट्रपति की सुरक्षा तीन लेयर में होगी। उनकी सुरक्षा में 1000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जायेगा। सुरक्षा में 10 आइपीएस अधिकारी की भी तैनाती होगी। सुरक्षा को लेकर डीआइजी-सह-एसएसपी, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, ट्रैफिक एसपी, एएसपी सीसीआर सहित 10 आइपीएस, 20 से अधिक डीएसपी और बड़ी संख्या में जिला बल, स्पेशल ब्रांच के इंस्पेक्टर भी लगाए जाएंगे।

- एयरपोर्ट से सीधे राजभवन जाएंगी राष्ट्रपति, तीन लेयर में चाक-चौबंद की गई है सुरक्षा व्यवस्था

BRIEF NEWS

209 बच्चों को मिल रहे प्रतिमाह 4000 रुपये

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को मिशन वात्सल्य अंतर्गत प्रायोजन एवं पालन-पोषण देखरेख अनुमोदन समिति (एसएफसीएसी) की बैठक हुई। इसमें जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेंब्रम ने जानकारी दी कि इस योजना के अंतर्गत समिति द्वारा लातेहार जिला अंतर्गत एकल माता के बच्चों, अनाथ बच्चों, एचआईवी पीड़ित के बच्चों, दिव्यांगजनो के बच्चों आदि को 4000 रुपये प्रतिमाह का आर्थिक सहयोग 3 वर्षों तक अथवा बच्चों के 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक दिया जा रहा है। वर्तमान में उक्त योजना से 209 बच्चे लाभ प्राप्त कर रहे हैं। बैठक में समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए 37 आवेदन आए और सभी को अनुमोदित कर दिया गया। बैठक में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अनुकंपा पर दो को मिला नियुक्ति पत्र

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में अनुकंपा के आधार पर शांति कुमारी और देवाशीष आर्या को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उपायुक्त ने दोनों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी व लगन से करें। अनुशासन में रहकर अपने कर्तव्य का पालन करें और अच्छे व्यक्तित्व के कर्मी होने का परिचय दें। 13 जून 2007 को उग्रवादी हिंसा में मृत यमुना साव की पुत्री शांति कुमारी को समाहरणालय अधीन चतुर्थवर्गीय पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं जिला अभिलेखागार में अनुसेवक के पद पर कार्यरत उगन साव की आकस्मिक मृत्यु के उपरांत उनके पुत्र देवाशीष आर्या को समाहरणालय अधीन निम्नवर्गीय लिपिक के पद पर नियुक्त किया गया है।

अफीम के खिलाफ लोगों को किया जागरूक

KHUNTI : जिला प्रशासन की ओर से गुरुवार को कर्रा बाजार समेत अन्य क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अवैध अफीम की खेती के दुष्प्रभावों से आमजनों एवं किसानों को अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को अवैध खेती को छोड़कर वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि अवैध अफीम की खेती न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह समाज और स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। किसानों को समझाया गया कि वे अफीम की खेती को छोड़कर ड्रैगन फ्रूट, टमाटर, बैगन, मूंग जैसी लाभकारी फसलों की खेती करें, जिससे उनकी आजीविका भी सुरक्षित रहे और समाज में सकारात्मक बदलाव आए। जिला प्रशासन खूंटी का यह अभियान स्थानीय किसानों को वैकल्पिक खेती की ओर प्रेरित करने एवं क्षेत्र में सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इस दौरान किसानों को सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही कृषि योजनाओं एवं तकनीकी सहायता की जानकारी भी दी गई।

अफीम के पौधे सहित 5 किए गए गिरफ्तार

KHUNTI : एसपी के निर्देश पर पुलिस ने खूंटी थाना अंतर्गत ग्राम-पोसैया, चामडीह, कुरकुटीया व लटरजंग के जंगल एवं झाड़ियों में छिपा कर रखे गए अफीम के पौधों के साथ 5 लोग गिरफ्तार किए गए। सत्यापन के क्रम में तीनों गांव में झाड़ियों से घेरे गए खेत में अफीम के पौधों की सिंचाई करते हुए पांचों व्यक्ति पकड़े गए। जाड़े मुंडा, राम मुंडा, फागुवा मुंडा, जोशी कच्छप और सुशील होरो को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज किया।

13 दिनों में मिले 27 कुष्ठ रोगी, 200 की हुई जांच

DHANBAD : 30 जनवरी को धनबाद में शुरू हुए कुष्ठ उन्मूलन अभियान के तहत मरीज खोज अभियान में अब तक 27 की पहचान हुई है। 14 दिनों में 27 नए मरीज मिले हैं, जबकि 200 संदिग्ध है, जिनकी जांच चल रही है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो इनमें भी 15 से 20 कन्फर्म मरीज मिलेंगे। जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. मंजू दास ने बताया कि 14 फरवरी तक यह अभियान चलाया जाएगा।

कोडरमा में ऑनर किलिंग का मामला आया सामने

पिता व भाई ने कर दी युवती की हत्या, तीन हुए गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी अनुदीप सिंह ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODERMA : कोडरमा जिले में ऑनर किलिंग का मामला सामबे आया है। मामले में युवती की हत्या के बाद उसके पिता और दो भाई को गिरफ्तार किया गया है। मरकच्चो थाना क्षेत्र के दक्षिणी पंचायत मरकच्चो अंतर्गत भगवतीडीह स्थित जमुनिया गढ़ा के समीप बालू में दबे एक सिर कटी लाश की बरामदगी मामले का कोडरमा पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है। गिरफ्तार आरोपी मृतका के पिता व भाई ही हैं। बताया जाता है कि युवती दूसरी जाति के युवक के साथ प्यार करती थी, जिससे नाराज परिजनों ने युवती की हत्या कर दी और शव छिपाने का प्रयास किया। इस बाबत कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने गुरुवार शाम को प्रेसवार्ता में बताया कि मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ब्रह्ममटोली में एक नाबालिग युवती के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई थी। युवती के परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन पर मरकच्चो थाना में मामला दर्ज किया गया। खोजबीन के क्रम में पंचखेरो नदी के जमुनिया घाट किनारे बालू में एक शव गड़ा हुआ मिला, जिसकी जांच पडताल पुलिस द्वारा की जाने लगी। पुलिस द्वारा शव की पहचान हेतु परिजनों को पंचखेरी नदी के जमुनिया घाट किनारे बुलाया गया, पर परिजनों ने शव को पहचानने से इंकार कर दिया। पुलिस द्वारा मृतका के घर पर सेप्टिक टैक का नया निर्माण कार्य पाए जाने के कारण शक होने पर युवती के परिजनों से विभिन्न बिंदु पर सवाल किया गया।

पहले सेप्टिक टैंक में डाल दिया था शव

मृतक की फाइल फोटो

एसपी ने बताया कि बार-बार विभिन्न बिंदु पर पूछताछ करने पर परिजन अपनी ही बात में उलझते गए। परिजनों ने युवती की हत्या कर शव को छिपाने एवं शव को धड़ से अलग करने की बात स्वीकार कर ली। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या कर शव को छिपाने के लिए प्रयोग में लाई गई साइकिल, बोरी एवं टांगी को बरामद किया तथा हत्या कर शव को छिपाने के लिए प्रयोग में लाए गए सेप्टिक टैक की पहचान की गई, जहां से मृतका के सिर के बाल को जब्त किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त मृतका का भाई ज्योतिष कुमार पांडेय ने बताया कि मृतका किसी लड़के से बात करती थी। फलस्वरूप अभियुक्त ज्योतिष कुमार पांडेय ने कई बार मृतका को फटकार लगाई और बात करने से मना किया था। घटना के दिन 2 फरवरी को पुनः बात करते हुए ज्योतिष कुमार पांडेय ने देख लिया, जिसके बाद गुस्से में आकर दोपहर करीब 12.30 बजे अकेला पाकर गला दबाते हुए जान से मार दिया और शव को छिपाने के लिए सेप्टिक टैंक में गाड़ दिया। पुलिस की लगातर सक्रियता के कारण शव को सेप्टिक टैक से उखाड़कर पंचखेरी नदी के जमुनिया घाट के किनारे ले जाकर मृतका के पिता मदन पांडेय ने सिर को शरीर से अलग कर गाड़ दिया। इस बाबत मृतका के पिता मदन पांडेय, उम्र 73 वर्ष, पिता स्व. शिवनंदन पांडेय, ब्रह्मटोली, मृतका के बड़ा भाई नितीश पांडेय (उम्र 36 वर्ष, पिता मदन पांडेय), भाई ज्योतिष कुमार पांडेय (उम्र 20 वर्ष, पिता मदन पांडेय) को गिरफ्तार किया गया।

ट्रैक्टर पलटने से एक की मौत, एक हो गया गंभीर रूप से घायल

LOHARDAGA : जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के तोड़ार ग्राम स्तिथ नहर के समीप नाले में ट्रैक्टर पलटने से एक व्यक्ति की मौत घटना स्थल पर हो गई। जबकि दूसरा युवक ट्रैक्टर सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय ग्रामीणों के पहल से एम्बुलेंस 108 के माध्यम से इलाज के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही सेन्हा थाना प्रभारी अजित कुमार,एस आई मनीष कुमार और ए एस आई दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और आगे की कार्रवाई में जुट गये। मृतक की पहचान बगडू थाना क्षेत्र के महुगांव निवासी असंभर लोहरा का पुत्र नकुल लोहरा तथा घायल का पहचान गणेश लोहरा का पुत्र सुमन लोहरा के रूप में किया गया। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर चालक चारहु ग्राम स्थित राजा ईंट भट्ठा से ट्रैक्टर में ईंट लाद कर तोड़ार आया था। ईंट खाली कर वापस लौट रहा था। इसी क्रम में तोड़ार ग्राम स्थित फुलझर नहर के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित हो नाला में पलट गया। थाना प्रभारी अजित कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने बताया कि खाली ट्रैक्टर अनियंत्रित हो नाले में पलट गया । इससे एक की मौत हो गयी और एक व्यक्ति घायल हो गया।

कैदी भागने के मामले में कई मिले दोषी बंदी वार्ड किया जाएगा शिफ्ट : एसपी

जांच करने पहुंचीं एसपी रीष्मा रमेशन ● फोटोन न्यूज

AGENCY PALAMU : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल से हत्याकांड के कैदी ऋषिकेश कुमार दुबे के फरार हो जाने की घटना के छह दिन बाद पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने गुरूवार को एमआरएमसीएच के कैदी वार्ड का निरीक्षण किया। भौतिक सत्यापन के बाद कहा कि एमआरएमसीएच में पुरानी भवनों को तोड़ा जा रहा है। ऐसे में कैदी वार्ड को शिफ्ट किया जायेगा। इसके लिए जेल अधीक्षक का भी पत्र मिला है। उन्होंने वार्ड से फरार हुए हत्याकांड के आरोपित ऋषिकेश कुमार दुबे के मामले में कहा कि कैदी के भागने के मामले में डीएसपी ने अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी है। इसमें कई लोगों की संलिप्तता सामने आई है। दोषियों पर कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गत 8 फरवरी शुक्रवार सुबह 7 बजे एमआरएमसीएच के कैदी वार्ड से हत्याकांड के आरोपित ऋषिकेश कुमार दुबे फरार हो गया था। उसके भागने से पहले कैदी वार्ड में फोन पर बातचीत करते सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। वीडियो को देखने से पूरी तरह स्पष्ट होता है कि कैदी को वार्ड से योजना के तहत भगाया गया। वार्ड के पुलिस जवान दिनेश राम के दावे भी संदिग्ध लगते हैं। पुलिस कैदी के साथ नजर आए दो युवकों का कॉल डिटेल एवं लोकेशन लेकर उन्हें ढूंढने की कोशिश कर रही है। कैदी ऋषिकेश कुमार दुबे दिसंबर 2023 से हत्या के आरोप में जेल में बंद था। खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने पर 30 जनवरी को उसे एमआरएमसीएच लाया गया था एवं इलाज किया जा रहा था। कैदी को भगाने के मामले में उसके साले की संलिप्तता सामने आयी है।

वेलेंटाइन वीक में प्रेमिका के साथ पकड़ा गया पति, थाने पहुंची पत्नी

RAMGARH : वेलेंटाइन वीक पर एक महिला ने अपने पति को उसकी प्रेमिका के साथ उसके घर में ही पकड़ लिया। इसके बाद यह पूरा मामला थाने पहुंचा। पति और उसकी प्रेमिका दोनों पुलिस की हिरासत में पहुंच गए। यह पूरी घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पीछे एक घर में घटी है। पुलिस की हिरासत में मौजूद प्रेमी भीम सिंह कुशवाहा और उसकी प्रेमिका कांति देवी एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसम खा रहे थे। इसी दौरान भीम की पत्नी संध्या कुमारी वहां पहुंची और उन दोनों को रंगे हाथों पकड़ा। उसने भीम और कांति को कमरे के बाहर बंद कर दिया और पूरे मोहल्ले को वहां जुटाया। संध्या कुमारी ने पुलिस को बताया कि उसके पति भीम सिंह कुशवाहा पर पिछले पांच महीना से शक हो रहा था। वेलेंटाइन वीक के दौरान उसने अपने पति का पीछा किया। गुरुवार को जब उसका पति भीम अपनी प्रेमिका कांति देवी से मिलने के लिए उसके घर पहुंचा, तो उसने उसे वहां देख लिया। इसके बाद उसने कांति देवी की सास पियासी देवी और अन्य लोगों को खबर की।

महिला से 12 लाख ठगने वाला युवक भेजा गया जेल

AGENCY PALAMU : पुलिस ने 24 वर्ष की तलाकशुदा महिला से शारीरिक संबंध बनाकर उसकी 12 लाख की संपत्ति ठग लेने के मामले में कांदू मोहल्ला के धीरज चंद्रवंशी (28) को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। महिला दिल्ली में रहकर काम करती है और उसका मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र में भी घर है। महिला का आरोप है कि धीरज के घर आना जाना होता था। नजदीकियां बढ़ने के कारण एक दिन धीरज उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ यौन संबंध बनाया और उसकी अश्लील तस्वीर खींच ली। फोटो दिखाकर बदनाम करने एवं बेइज्जत करने की धमकी दी। अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार यौन संबंध बनाया करता था। इसी बीच इसकी जानकारी उसके पति को हुई तो उसके पति ने उसे तलाक दे दिया। युवक के परिजनों ने साजिश एवं षड्यंत्र रचकर उसकी शादी धीरज से कर दी। सारे सामान भी रख लिए। उसके बैंक खाते में तीन लाख रूपए थे। धीरज ने धीरे-धीरे सारे पैसे ले लिए। उसकी मां सुनीता देवी ने समूह से चार लाख रुपए कर्ज ली थी, उसे भी दूसरे से कर्ज लेकर चुकता किया। गहना बेचकर धीरज ने बैटरी वाला टेंपो 55 हजार देकर फाइनेंस कराया और सारी कमाई रख लेता था।

छात्रों की शिकायत पर की थी अनियमितता की जांच : मंत्री

राज्यपाल को रिपोर्ट सौंपते मंत्री

PALAMU : रांची में गर्वनर संतोष गंगवार से मिलने के बाद मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने गुरूवार को पलामू में कहा कि नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय में भवन निर्माण में बरती गयी अनियमितता की जांच कई छात्र संगठनों की शिकायत पर की गयी थी। उन्होंने कहा कि लगभग 125 करोड़ रुपए की लागत से नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय का भवन निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण में अनियमितता बरती गई है। छात्रों की शिकायत पर वे 11 फरवरी को विश्वविद्यालय के निर्मित भवन को देखने गये थे। उन्होंने पाया कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक तथा एकेडमिक भवन में लगाये गए खिड़की-दरवाजे की गुणवत्ता संभवतः तय मानकों के अनुरूप नहीं है। एकेडमिक भवन की खिड़कियों में ग्रिल नहीं लगायी गयी है। परिणाम स्वरूप सुरक्षा खतरों से इनकार नहीं किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के निरीक्षण के क्रम में कुलसचिव शैलेश कुमार मिश्रा उपस्थित थे।
उन्होंने मंत्री को बताया कि निर्मित भवनों में पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा प्रशासनिक और एकेडमिक भवन को हस्तगत कर लिया गया।

संस्थागत प्रसव के लिए करें जागरूक : डीसी

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को समय पर गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित करने व संस्थागत प्रसव सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं को संचालित करने का निर्देश दिया। वह टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की स्थिति से अवगत हुईं व कार्यक्रम की बेहतरी के लिए निर्देश दिए। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से स्वास्थ्य कर्मी, चिकित्सक, नर्स, एएनएम आदि कर्मियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करें।
अगर वह अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने का काम करते हैं, उन्हें चिह्नित कर उन पर कार्रवाई करें।

लंबित योजनाओं को शीघ्र पूरा करने के उपायुक्त ने दिए निर्देश

पदाधिकारियों को संबोधित करतीं डीसी नैन्सी सहाय ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय सभागार में तकनीकी विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने विशेष प्रमंडल, पथ प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, पेयजल विभाग,लघु सिंचाई, विद्युत विभाग,भवन निर्माण, बिजली विभाग जैसे अन्य तकनीकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इसी क्रम में उपायुक्त ने सभी तकनीकी विभाग द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और लंबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने हॉस्पिटल, स्कूल, आंगनबाड़ी के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए कार्य को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने डीएमएफटी के तहत क्रियान्वित योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना की भी समीक्षा की। वहीं, सभी पदाधिकारियों को पूर्व की योजनाओं और छोटी योजनाओं को भी प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का टेंडर हो गया है, उसे शीघ्र शुरू करें।
उपायुक्त ने सभी विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने अधीनस्थ कार्यरत कांट्रेक्टर्स के साथ बैठक कर क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा कीजिए। जिनका प्रोग्रेस कम है, उसकी रिपोर्ट कीजिए।
उन्होंने सभी पदाधिकारियों से कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखने का निर्देश दिया तथा जो कार्य अपूर्ण हैं, उन पर आवश्यक गति लाकर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अगर किसी योजना में किसी प्रकार की समस्या आ रही है, तो उसकी सूचना दें।

भवन निर्माण विभाग मेदिनीनगर में ठेकेदारों ने कार्यपालक अभियंता पर लगाए गंभीर आरोप

टेंडर रद्द होने पर संवेदकों ने खूब किया हंगामा

विभागीय कार्यालय में तैनात पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

AGENCY PALAMU : भवन निर्माण विभाग मेदिनीनगर में टेंडर को लेकर एक बार फिर हंगामा किया गया। टेंडर रद्द होने पर कई संवेदक आक्रोशित नजर आए। संवेदकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मैनेज नहीं होने के कारण टेंडर को कार्यपालक अभियंता महेंद्र राम ने रद्द कर दिया। संवेदकों ने कार्यपालक अभियंता पर कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को ही ठेका देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्कृति बर्दाश्त से बाहर है। गुरूवार को टेंडर डालने पहुंचे ठेकेदार रजनीश सिंह, अजीत तिवारी, मृत्युंजय, विजय कुमार सिंह, पिंटू शुक्ला, प्रभात ट्रेडर्स के संवेदक सहित कई ने आरोप लगाते हुए कहा कि मैनेज नहीं होने के कारण इस टेंडर को बार-बार टाला जा रहा है। पहले 28 जनवरी को टेंडर निकाला गया था। फिर समय बढ़ाकर आठ फरवरी किया गया। 13 फरवरी को टेंडर डालने की तिथि निर्धारित की गयी थी। जब टेंडर पेपर तैयार कर टेंडर डालने पहुंचे तो पेपर डालने वाला बक्सा ही गायब पाया गयाा। इसे लेकर कार्यपालक अभियंता के साथ ठेकेदारों की कहा सुनी भी हुई। कुछ देर के बाद टेंडर को रद्द करने का नोटिस कार्यालय के बोर्ड पर चिपका दिया गया।
रद्द किया गया टेंडर स्कूल की चहारदीवारी निर्माण, थाना में कमरा बनाने, पेवर ब्लॉक बिछाने, हॉस्टल में पेयजल की व्यवस्था, हॉस्पिटल में निर्माण कार्य से सम्बंधित था। ठेकेदारों के आरोप पर कार्यपालक अभियंता ने कहा कि संवेदक टेंडर डालने में नियम का पालन नहीं कर रहे थे। वे आपस में टेंडर मैनेज करना चाहते थे। ऑफिस में आकर मिलजुलकर पेपर तैयार कर रहे थे, जबकि पेपर तैयार कर बंद लिफाफा में टेंडर पेपर कार्यालय लाना होता है।

जेबकतरे की शक्ल से मिलते जुलते शख्स को पुलिस ने पकड़ा

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ शहर के बैंक ऑफ इंडिया में दिव्यांग ग्राहक जीवन लाल की जेब काटने वाले शक्ल से मिलता जुलता शख्स पुलिस की हिरासत में पहुंच गया है। रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि जिस व्यक्ति को पकड़ा गया है उसकी सूरत सीसीटीवी कैमरे में कैद व्यक्ति से मिलती-जुलती है। गुरुवार को वह शख्स स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मौजूद था, जहां उसकी शिनाख्त हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए शख्स का नाम शिवशंकरण है और वह मूल रूप से दक्षिण भारत का रहने वाला है। झारखंड में वह रांची जिले के खलारी में डंपर ऑपरेटर के रूप में काम करता है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह रामगढ़ में लोन से संबंधित काम को लेकर आया था। लेकिन इस बारे में अभी पुष्टि नहीं हुई है। वह रामगढ़ किस काम से आया था इसका पता पुलिस लग रही है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में खूंटी को मिला तीन करोड़ का पुरस्कार

KHUNTI : स्वास्थ्य और पोषण क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करने पर नीति आयोग ने खूंटी जिले को तीन करोड़ की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया है। खूंटी जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन रहा। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत नीति आयोग शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, बुनियादी ढांचा, कृषि, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास जैसे पांच प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति की निगरानी करता है। इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले को प्रोत्साहन के रूप में अतिरिक्त संसाधन दिए जाते हैं, ताकि विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी तरीके से संचालित किया जा सके। खूंटी जिले ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण में उल्लेखनीय प्रगति की है। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे जिले के लिए गर्व का क्षण है। यह पुरस्कार जिला प्रशासन के प्रयासों का परिणाम है। पुरस्कार राशि का उपयोग जन कल्याणकारी योजनाओं को गति देने और क्षेत्र में जीवन स्तर को बेहतर एवं सुदृढ़ बनाने के लिए किया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि नीति आयोग की ओर से निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने और विकास में पारदर्शिता बनाए रखने का प्रमाण है।

कुष्ठ उन्मूलन के लिए पहुंची राज्य समन्वयक की टीम

बैठक करते टीम के सदस्य ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत गुरुवार को डेमियन फाउंडेशन इंडिया ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. पी. कृष्णा मूर्ति व सचिव डॉ. एम. शिव कुमार तथा गौतम कुमार एवं राज्य समन्वयक की टीम ने गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले का दौरा किया। सबसे पहले सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो कुमार माझी व जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. भारती मिंज ने टीम को अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। टीम सदर प्रखंड चाईबासा के कुल 5 कुष्ठ मरीजों की जांच की। भ्रमण के दौरान कामदेव बेसरा, मुकेश मुंडारी, बीएमडब्ल्यू शीतल मिंज के अलावे डेमियन फाउंडेशन इंडिया ट्रस्ट के जर्मनी से आए पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

राज्यपाल से वित्त मंत्री राधाकृष्ण ने की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने गुरुवार को राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल से उन्होंने नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय मेदनीनगर (पलामू) के गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण नहीं होने के संदर्भ में अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय के भवन के निम्न स्तर का होने, निर्माण स्थल पर पेयजल के लिए कोई व्यवस्था नहीं होने तथा दरवाजा-खिड़की नहीं होने का उल्लेख किया। कई कमियों के बावजूद उक्त भवन, विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के निर्मित भवन की गुणवत्तापूर्ण जांच के लिए राज्यपाल से आग्रह किया। राज्यपाल ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच दल गठित की है। यह समिति 17 एवं 18 फरवरी को प्रश्नगत योजना का सम्पूर्ण निरीक्षण करेगी तथा प्राक्कलन एवं निर्माण की गुणवत्ता के संबंध में जांच करते हुए अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

गवर्नर से छात्र संघ के अध्यक्ष ने की भेंट

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष सुशील उरांव ने राज भवन में भेंट। इस दौरान उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों में कुरमाली, कुड़ुख, मुंडारी, हो तथा संथाली भाषा की पढ़ाई के लिए पहल करने का आग्रह किया।वहीं दूसरी ओर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रिंस आजवानी ने राज भवन में राज्यपाल से भेंट की और गोवंश की रक्षा के लिए पहल करने का आग्रह किया।

निहारिका को साइंस ओलंपियाड में पहला पुरस्कार

RANCHI : सीएफ एंड्रयूस मेमोरियल इंग्लिश स्कूल थड़पखना की स्टूडेंट निहारिका पाल ने साइंस ओलंपियाड प्रतियोगिता के इंग्लिश विषय में जोनल स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। उन्हें गोल्ड मेडल के साथ डिस्टिंक्शन सर्टिफिकेट दिया गया है। स्कूल असेंबली के दौरान सचिव दीप्तिमान बोस और प्रिंसिपल अनिमा बोस ने उन्हें सम्मानित किया। इसके साथ ही शिक्षिका मोनालिसा सिन्हा को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर मजदूर की मौत

RANCHI : गुरुवार को पुंदाग ओपी क्षेत्र के लाजपत नगर रोड नंबर 4 में निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मजदूर निमार्णाधीन बिल्डिंग के ऊपर काम कर रहा था। इसी दौरान वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

इम्तियाज को बेल देने से सिविल कोर्ट का इनकार

RANCHI : सेना के कब्जे वाली जमीन से जुड़े फर्जीवाड़े में बीते साल 20 अगस्त से जेल में बंद इम्तियाज अहमद की मुश्किलें बढ़ गई है। रांची सिविल कोर्ट ने उसे जमानत देने से इनकार कर दिया है। इम्तियाज पर अन्य आरोपियों के साथ मिलकर जाली आधार कार्ड और बिजली बिल बनाकर सेना की जमीन बेचने का आरोप है। बता दें कि इस मामले को लेकर बरियातू थाना में 4 जून 2022 को मुख्य आरोपी प्रदीप बागची के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड को लेकर सीएस अलका तिवारी ने की मीटिंग

धीमी गति से चल रही योजनाओं के कार्य में लाएं तेजी : मुख्य सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मुख्य सचिव (सीएस) अलका तिवारी ने राज्य में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से चल रहीं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान योजना क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के ससमय पूरा होने से ही नाबार्ड के ऋण का फायदा मिलेगा। उन्होंने बहुत धीमी गति वाली योजनाओं के कार्य में प्रगति लाने और जो समय पर पूरी हो सकती हैं, उन योजनाओं पर फोकस करने पर बल दिया। मुख्य सचिव ने रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड और अन्य से जुड़ी योजनाओं की हाई पावर कमेटी की बैठक की। इस दौरान योजनाओं के विरुद्ध स्वीकृत ऋण निकासी के बाद बचे पैसे (गैप) पर भी गहन मंथन किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की संभावित योजनाओं पर चर्चा की गई।

योजनाओं के समय पर पूरा होने से ही नाबार्ड के ऋण का मिलेगा फायदा

स्वीकृत ऋण निकासी के बाद बचे पैसे पर भी किया गया गहन मंथन

सड़क निर्माण विभाग की 34 में से 22 योजनाएं हो चुकीं पूरी

साथ ही बताया गया कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की 369 गोदाम और मार्केटिंग सेंटर बनाने के लिए 103.66 करोड़ की योजना के विरुद्ध 92.85 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग की ग्रामीण पुल निर्माण की 803.94 करोड़ की योजना है। इसमें से 124 पुल निर्माण के लिए 271.35 करोड़ का ऋण प्रक्रियाधीन है। इस दौरान स्पष्ट हुआ कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में सड़क निर्माण विभाग की 1,088.36 करोड़ की 34 में से 22 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 12 लगभग पूरी होने की स्थिति में हैं। वहीं जल संसाधन विभाग की 2,873 करोड़ की सिंचाई योजनाओं में से 4 बड़े प्रोजेक्ट पूरा होने की स्थिति में हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हाई पावर कमेटी की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार, पथ निर्माण के प्रधान सचिव सुनील कुमार, कृषि सचिव अबू वक्कर सिद्धीकी, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन एवं नाबार्ड के अधिकारी उपस्थित थे।

योजनाओं के लिए ऋण स्वीकृत

समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभिन्न विभागों की वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 2921.79 करोड़ की 500 योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 1839.39 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हैं या प्रक्रियाधीन हैं। उसमें से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पेयजल से जुड़ी 1137.53 करोड़ की 18 योजनाओं के लिए 976.96 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हो चुका है। जल संसाधन विभाग के 365.30 करोड़ के पलामू लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए 308 करोड़ और 511.36 करोड़ के पीरटांड़ मेगालिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए 461.53 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत है। ग्रामीण विकास विभाग की 380 करोड़ की योजनाओं की प्रगति बढ़िया पायी गई।

नेशनल हर्निया सोसाइटी की कॉन्फ्रेंस में जुटे कई एक्सपर्ट डॉक्टरों ने देखी लाइव सर्जरी

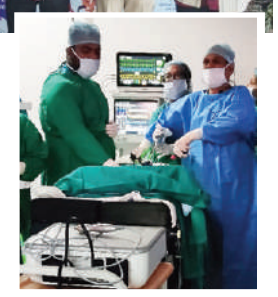

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को इंडियन हर्निया सोसाइटी और आर्किड हॉस्पिटल रांची की ओर से 16वें नेशनल हर्निया कांफ्रेंस की शुरूआत हुई। इसमें देश-विदेश के एक्सपर्ट डॉक्टर शामिल हुए। इस सम्मेलन में हर्निया से ग्रसित मरीजों की सर्जरी भी की गई। डॉक्टरों ने हर्निया के 25 मरीजों की निशुल्क सर्जरी की। यह सर्जरी आर्किड में हुई, जिसका सीधा प्रसारण होटल रेडिसन ब्लू में किया गया। देश-विदेश से आए डॉक्टरों ने सर्जरी देखी। इसके बाद सर्जरी से जुड़े कई पहलुओं पर चर्चा भी की। इसके अलावा सर्जरी की नई तकनीकों से भी अवगत कराया।

एम्स समेत कई हॉस्पिटल के डाक्टर हुए शामिल : सम्मेलन में देश-विदेश से आए कई प्रतिष्ठित सर्जंस ने भाग लिया। इनमें एम्स दिल्ली के डॉ प्रो बीके बंसल, डॉ डीपी सिंह, डॉ असूरी कृष्णा, डॉ मुमताज अंसारी और डॉ हेमांग भट्टाचार्जी शामिल थे। इससे पहले सम्मेलन का उद्घाटन बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आर्किड के डायरेक्टर सिद्धांत जैन, इंडियन हर्निया सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ बीके बंसल और अन्य विशेषज्ञ मौजूद थे।

एकलव्य प्रशिक्षण और मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना पर बीजेपी ने उठाए सवाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रवक्ता अजय साह ने एकलव्य प्रशिक्षण और शिक्षा प्रोत्साहन योजना पर हेमंत सरकार से जवाब मांगा। भाजपा ने आरोप लगाया कि इन योजनाओं के लिए स्वीकृत 350 करोड़ का बजट अब तक जारी नहीं किया गया है। इन योजनाओं का उद्देश्य झारखंड के 35,000 छात्रों को मुफ्त कोचिंग और आर्थिक सहायता प्रदान करना था।अजय साह ने कहा कि अक्टूबर 2023 में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दो अहम टेंडरों एकलव्य प्रशिक्षण योजना और मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना का अब तक कोई प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हुआ है। इन योजनाओं के तहत छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेपीएससी, मेडिकल, इंजीनियरिंग, बैंक पीओ और एसएससी जैसी परीक्षाओं के लिए कोचिंग मुहैया कराने की योजना थी। इसके साथ ही छात्रों को हर महीने 2500 की आर्थिक सहायता भी देने का प्रावधान था। अजय साह ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन योजनाओं के लिए बजट मंजूरी के डेढ़ साल बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या छात्रों के लिए निर्धारित फंड किसी अन्य योजना में ट्रांसफर कर दिया गया है।

झारखंड लोक सेवा आयोग का पिंडदान कर अभ्यर्थियों ने जताया विरोध

RANCHI : गुरुवार को जेपीएससी छात्र सत्यनारायण शुक्ला ने झारखंड लोक सेवा आयोग के मुख्य गेट के सामने पिंड दान किया और ब्राह्मण भोज कार्यक्रम आयोजित कर विरोध जताया। इस दौरान छात्रों ने कहा कि जेपीएससी अध्यक्ष पद पिछले सात महीनों से रिक्त है, जिसके कारण जेपीएससी परीक्षा के 11वीं और 13वीं मुख्य परीक्षा के परिणाम, फुट सेफ्टी परीक्षा का परिणाम, सीडीपीओ मेंस परीक्षा का परिणाम, असिस्टेंट कंजरवेटर ऑफिसर और फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर परीक्षा का परिणाम अब तक प्रकाशित नहीं हो पाया है। इसके कारण हजारों छात्रों का भविष्य अंधकार में है और उनका समय नष्ट हो रहा है। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं और कोचिंग फीस का बोझ बढ़ता जा रहा है। राज्य सरकार आदिवासी-मूलवासी का बेटा होने की बात कर रही है, लेकिन झारखंड के निवासियों को नौकरी नहीं मिल रही है।जेपीएससी छात्र शशांक राज ने कहा कि राज्य की सबसे बड़ी संस्था जेपीएससी है। लेकिन, यहां अध्यक्ष पद पिछले सात महीनों से खाली पड़ा है।

सोशल मीडिया फेसबुक पर पोस्ट कर सरकार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने घेरा

6 महीने से बिना अध्यक्ष के पंगु बना दिया गया है जेपीएससी : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर झारखंड सरकार पर हमला बोला है। सोशल मीडिया फेसबुक पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि पिछले छह महीनों से झारखंड लोक सेवा आयोग अध्यक्ष के बिना कार्य कर रहा है। इससे राज्य के हजारों मेधावी छात्रों का भविष्य अंधेरे में है। जिन छात्रों ने अपने सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम किया था, उनके लिए अब परीक्षा परिणाम, चयन प्रक्रिया और सरकार के अगले कदम का कोई पता नहीं है। पूरी प्रक्रिया ठप पड़ी है और छात्रों के सामने सिर्फ असमंजस, इंतजार और अनिश्चितता है।

कहा- राज्य के हजारों मेधावी छात्रों का भविष्य अंधेरे में लटका

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

संगठनों और छात्रों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की है कि वे इस मामले में शीघ्र हस्तक्षेप करें और युवाओं के भविष्य को पटरी पर लाने के लिए तुरंत जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति करें। उनका मानना है कि मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से ही यह मामला सुलझ सकता है और लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। छात्रों और उनके परिवारों के लिए यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। बेरोजगार युवाओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है और राज्य सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

रुक गया है कामकाज

जेपीएससी के अध्यक्ष के बिना आयोग का कामकाज रुका हुआ है और इससे राज्य के युवाओं के भविष्य पर गहरा संकट आ गया है। पिछले कुछ महीनों से परीक्षा परिणामों का इंतजार करने वाले उम्मीदवारों को न तो परिणामों के बारे में कोई जानकारी मिल रही है, न ही आगे की प्रक्रिया के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी। इसके चलते युवा बेरोजगारों के मन में निराशा और आक्रोश की लहर है। राज्य सरकार की बेरुखी ने लाखों युवाओं की मेहनत पर पानी फेर दिया है। जिस समय युवाओं को उनके सपनों को पूरा करने का मौका मिलना चाहिए था, उस समय राज्य सरकार की लापरवाही ने उन्हें असमंजस में डाल दिया है। जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति न होने से आयोग की कार्यशैली प्रभावित हुई है और इससे परीक्षा परिणामों के विलंब के साथ-साथ आगामी चयन प्रक्रिया भी ठप पड़ी है।

अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण व आधुनिकीकरण सुमन गुप्ता ने की बैठक

आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर अनुसंधान पदाधिकारियों का निबंधन अनिवार्य

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को झारखंड के अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण सुमन गुप्ता ने पुलिस मुख्यालय सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की। इस बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर अनुसंधान पदाधिकारियों का निबंधन एवं प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के विषय पर चर्चा की गई। पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण ए विजयालक्ष्मी भी इस बैठक में उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान यह बताया गया कि पिछले एक सप्ताह में लगभग 3769 अनुसंधानकर्ताओं ने आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर निबंधन कराया है। सुमन गुप्ता ने सभी वरीय पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि विशेष अभियान चलाकर अगले एक माह में सभी अनुसंधान पदाधिकारियों का शत-प्रतिशत निबंधन सुनिश्चित किया जाए।

इन मुद्दों पर की गई चर्चा

- सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता।
- कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम।
- उभरती तकनीकों का परिचय।
- साइबर स्पेस में सुरक्षित रहना।
- मिशन लाइफ पर ओरिएंटेशन मॉड्यूल।
- कार्यस्थल पर योग अभ्यास।

कई लोगों ने ली झामुमो की सदस्यता

RANCHI : गुरुवार को झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली के तत्वावधान में रांची महानगर अंतर्गत डोरंडा बाजार के पास शिविर लगाकर सदस्यता अभियान चलाया गया। झामुमो के जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम की अध्यक्षता में चलाए गए सदस्यता अभियान में पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य उपस्थित हुए। इस अवसर पर रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल कुमार मेहता, संध्या गुड़िया, सोनू मुंडा एवं पूर्व पार्षद नसीम गद्दी, अफरोज आलम, कलाम आजाद, साहिल हबीब, आदिल इमाम, पुष्पा बरदेवा, सोहेल खान, रमजान रजा, माइकल रुंडा, समेत अन्य महानगर के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। सदस्यता अभियान को सफल बनाने में मुख्य रूप से पूर्व पार्षद नसीम गद्दी और साहिल हबीब का अहम योगदान रहा।

शहीद कैप्टन को श्रद्धांजलि देने नहीं पहुंचे रक्षा राज्य मंत्री, कांग्रेस ने बोला हमला

शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए बीजेपी के नेताओं के पास समय नहीं : राकेश सिन्हा

PHOTON NEWS RANCHI : जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में शहीद हुए कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी का पार्थिव शरीर जब रांची लाया गया, तो इस अवसर पर शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए रांची से सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं उन्होंने कोई प्रतिनिधि को भी नहीं भेजा। इस पर प्रदेश कांग्रेस ने तीखा हमला बोला। प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने इसे शहीद का अपमान बताया और कहा कि बीजेपी नेताओं को राष्ट्रवाद का दावा करने का शौक है। लेकिन जब शहीद को सम्मान देने की बात आई, तो वे अनुपस्थित रहे। राकेश सिन्हा ने कहा कि रक्षा राज्य मंत्री को श्रद्धांजलि देने का समय नहीं मिला, यह छद्म राष्ट्रवाद का उदाहरण है। बीजेपी के नेता केवल सोशल मीडिया पर राष्ट्रवाद की बातें करते हैं, लेकिन शहीदों को श्रद्धांजलि देने का समय नहीं मिलता। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सैनिकों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर हमेशा लापरवाही दिखाई है। पुलवामा जैसी घटनाएं उनके शासनकाल में हुईं, लेकिन अब तक जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई है। भाजपा के राष्ट्रवाद के दावों की अब पोल खुल चुकी है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार अपने औद्योगिक मित्रों को लाभ पहुंचाते हुए सैनिकों की जरूरतों को नजरअंदाज कर रही है।

परीक्षार्थियों और हवाई यात्रियों के लिए भी विशेष निर्देश जारी

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रांची का बदला ट्रैफिक सिस्टम

PHOTON NEWS RANCHI : भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को झारखंड आ रही हैं। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए राजधानी रांची कैप्टन फिक्स सिस्टम में बदलाव किया गया है। इस संबंध में रांची के ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने आदेश जारी किया है। मैट्रिक परीक्षार्थियों और हवाई यात्रियों के लिए भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। रांची के ट्रैफिक एसपी की ओर से जारी आदेश के अनुसार 14 फरवरी को सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे तक शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक शहर में छोटे मालवाहक वाहनों का प्रवेश भी वर्जित किया गया है। 15 तारीख को मैट्रिक और इंटरमीडिएट के प्रथम पाली के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र पहुंचने का समय सुबह 9:30 बजे तक तय किया गया है। वहीं, दूसरी पाली के लिए परीक्षार्थियों को दोपहर 12:00 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

आज सुबह 8 से रात 10 बजे तक शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित

दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों का भी नहीं होगा प्रवेश

इन मार्गों को किया गया है बंद

14 फरवरी को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक कांके, रातू, दलादली, काठीटांड़ और काठीटांड़ की ओर जाने वाले वाहन शहर के मुख्य मार्ग लालपुर रोड और कांटाटोली होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक रांची वासियों को एयरपोर्ट रोड, हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, बाइपास रोड, न्यू मार्केट चौक, हॉट लिप्स चौक और राजभवन मोड़ तक सड़कों का कम से कम उपयोग करने की सलाह दी गई है। कांके रोड, रातू रोड, काठीटांड़ से शहर की ओर आने वाले सभी वाहन कांके रिंग रोड, लालपुर चौक और कांटाटोली रोड होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे।

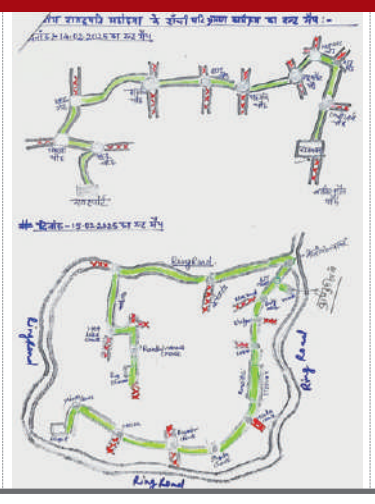

रिंग रोड होते हुए जाएंगे वाहन

15 फरवरी को सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक शहर में सभी प्रकार के बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके साथ ही 15 फरवरी को पलामू, गढ़वा, लातेहार और गुमला से आने वाले बड़े वाहन रिंग रोड होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। इसके अलावा जमशेदपुर से आने वाले सभी बड़े वाहन, जिन्हें पलामू की ओर जाना है, वे रामपुर रिंग रोड से बाएं मुड़कर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। 15 फरवरी को हजारीबाग से आने वाले बड़े वाहन, जिन्हें पलामू गुमला की ओर जाना है, वे नेवरी रिंग रोड चौक से बाएं मुड़कर रामपुर चौक होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।

एयरपोर्ट के लिए खास निर्देश

रांची एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ने वाले सभी यात्रियों के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। निर्देश के अनुसार, जिन्हें 14 फरवरी को फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचना है और जिनका समय शाम 4 से 5:30 बजे के बीच है, वे कोशिश करें कि वे दोपहर 3:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं। जिन्हें 15 फरवरी को हवाई यात्रा करनी है और जिनका समय दोपहर 11:00 से 1:30 बजे के बीच है, उन्हें सुबह 11:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

रांची में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री

RANCHI : रांची और आसपास के इलाकों में गुरुवार को मौसम के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। तापमान में पिछले तीन चार दिनों से बढोतरी हो रही थी। लेकिन गुरुवार को उत्तर, उत्तरी -पश्चिमी हवा के चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि फिलहाल तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के कारण आनेवाले दो तीन दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी। इसके बाद तापमान में फिर से बढोतरी होगी। वहीं गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार की तुलना में गुरुवार को रांची में न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इसीप्रकार जमशेदपुर में 33.3 और 15.5, डालटेनगंज में 33.5 और 13.5, बोकारो में 32.5 और 12.1, चाईबासा में 34.4 और 13.2 तथा देवघर में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मर्कजुल मदारिस जामिया शहीद शेख भिखारी कॉन्फ्रेंस व दस्तारबंदी का किया गया आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मर्कजुल मदारिस जामिया शहीद शेख भिखारी में कॉन्फ्रेंस व दस्तारबंदी का आयोजन किया गया। इसमें भारत के प्रसिद्ध उलेमा, मुफ्ती और नातखा के साथ रांची और आस पास के उलेमा, नातखा शामिल हुए। मुख्यातिथि नजीमे आला खलीफाए हुजूर ताजुश्शरिया ओवैसे मिल्लत हजरत अल्लामा मुफ्ती डॉ.मुहम्मद यूनुस रजा मोनिस ओवैसी की अध्यक्षता व जियारत हुई। संचालन मुफ्ती अब्दुल कूददुस ओवैसी साहब ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत मदरसे के शिक्षक कारी अब्दुल कादिर के तिलावत कुरान पाक के साथ हुआ। मदरसा के छात्रों ने बेहतरीन नात और मनकबत पढ़कर सबका दिल जीत लिया। इस मदरसा के उप नाजिमे आला और हाफिज कारी शमशीर रजा ने प्यारी आवाज में नात पेश किया। साथ ही रांची शहर और आस पास से आए हुए उलेमा ए कराम का बयान हुआ। मदरसे के ग्यारह बच्चे जो पूरे कुरान को याद कर के हाफिज बने हैं उन्हें पीरे तारिकत, रेहबरे शरीयत, खलीफाए हुजूर ताजुश्शरिया हजरत अल्लामा मुहम्मद युनस ओवैसी साहब एवं सैयद शब्बीर अहमद फिरदौसी, मौलाना दरगाह गया बिहार के पवित्र हाथों से सर पर पगड़ी बांध कर दस्तार किया गया।

समाचार सार

विधायक ने सोनुवा में सुनी ग्रामीणों की समस्या

SONUA : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विधायक जगत माझी ने प्रखंड कार्यालय स्थित अपने कक्ष में जनता दरबार लगाया। इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीणों ने विधायक से मुलाकात कर अपनी-अपनी समस्या सुनाई। जनता दरबार में पेयजल से संबंधित समस्या अधिक आई।

आनंदमार्गियों ने मनाया नीलकंठ दिवस

JAMSHEDPUR : आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से गदरा स्थित आनंद मार्ग जागृति आश्रम में गुरुवार को नीलकंठ दिवस मनाया गया इस अवसर पर 3 घंटे का बाबा नाम केवलम... अखंड कीर्तन हुआ। आज ही के दिन 1973 को आनंद मार्ग के संस्थापक गुरु श्रीश्री आनंदमूर्ति को बिहार के पटना स्थित बांकीपुर सेंट्रल जेल में इंदिरा गांधी की सरकार ने चिकित्सा के नाम पर दवा के रूप में जहर दिया था। इसी स्मृति में आनंदमार्गी पूरे विश्व में नीलकंठ दिवस मनाते हैं।

पार्किंग वसूलने वालों को ड्रेस कोड देने की मांग

JAMSHEDPUR : बाल मजदूर मुक्ति सेवा संस्थान के मुख्य संयोजक सदन कुमार ठाकुर ने शहर में पार्किंग वसूलने वालों को ड्रेस कोड व आई कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की है। ठाकुर ने उपायुक्त से कहा कि ऐसा नहीं होने से असामाजिक तत्व भी जहां-तहां पार्किंग वसूलते हैं। कई बार ये मारपीट तक करते हैं।

करणी सेना का हुआ विस्तार

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर में राधेश्याम सिंह के नेतृत्व में क्षत्रिय करणी सेना परिवार की बैठक हुई, जिसमें करणी सेना का विस्तार किया गया। इस दौरान चंद्रशेखर सिंह को कोल्हान उपाध्यक्ष, राधेश्याम सिंह, कमलेश सिंह, एसएन सिंह बघेल, यशवंत सिंह व मनोज सिंह को जिला संरक्षक, संजय सिंह को जिला सचिव, मधु सिंह को गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष, मनोकामना सिंह, रवींद्र सिंह व अरुण समदर्शी को गोविंदपुर मंडल संरक्षक, अजय सिंह को कार्यकारी मंडल अध्यक्ष, उदय सिंह को गोविंदपुर मंडल महामंत्री व मनोज सिंह को टेल्को मंडल अध्यक्ष बनाया गया।

सरायकेला में नष्ट की गई 14.4 एकड़ में लगी अफीम

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में गुरुवार को करीब 14.4 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया गया। इसमें चौका थाना क्षेत्र के ग्राम मुटुदा में करीब 9 एकड़, ईचागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चिमटिया में करीब 1.5 एकड़ और कुचाई थाना क्षेत्र के ग्राम दामादीरी में करीब 3.90 एक-ड़ में कार्रवाई की गई। सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत इस फसली वर्ष 2024-2025 में अब तक सभी थाना क्षेत्र में मिलाकर लगभग 583 एकड़ भूमि पर लगी अफीम की खेती को नष्ट किया गया है।

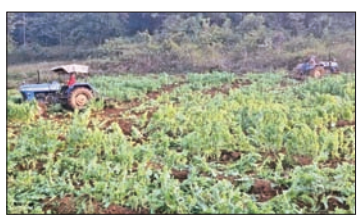

ठाकुर अनुकूलचंद्र की आराधना कल से

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा स्थित अमल संघ में 15-16 फरवरी को ठाकुर अनुकूलचंद्र का 137वां आगमन दिवस मनाया जाएगा। दोनों दिन भव्य समारोह होगा, जिसमें जमशेदपुर सहित आसपास से भी काफी लोग शामिल होंगे। महोत्सव समिति के महासचिव चंदन मन्ना ने बताया कि अनुष्ठान सुबह से देर रात तक चलेगा।

नए-पुराने रेडियो देख रोमांचित हुए बच्चे

JAMSHEDPUR : विश्व रेडियो दिवस पर गुरुवार को उलियान, कदमा के निर्मल महतो रोड पर रेडियो प्रदर्शनी लगाई गई। गाइड इंटरनेशनल रेडियो लिसेनर्स क्लब के संस्थापक चिन्मय महतो ने बताया कि इस दौरान सुबह से दोपहर बाद तक बच्चों-लोगों की भीड़ लगी रही, जो नए-पुराने सैकड़ों रेडियो, ट्रांजिस्टर, रिकॉर्ड प्लेयर आदि देख कर रोमांचित हुए। उन्हें रेडियो के इतिहास की जानकारी भी दी गई।

सेविका-सहायिका के 17 पदों पर अनुमोदन

JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल ने गुरुवार को विभिन्न विभागों की ऑनलाइन समीक्षा की। इसमें जिला कार्यालय को सेविका के 5 और सहायिका के 28 पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव मिले थे। इनमें सेविका के 3 और सहायिका के 14 पदों पर अनुमोदन किया गया। उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा कि एमटीसी में बेड रिक्त होते ही वेटिंग के बच्चों का उपचार शुरू करें।

विद्युत विभाग ने लक्ष्य से ज्यादा कर लिया राजस्व संग्रह, निबंधन पिछड़ा

परिवहन विभाग 90 प्रतिशत तक पहुंचा, जबकि खनन विभाग आधी दूरी ही तय कर पाया

PHOTON NEWS JSR: उपायुक्त अनन्य मितल के निर्देश पर गुरुवार को समाहरणालय सभागार में राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक हुई। अपर उपायुक्त भागीरथ प्रसाद की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले में राजस्व संग्रहण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि राजस्व संग्रहण में वाणिज्यकर विभाग के सभी सर्कल में वार्षिक निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 55 प्रतिशत की उपलब्धि है, जबकि विद्युत विभाग के तीनों प्रमंडल में 100 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व संग्रह हुआ है।

परिवहन विभाग ने लक्ष्य का 90 प्रतिशत, उत्पाद विभाग 73 प्रतिशत, निबंधन विभाग 69 प्रतिशत, नगर निकायों में औसतन 75 प्रतिशत का राजस्व संग्रह किया है। वहीं, खनन विभाग 51 फीसद ही राजस्व संग्रह कर पाया है। खनन विभाग के पदाधिकारी को बालू, पत्थर इत्यादि की अवैध खनन एवं परिवहन करने वाले पर सख्ती से कार्रवाई करते हुए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक किए गए राजस्व संग्रह की विभागवार समीक्षा कर सभी पदाधिकारियों को वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उत्पाद विभाग, परिवहन, मोटरयान निरीक्षक, नीलाम पत्र, मत्स्य, नगर परिषद, खनन, निबंधक विभाग सहित अन्य सभी की समीक्षा की गई।

समाहरणालय में बैठक को संबोधित करते अपर उपायुक्त भागीरथ प्रसाद

सरकारी जमीन पर प्रस्तावित 8 मोबाइल टावर का आवेदन रद्द

JAMSHEDPUR : समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त के निदेर्शानुसार जिला दूरसंचार समिति की बैठक हुई। उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में हुई बैठक में समन्वयक पदाधिकारी द्वारा कुल 24 मामले प्रस्तुत किए गए। समिति ने सर्वसम्मति से एक अनापत्ति को स्वीकृत किया गया तथा बिहार- झारखंड सरकार की भूमि पर बिना पूर्व अनुमति के मोबाइल टावर अधिष्ठापन का आवेदन किए जाने के कारण कुल 8 आवेदन को रद्द करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही पांच मामलों में संबंधित अंचल अधिकारी से जांच रिपोर्ट मांगने का निर्णय लिया गया। शेष 10 आवेदनों में त्रुटि पाए जाने के कारण संबंधित सेवा प्रदायी कंपनी को त्रुटि निराकरण के लिए आवेदन वापस किया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, सिविल सर्जन, बीएसएनएल एवं अन्य सेवा प्रदायी दूरसंचार कंपनियों, विभिन्न अंचल कार्यालय तथा नगर निगम के प्रतिनिधि उपस्थित थे'

समाहरणालय सभागार में बैठक करते डीडीसी अनिकेत सचान

पुरानी जींस के लिए पानी की टंकी पर चढ़ गया युवक

- नशे में धुत था युवक दी जान देने की धमकी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में चाईबासा के गांधी टोला में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब फिल्म शोले के दृश्य को दोहराते हुए एक 17 वर्षीय सूरज खंडायत पानी की टंकी पर चढ़ गया। इस बीच युवक ने काफी हाई वोल्टेज ड्रामा किया। उसकी मांग बस यही थी कि उसे पुरानी जींस दी जाए, नहीं तो वो कूद जाएगा, फांद जाएगा... वाली डायलॉग दोहरा रहा था। इस घटना को लेकर अग्निशमन विभाग की दमकल और सदर थाना की पुलिस तुरंत उस पानी टंकी के पास पहुंची। सभी उस युवक से उतरने का आग्रह करने लगे। पुलिस के पसीने छूट गए, लेकिन वह कहां मानने वाला था। इसी बीच उसके गांधी टोला से माता और पिता भी उसे उतारने की गुहार लगाते रहे, पर वह दोपहर करीब 12.30 बजे उतर गया। इस दृश्य को देखने के लिए शहरवासियों का जमघट लग गया। यह ड्रामा गुरुवार सुबह 8.30 बजे तब शुरू हुआ, जब से युवक पानी टंकी पर चढ़ा। बताया जाता है कि युवक नशे में था, इसलिए पुलिस भी काफी सतर्कता बरत रही थी।

टंकी की रेलिंग पर बैठा युवक

तीसरी कक्षा का लापता छात्र बंगाल में मिला

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के ऊपर पावड़ा राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय से 21 जनवरी को लापता छात्र बंगाल से मिला। तीसरी कक्षा का छात्र सुशील मुर्मू प. बंगाल के हावड़ा के निकट सीडब्ल्यूसी सेंटर में रहने की सूचना पर गुरुवार को पुलिस की टीम तथा परिवार के सदस्य उसे घाटशिला वापस लाने गई है। उसे देर शाम तक पुलिस लेकर आई। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि भटकते हुए सुशील मुर्मू बंगाल पहुंच गया था, जहां चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के हाथ लग गया। बता दें कि वह 21 जनवरी को स्कूल से निकला था। उसके सकुशल मिलने की सूचना पर परिजनों और स्कूल प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

जमशेदपुर में धूमधाम से मनाई गई शब-ए-बरात, कब्रिस्तान व मस्जिदें रोशन

PHOTON NEWS JSR : शब-ए-बरात का पर्व गुरुवार को जमशेदपुर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शहर भर के लोग अपनों को याद कर रहे हैं और इबादत में व्यस्त हैं। गुरुवार की रात, मगरिब की नमाज के बाद लोग कब्रिस्तानों में गए और यहां अपने पूर्वजों की कब्रों पर फातेहा पढ़ा। कब्रिस्तानों को खूबसूरत तरीके से सजाया गया था, जिनमें धतकीडीह, जाकिर नगर, मानगो जवाहर नगर, सोनारी और जुगसलाई के कब्रिस्तान प्रमुख थे। लोग यहां मोमबत्तियां और अगरबत्तियां जला रहे थे।

कब्रिस्तानों में उलेमा द्वारा सामूहिक दुआ कराई गई, जिसमें देश और दुनिया में अमन-चैन की दुआ की गई। लोग रात लगभग नौ बजे तक कब्रिस्तान में मौजूद रहे, उसके बाद वे मस्जिदों की ओर रवाना हुए। मस्जिदों में रातभर इबादत हुई और शब-ए-बरात की खास नमाज पढ़ी गई। इस दिन की विशेष नमाज और कुरआन की तिलावत पर जोर दिया गया है। इस रात को जाग कर इबादत करने का बड़ा सवाब बताया जाता है। शिया समुदाय द्वारा शब-ए-बरात की खास मनाई जाने वाली परंपरा शिया समुदाय के लोग इस दिन कब्रिस्तान में फातेहाखानी के साथ-साथ मस्जिदों में भी विशेष इबादत करते हैं। शिया समुदाय 15 शाबान को इमाम महदी अलैहिस्सलाम के जन्मदिन के रूप में मनाता है, जो सुबह सादिक के समय हुआ था। इस दिन को बहुत श्रद्धा के साथ मनाते हुए, शिया समुदाय के लोग अपने इमाम के जन्मदिन को खास तरीके से सेलिब्रेट करते हैं।

घाटशिला में रंगबिरंगी रोशनी से जगमगाती मस्जिद

प. सिंहभूम में 400 एकड़ भूमि को किया गया अफीम मुक्त : उपायुक्त

डीसी-एसपी ने बुलाई मानकी-मुंडा की जिलास्तरीय मासिक बैठक

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हन विश्वविद्यालय के सभागार में गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम मानकी - मुंडा की जिलास्तरीय मासिक बैठक हुई, जिसमें उपायुक्त कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर भी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि हम सबके अथक प्रयास से जिले में लगभग 400 एकड़ भूमि को अफीम मुक्त किया गया है। मादक पदार्थ के पैदावार से भूमि बंजर होती है। इसके सेवन से कई प्रकार की बीमारी होती है, जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों से अनुरोध किया कि अपने आसपास के लोगों को अफीम की खेती से बचने की सलाह दें, अगर कोई उसमें संलग्न है, तो उसे समझाकर मुख्यधारा की कृषि में जोड़ने का कार्य करें। इस प्रकार की नशीली खेती में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान है। उन्होंने मानकी-मुंडा से अनुरोध किया कि गांव-गांव में जागरूकता फैलाएं, रात्रि-चौपाल लगाएं और नशीले पदार्थ की खेती से विमुक्त हुए कृषकों को चिह्नित करें। जो भी कृषक नशीले पदार्थ की खेती छोड़ मुख्यधारा की कृषि में जुड़ना चाहते हैं, उन्हें जिला प्रशासन द्वारा आधुनिक खेती में पूर्ण सहयोग किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने मानकी-मुंडा को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को साथ मिलकर नशे के विरुद्ध जारी जंग को लड़ना है। जिले को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करना है।

जागरूकता पोस्टर लांच करते डीसी व एसपी ● फोटोन न्यूज

मागे पर्व की सामूहिक नृत्य से हुई शुरुआत

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के सुरखुड़ा पंचायत के दोरगासाई गांव में गुरुवार को मागे पर्व मनाया गया, जिसकी शुरूआत सामूहिक नृत्य से हुई। इसमें मुख्य अतिथि समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई ने भी मांदर बजाया। दिऊरी ने पूजा-अर्चना की। गागराई ने बताया कि कोल्हान में यह 7 दिन, तो पोड़ाहाट में 3 दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन घर की लिपाई-पुताई होती है। दूसरे दिन दिऊरी (मुख्य पुजारी) उपवास रखकर अपने सहायकों के साथ जायरा या जाहेर स्थान (पूजा स्थान) में मागे पूजा करते हैं। तीसरे दिन बड़ा पूजा होता है, जिसे जातरा बोंगा कहते हैं। पूजा के बाद देवता को गांव लाते हैं। फिर रात पर नाच-गान होता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति को बचाये रखने की जरूरत है। इस अवसर पर मुकुन बानरा, रासाय सामड, कुंवरसिंह बोदरा, सीयू सामड, संतोष बोदरा, लक्ष्मण सामड व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

कई पदाधिकारियों को किया गया शोकॉज

घाटशिला अनुमंडल में बैठक के दौरान उपस्थित पंचायत समिति सदस्य

GHATSILA : प्रखंड़ कार्यालय सभागार में गुरुवार को पंचायत समिति सदस्य की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रमुख सुशीला टुडू ने की। इस बैठक में कई विभाग के पदाधिकारी या प्रतिनिधि के अनुपस्थित रहने पर प्रमुख ने शोकॉज नोटिस जारी किया। प्रमुख ने उपस्थित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से पिछली बैठक में लिए गए प्रस्ताव पर चर्चा की एवं पंचायत स्तर पर चल रही योजनाओं की समीक्षा की। . इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा ने विभागीय पदाधिकारी को निर्देश दिया कि समिति की मासिक बैठक में जो भी प्रस्ताव लिया गया है, उस पर जल्द से जल्द काम शुरू किया जाए। बैठक में उपप्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पंचायत समिति सदस्य विजय पांडेय, छाया रानी साव सहित अन्य पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे।

डीआरयूसीसी की बैठक में छाया रहा ट्रेन की लेटलतीफी का मुद्दा

बैठक में शामिल डीआरएम व अन्य ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम सभागार में गुरुवार को रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीआरयूसीसी) की बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता रेल मंडल के डीआरएम तरूण हुरिया ने की। सीनियर डीसीएम आदित्य चौधरी ने बताया कि सकारात्मक माहौल में हुई बैठक में सभी सदस्यों ने अपनी मांग और समस्या रखी। डीआरएम ने प्रोजेक्टर के माध्यम से चक्रधरपुर रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों में रेलवे द्वारा दी जा रही रेल सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। बैठक में ट्रेन की लेटलतीफी का मुद्दा छाया रहा। सदस्यों ने कहा कि अधिकांश ट्रेनें जब चक्रधरपुर रेल मंडल में प्रवेश करती हैं तो ट्रेनों की गति बहुत धीमी होती है और ट्रेनें बीच में कहीं भी खड़ी हो जाती हैं। डीआरएम ने सभी सदस्यों को सुनने के बाद उनकी मांग और समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक विचार कर सकारात्मक कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही मंडल में ट्रेनें समय पर चलेंगी, रेल लाइन में किए जा रहे विकास कार्यों के कारण ट्रेनें लेट से चल रही है।

पूर्व मंत्री ने कहा- बंदगांव प्रखंड में मिशन मोड में किया जाएगा समस्याओं का समाधान

शिक्षित होकर ही बिरसायत की परंपरा को बचाना संभव : बंधु तिर्की

PHOTON NEWS BANDGAON : झारखंड सरकार के समन्वय समिति के सदस्य व पूर्व मंत्री बंधु तिर्की गुरुवार को चक्रधरपुर अनुमंडल स्थित बंदगांव प्रखंड के लुंबई गांव पहुंचे। लुंबई पहुंचने पर बिरसायत समुदाय के लोगों ने पारंपरिक तरीके से जोरदार स्वागत किया। पूर्व मंत्री ने जनता दरबार लगाकर आम जनता की समस्याओं को सुना। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि लुंबई गांव की सड़क, चापाकल का नवनिर्माण व वनोत्पाद के न्यूनतम समर्थन मूल्य व अबुवा आवास, पेंशन योजना जैसी समस्याओं से अवगत कराया।

बंधु तिर्की ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बंदगांव मेरे लिए पुराना नहीं है, यह गांव मेरी बहन का ससुराल है। आज यहां आने का मकसद आपलोगों से मिलना और यहां की समस्याओं को मिशन मोड में समाधान करने का है। उन्होंने कहा कि पहले यहां के लोग ढेंकी से कूट कर चावल निकालते थे और किसी के हाथ में मोबाइल नहीं था। लेकिन अब समय बदल चुका है और जमाने के मुताबिक अब राज्य को बचाने के लिए हमें भी ध्यान और बुद्धि से लड़ने का समय आ गया है। गांव-घर के सभी बच्चों को शिक्षा देना है, तभी हमारी आने वाली पीढ़ी धरती आबा बिरसा मुंडा के सोच और सपनों को पूरा कर सकती है। शिक्षित होकर ही हम बिरसायत की परंपरा को समझ पाएंगे और निडर होकर अपने अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए लड़ पाएंगे। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह अबुवा राज-अबुवा सरकार है लेकिन हमें भी अपना आंख, कान और नाक खुला रखना होगा। इस सरकार की गारंटी है कि सभी जरूरतमंद लोगों को सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

बिरसायत आदिवासियों के साथ पूर्व मंत्री बंधु तिर्की व अन्य ● फोटोन न्यूज

जनता दरबार में सुनी समस्या

जनता दरबार में पूर्व मंत्री ने ग्रामीणों की समस्या सुनी। इसी क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए दिव्यांग बिरसी मुंडा और प्रभु मुंडु को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने के लिए कहा और दोनों दिव्यांगों को उचित इलाज कराने के लिए आर्थिक सहायता भी दी। पूर्व मंत्री ने जनता दरबार में उपस्थित सभी पुरुष-महिलाओं को धोती साड़ी वितरित किया।

ये भी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा, चक्रधरपुर प्रखंड अध्यक्ष विजय सामड, युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष संदीप महतो, जिला महासचिव सन्नी रॉबर्ट अंथोनी, जिला सचिव प्रतीक कुमार, बंदगांव के युवा अध्यक्ष रवि मुंडरी, बीस सूत्री सदस्य आशीसन हपदगड़ा, नयन, ग्रामीण मुंडा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

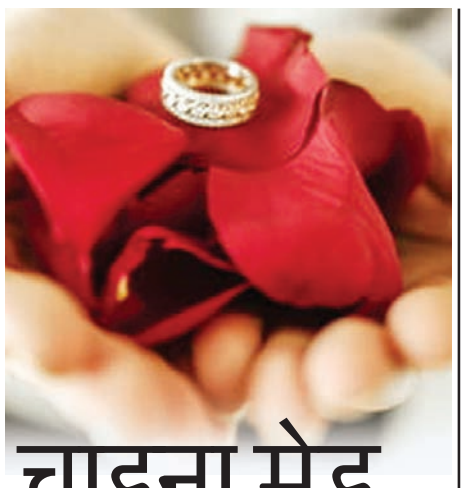

चाइना मेड प्यार

पश्चिमी देशों का पर्व वेलेंडाइन डे जो 14 फरवरी को आता है और इसी के आसपास ही वसंत पंचमी का त्योहार भी आता है। भारत में वसंत पंचमी को प्रेम दिवस भी माना जाता है। भारत में पहले प्यार आलमआरा, संगम, हीर रांझा, सोहनी महिवाल, सिरी फरहाद हुआ करता था और अब तो नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम या ओटीटी हो गया है। एक जमाना था जब प्यार होना बहुत मुश्किल होता था। टेलीफोन की सुविधा हर किसी के पास नहीं थी। पिछले साल भाई की शादी में देखा था उसे अब इस बार दादाजी के नुक्ते में दिखाई दी, सोचा इस बार तो पत्र थमा ही दूंगा।परंतु ऐसा कम ही हो पाता था। कम से कम 2 साल में इजहार हो पाता था। कई बार एक साल बाद पता चलता था कि उसकी शादी कहीं और हो गई। हालांकि उस दौर में प्यार सचमुच ही प्यार होता था।

अब तो वाट्सएप और फेसबुक का दौर है। पहले ऐसा था कि एक पत्र या प्रेम संदेश को पहुंचाने में बहुत पापड़ बेलना पड़ते थे। कम से कम दो माह लग जाते थे। लेकिन जब से एसएमएस का दौर प्रारंभ हुआ तो प्यार ने थोड़ी स्पीड पकड़ी। फिर उसी के साथ याहू जैसी कंपनियों ने फ्री-चेट सुविधा प्रारंभ की तो और स्पीड बढ़ गई। अब तो वॉट्सऐप और फेसबुक ने तो सबकुछ बदल कर रख दिया। अब तो लिखते लिखते किसी से कब लव हो जाए और कब ब्रेकअप हो जाए कोई भरोसा नहीं क्योंकि स्पीड हाईटेक है। टेक्नॉलाजी ने लड़के और लड़कियों को तुरंत मिलाने में अहम्भूमिका निभाई है लेकिन इससे अब भावनाएं पीछे छुटती गई है। परिवार से जुड़ाव पीछे छुट गया है। लोग अब तो ऑनलाइन मंगनी, शादी और तलाक भी करने लगे हैं। आप सोचिए कि जमाना कहां जा रहा है। पहले कहते थे कि चट मंगनी और पट ब्याव। पर, अब कहते हैं- चट ब्याव और पट तलाक और झट पुन: ब्याव। आप सोचिए शादी से बड़ा आयोजन तो प्री-वेडिंग हो चला है अब तो लोग तलाक की भी पार्टी देने लगे हैं। ज्यादातर प्रेमियों का प्यार शादी के बाद रफूचक्कर हो जाता है- यदि ऐसा था तो यह समझे की वह प्यार नहीं बुखार था। जिस तरह नए गाने आते हैं कुछ समय तक उनका खुमार छाया रहता है फिर दूसरे नए गाने आ जाते हैं तो पुराने का खुमार उतर जाता है। अब तो महामारी के दौर में ऐसा होने लगा है कि एक बुखार उतरा नहीं कि 2 या 3 माह में दूसरा बुखार चढ़ जाता है। यह कौन जान पाया कि प्यार किसे कहते हैं जिसने किया वह जान पाया? यह भी कौन तय करेगा कि प्यार जिसने किया वही अच्छे से व्यक्त कर पाएगा कि प्यार क्या होता है? हो सकता है कि उसने प्यार नहीं किया हो। जिस भी लड़की या लड़के से उसके संबंध हैं उसके प्रति उसके मन में प्यार हो यह जरूरी नहीं। तब कैसे जाने बाबू कि प्यार किसे कहते हैं? फ्रेंग मार्क ने कहीं कहा था कि ''सच्चा प्रेम भूत की तरह है, चर्चा उसकी सब करते हैं, देखा किसी ने नहीं।'' हां, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि प्यार किया नहीं जाता हो जाता है। पुराने जमाने के प्यार और आज के जमाने के प्यार में बहुत कुछ बदलाव हो गया है, बदलाव होना चाहिए लेकिन यदि बदलाव का रुख पतन की ओर हो तो जरा डर ही लगता है.। आज का प्यार चाइना मेड की तरह हो चला हैयूज एंड थ्रो.।

प्यार जीवन को पूरा करने का अहसास। या कहा जाए जिंदगी का दूसरा नाम ही तो प्यार है। और वेलेंटाइन डे इस प्यार के इजहार और अपने प्यार को खास अहसास दिलाने का दिन है। लेकिन, आखिर अपना सच्चा प्यार पाया कैसे जाए। कैसे पहचाना जाए कि यही है आपका वेलेंटाइन

कैसे तलाशें अपना सच्चा प्यार

प्यार को कहीं तलाशा नहीं जाता, वह तो आपके भीतर ही कहीं होता है। ठीक वैसे ही जैसे कस्तूरी मृग की खुशबू उसी में कहीं छुपी होती है, लेकिन वह उसकी तलाश में बावरा सा फिरता रहता है। वैसे ही प्रेम को सांसों की तरह हैं, हर क्षण आपके साथ। लेकिन कई बार इससे वाकिफ होने में अरसा लग जाता है। हमारी नजरों के सामने ही होता है वो, लेकिन हम उसे स्वीकार नहीं पाते। शंकायें, दुविधायें, सवाल और कई अन्य कारण उस वास्तविकता को कहीं ढंक देते हैं। और कई बार किसी से पहली ही मुलाकात में दिल के भीतर से यह आवाज आने लगती है कि हां यह वही है, जिसके लिए तुम इतने बेकरार थे। और जब भी यह अनुभूति होती है, तो यूं लगता है जैसे सारे बादल छंट गए। प्यार तो इनसान के डीएनए में है। आदम और हौव्वा से शुरू हुआ यह प्रेम और फिर फैलता ही चला गया। आदम ने जन्नत सिर्फ हौव्वा के लिए छोड़ी, वो उसके बिना अधूरा जो था। लेकिन, उस दौर में न आदम के पास विकल्प थे और न ही हौव्वा के पास। लेकिन, आज का दौर जरा अलग है। आज सच्चा प्यार मिलना मुश्किल है, क्योंकि आज अरबों की आबादी में आपको किसी ऐसे शख्स से मिलना जरूरी है जिससे लिए दिल धड़क उठे।

कौन है वो

सबसे जरूरी बात, सच्चा प्यार किसी एक दिन का मोहताज नहीं होता। यह तो जिदंगी भर का अहसास होता है। प्यार का कोई फॉर्म्यूला नहीं, जो लगाया और उत्तर मिल गया। हर किसी को अलग तरह से होता है इसका अहसास और जब यह अहसास होता है, तो दुनिया में सब कुछ खूबसूरत नजर आने लगता है। हर ओर होती हैं बस खुशियां ही खुशियां। यह मामला दिल का है, और यह कमबख्त दिल भला कब किसकी सुनता है। किस्मत खुद-ब-खुद उस शख्स से मिलवा देती है, और यह कह उठता है तुम ही तो हो, इतने बरसों से तलाश रहा था मैं जिसे।

लेकिन, दुविधायें फिर भी आपकी राह में रोड़े अटका सकती हैं। चलिए हम आपका रास्ता साफ करने में मदद करते हैं। हो सकता है कि आपका प्यार आपकी आंखों के सामने हो और आप उसे देख न पा रहे हों। यह भी हो सकता है कि वो दुनिया के दूसरे कोने में बैठा हो आप की तरह तन्हा और आप ही का इंतजार करते हुए। चाहे जो भी हो, कोई न कोई इस दुनिया में आपके लिए जरूर बना है।

पहली नजर का प्यार हर नजर का प्यार

प्रेम का सार यही है- 'पहली नजर का प्यार, आखिरी नजर का प्यार और हर नजर का प्यार'। जब आपका पहली नजर में ही किसी को देखते ही उसकी ओर खिंचने लगे, तो इसे एक इशारा समझें। इशारा कि आपको प्यार हो चला है। पहली नजर का प्यार ही प्यार हो यह जरूरी नहीं, लेकिन यह प्यार का आधार जरूर हो सकता है। लेकिन, आप किसी को पहली बार देखते ही उसके खयालों में खोये रहते हैं, तो जनाब आपका दिल किसी की नजरों में गिरफ्तार हो चला है, हुजूर आपको प्यार हो चला है।

सीमाओं से परे

इश्क की कोई हद नहीं होती। यह खुद तय करता है अपने नियम और कायदे। जिसके लिए आपके दिल में प्रेम होता है उसकी मदद करने के लिए आप कुछ भी करते हैं। आपको ऐसा करते हुए न कभी अजीब लगता है और न ही आपको कुछ अलग करने का अहसास ही होता है। अगर दूसरा व्यक्ति भी आपकी मदद के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार है, तो जनाब यही प्यार है। प्यार में शर्तें नहीं होतीं, प्यार में सौदा नहीं होता। यह तो होता है और होता है.प्यार मैं और तुम के बीच की दूरियां पाटते हुए हम तक ले जाने का नाम है।

सब कुछ भुला के

कहते हैं, 'इश्क न पूछे दीन धर्म और इश्क न पूछे जात'। प्रेम नियमों पर कहां चलता है। सामाजिक वृजनायें तोड़ने का नाम ही तो प्यार है। आपके दोस्तों की सलाह, पढ़ी-पढ़ाई बातें, आपके कुछ पूर्वाग्रह. सब नेपृथ्य में चले जाते हैं और रह जाता है तो बस प्रेम। आपके हृदय में तमाम बातों को झुठलाया जाता है, और आपको अहसास होता है कि यही है वो सच्चा प्यार। प्यार विकल्प नहीं तलाशता। आपको कोई इनसान पसंद है, तो बस पसंद है.अपनी खूबियों और खामियों के साथ। आप वैसे ही चाहते हैं उसे.इस बात से बेपरवाह कि वो भी आपके बारे में वैसा ही सोचे। प्यार कोई निवेश नहीं जिसमें आपको रिटर्न की उम्मीद हो। प्यार है, तो बस है। और अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं, तो मान लीजिए कि यह हर लिहाज से सच्चा प्यार है।

प्यार का दर्द है

उसकी हंसी हो या नजर.उसकी बातें हो या व्यवहार सब कुछ आपके लिए खास होता है। अगर उसे देखते ही दिल में मीठा दर्द हो उठे, तो समझ जाइए कि दिल आपसे कुछ कह रहा है। उसके देखते ही आपका दिल प्रेम से भर आता है। सारी दुनिया में सबसे प्यारा दिखता है वो। ठीक वैसे ही जैसे मां-बाप के लिए उनकी औलाद होती है। अगर किसी को देखकर आपके दिल में भी ऐसा हो, तो मान जाइए कि आप प्यार में हैं। इंतजार मत कीजिए डूब जाइए इस दरिया में।

खिंचा जाऊं मैं तेरी ओर

प्रेम महज आकर्षण नहीं यह और बात है, लेकिन आकर्षण के बिना प्रेम संभव भी नहीं। प्रेम का आधार है आकर्षण.अगर हर सूरत में आप दोनों एक दूजे के साथ रहना चाहते हैं और किसी भी कीमत पर आपको जुदाई बर्दाश्त नहीं, तो यह इशारा है सच्चे प्यार का। आपके दिल को जो भा जाए, जरूरी नहीं कि वो देखने में हूर की तरह हो, कहते हैं लैला का रंग बेहद काला था, लेकिन कैस को वो ऐसी भायी कि वो गलियों में मजनूं बनकर घूमने लगा। अगर, आपके दिल में भी यह आकर्षण महीनों बना रहता है, तो जनाब आपको सच्चे वाला प्यार हो गया है।

ये गिफ्ट करें इस वैलंटाइंस डे पर दिन बनेगा स्पेशल

इस वैलंटाइंस डे पर अगर आप यह सोचकर कन्फ्यूज हैं कि अपने वैलंटाइन को क्या गिफ्ट देंगे तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आपके साथ कुछ वैलंटाइंस गिफ्ट आइडिया शेयर कर रहे हैं। उम्मीद है कि इन्हें पाकर आपका वह स्पेशल फ्रेंड खुद को और भी स्पेशल समझने लगेगा।

गर्लफ्रेंड के लिए यह खरीदें

स्टाइलिश पर्स और बैग - लड़कियों के पास चाहें कितने ही हैंडबैग या पर्स क्यों न हों लेकिन उसके बाद भी उन्हें एक अदद पर्स की कमी हमेशा खलती रहती है। इसलिए इस वैलंटाइंस डे पर उनके लिए एक खूबसूरत, कलरफुल और फैशनेबल पर्स सरप्राइज गिफ्ट कीजिए। यकीन कीजिए आपका दिन बन जाएगा।

नई ड्रेस - आजकल हर शहर में डिजाइन कपड़े मिलने लगे हैं। आप भी चाहें तो उनके लिए टी-शर्ट, कुर्ती, सूट, जींस कुछ भी खरीद कर गिफ्ट कर सकते हैं। इस गिफ्ट से उनका मूड खिल जाएगा।

जूलरी - इसमें कोई शक नहीं है कि लड़कियों को गिफ्ट के तौर पर जूलरी कभी भी किसी भी समय पर दी जाए, उन्हें हमेशा भाती है। हम वैलंटाइंस डे पर आपको कोई भारी-भरकम हार खरीदने को नहीं कह रहे एक नाजुक सी, प्यारी सी चेन या खूबसूरत सी अंगूठी भी काफी है।

स्किनकेयर प्रॉडक्ट - अगर आपको उनकी नरम, मुलायम त्वचा बहुत भाती है और आप चाहते हैं कि वह ऐसी ही बनी रहे तो इस वैलंटाइंस डे पर उन्हें कोई अच्छा सा स्किनकेयर प्रॉडक्ट गिफ्ट कर सकते हैं। बहुत आसानी से आपको सही कीमत में ऐसी चीजें मिल जाएंगी। पर सावधानी यह बरतनी है कि ये प्रॉडक्ट किसी अच्छी कंपनी के हों वरना नुकसान कर सकते है।

बॉयफ्रेंड को यह सब भाएगा

वॉच - लड़कों को घड़ियां काफी पसंद होती हैं। आप इस वैलंटाइंस डे पर उनके लिए अच्छी सी घड़ी खरीदकर गिफ्ट कर सकती हैं।

टाई - उनके फेवरिट सूट या शर्ट से मैच करती हुई टाई गिफ्ट कीजिए उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

चश्मा - लड़के अपने ऊपर बहुत खर्चा नहीं करते। इस वैलंटाइंस डे पर मौका है उनके लिए वही ब्रैंडेड चश्मा खरीद दीजिए जिसे देखकर अकसर वह आहें भरते रहते हैं।

वैलेंटाइन डे के दिन अपनाएं ये खास ब्यूटी टिप्स

हर लड़की चाहती है कि वैलेंटाइन डे के दिन वह सबसे सुंदर नजर आए ताकि पार्टनर की नजरे बस उसी पर टिकी रहे। इसके लिए बेस्ट आउटफिट से लेकर ज्वेलरी तक तो आपने सिलेक्ट कर ली, लेकिन स्किन और बालों का क्या। यदि चेहरे और बालों में चमक न हो तो आउटफिट और ज्वेलरी की चमक भी फीकी पड़ जाएगी। वैलेंटाइन के दिन परियों सी सुंदर नजर आने के लिए अपनाए ये खास उपाय।

- करीब एक हफ्ते पहले से ही त्वचा की देखभाल पर खास ध्यान दें। स्किन की डीप क्लिंजिग जरूरी है। नियमित रूप से क्लिंजिंग के साथ ही डेड स्किन हटाने के लिए स्क्रब भी करें।
- आप चाहें तो किचन में मौजूद चीजों से ही नेचुरल स्क्रब तैयार कर सकती हैं। जैसे- हल्दी में नींबू का रस मिलाकर चेहरे का मसाज करें स्किन ग्लो करने लगेगी। संतरे के छिलके के पाउडर में दही मिलाकर चेहरे का मसाज करने से भी डेड स्किन हट जाती है और त्वचा में निखार आता है।
- स्क्रब करने के बाद अच्छा सा फेसमास्क लगाना जरूरी है। कोई महंगा फेसपैक खरीदने से अच्छा है कि आप घर में मौजूद चीजों से ही कुदरती फेसपैक तैयार कर लें। जैसे- केले को मैश करके उसमें थोड़ा सा दूध मिलाएं और चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी से चेहरा धो लें। यदि चेहरे पर दाग-धब्बे हो तो टमाटर और खीरे का पेस्ट लगाएं। 15 मिनट बाद चेहेर धो लें।
- चावल के आटे में दही मिलाकर लगाने से भी चेहरे पर निखार आता है। इस पेस्ट को लगाकर 15 मिनट बाद धो लें।
- इसके अलावा चेहरे का ग्लो बनाए रखने के लिए रात में सोने से पहले टोनर का इस्तेमाल करें। गुलाब जल भी लगा सकती हैं। वैसे नींबू का रस भी टोनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- याद रखिए हर बार फेसवॉश के बाद स्किन को मॉइश्चराइज करना भी जरूरी है।
- स्किन के साथ ही बालों की शाइन बनी रहें इसके लिए उसकी सही देखभाल जरूरी है। बालों में एलोवीरा लगाना से बाल स्मूद और शाइनी बनते है वैसे एलोवीरा चेहरे पर लगाना भी अच्छा होता है।
- चाहें तो वैलेंटाइन से 2-3 दिन पहले हेयर स्पा करा लें, इससे बालों की खोई हुई चमक वापस आ जाएगी।
- धूप और प्रदूषण से हुए नुकसान की भरपाई के लिए बालों में नियमित रूप से तेल लगाने के साथ ही कंडिशनर और सीरम का भी इस्तेमाल करें।

वैलेंटाइन डे पर रहेंगी सिंगल तो होंगे ये फायदे

वैलेंटाइंस डे के मौके पर जहां कई लोगों की प्यार की खोज पूरी हो जाती है तो वहीं कुछ सिंगल भी रह जाते हैं। हालांकि अगर इस वैलेंटाइंस डे भी अगर आप सिंगल रह जाती हैं, तो चिंता की कोई बात नहीं है। वह इसलिए क्योंकि सिंगल रहने से आपको कई फायदे होने वाले हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में :

सबसे पहला फायदा तो यही है कि आपको एक पर्फेक्ट डेट प्लान करने के लिए मशक्कत नहीं करनी होगी और न ही टेंशन लेनी होगी। आप अपनी मर्जी से अपने लिए एक रोमांटिक डेट प्लान कर सकती हैं और खुद को जो गिफ्ट करना चाहती हैं खरीद सकती हैं। इससे भी अच्छी बात यह है कि आप जैसे चाहे तैयार होकर घूमने जा सकती हैं और यह टेंशन लेने की जरूरत ही नहीं कि आपके पार्टनर को वह पसंद आएगा या नहीं।

उम्मीद नहीं तो कोई टेंशन भी नहीं

जब हम किसी रिश्ते में होते हैं तो हम पार्टनर से किसी न किसी चीज को लेकर एक्सपेक्शनंस रखने लगते हैं। मसलन, वह मुझे कहां घुमाने ले जाएगा? क्या गिफ्ट देगा? आदि, लेकिन आप सिंगल हैं तो इन सब चीजों का झंझट ही नहीं होगा। न पार्टनर होगा, न उम्मीदें और न ही किसी तरह की परेशानी।

खुद पर करो जमकर पैसा खर्च

सिंगल रहने की सबसे खास बात यह है कि आपको किसी और पर अपना पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा और उसपर सिर्फ आपका ही हक होगा। यानी आप जैसे चाहे और जब चाहे कितने भी पैसे अपने ऊपर खर्च कर सकती हैं।

सिंगल रहोगी तो कुछ भी करोगी

सिंगल रहने का एक फायदा यह भी होगा कि आप जैसे चाहे वैसे वैलेंटाइंस डे मना सकती हैं। आप सैलून जा सकती हैं। मूवी जा सकती हैं। बुक पढ़ सकती हैं। पूरे दिन आराम कर सकती हैं या फिर दोस्तों संग मस्ती कर सकती हैं।

कम बजट में ऐसे सेलिब्रेट करें वेलेंटाइन डे

वेलेंटाइन डे हर व्यक्ति के लिए अपना प्यार जताने का सबसे बेहतर दिन होता है। इस दिन अगर कोई व्यक्ति किसी से अपने प्यार का इजहार तो अक्सर जवाब में हां सुनने की उम्मीद होती है। इसके अलावा जो लोग कमिटिड होते हैं उनमें भी इस दिन को खास तरह से मनाने का क्रेज होता है। लेकिन अगर आप अपने बजट यानि कि पैसों की तंगी को लेकर परेशान हैं और कोई प्लॉन नहीं कर पा रहे हैं तो परेशान होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं जिनसे आप कम बजट में वेलेंटाइन डे का पूरा मजा ले सकते हैं।

ऑफिस से छुट्टी ले लें

अगर आप शादीशुदा हैं तो अपने पार्टनर को छुट्टी का सप्राइज दें। यकीन मानिए आपकी छुट्टी की बात सुनकर आपका पार्टनर झूम जाएगा जैसे आपने उसे डायमंड गिफ्ट किया हो। घर में म्यूजिक बजाएं और अपने घर को एक अलग प्रकार की थीम के साथ सजाइए। अगर आप रिलेशनशिप में हैं तो किसी रेस्त्रां की टेबल को भी आप सजा सकते हैं।

कुछ स्पेशल बनाएं

क्यों न कुछ नया सीखा जाए। चाहे वो डांस हो या फिर कुकिंग या फिर कुछ भी नया। कुछ ऐसा जो आपने पहले कभी न ट्राई किया हो। आपको इसमें काफी आनंद आएगा साथ ही आपको कुछ नया सीखने को भी मिलेगा।

अपने प्यार का इजहार करें

आपने आखिरी बार कब उसका हाथ थामकर 'आई लव यू' कहा था। आप चाहें तो एक प्यारा सा तोहफा लेकर उनका हाथ अपने हाथों में लेकर, आंखों में आंखें डालकर अपने दिल की बात कह दीजिए। कह दीजिए कि आपकी जिंदगी में उनकी क्या कीमत है। कह दीजिए कि आप अधूरे हैं उनके बिना। और आप शुक्रगुजार हैं कि वो आपकी जिंदगी का हिस्सा बनीं।

कैंडल नाइट डिनर है सबसे खास

वेलेंटाइन डे की बात आते ही अधिकतर लोग कैंडल लाइट डिनर के ख्यालों में खो जाते हैं। लेकिन, आप चाहें तो लंच भी प्लान कर सकते हैं। एक टोकरी में अपना पसंदीदा फूड डालिये साथ एक कैमरा लीजिए और निकल पड़िये पिकनिक पर।

भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की हैं असाधारण उपलब्धियां

प्रहलाद सबनानी

आज आम नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा और मकान के साथ साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समस्त परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करते हुए तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 5 लाख 36 हजार करोड़ रुपए की राशि का खर्च किए जाने की योजना है। इसी प्रकार, गांव में गरीबों को उनकी आवासीय भूमि का हक देने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना के अंतर्गत अभी तक 2 करोड़ 25 लाख सम्पत्ति कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

दिनांक 31 जनवरी 2025 को देश की राष्ट्रपति आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने लोक सभा एवं राज्य सभा के संयुक्त अधिवेशन को अपने सम्बोधन में, हाल ही के समय में, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा है कि 'भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को आज मेरी (केंद्र) सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तेज गति से काम हो रहा है। आज देश बड़े निर्णयों और नीतियों को असाधारण गति से लागू होते देख रहा है। और, इन निर्णयों में देश के गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाओं, किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है।' आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए उक्त भाषण में अंशों को जोड़कर इस लेख में यह बताने का प्रयास किया गया है कि किस प्रकार भारत में गरीब वर्ग, युवाओं, मातृशक्ति, किसानों, आदि के लिए विभिन्न योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं।

आज आम नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा और मकान के साथ साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समस्त परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करते हुए तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 5 लाख 36 हजार करोड़ रुपए की राशि का खर्च किए जाने की योजना है। इसी प्रकार, गांव में गरीबों को उनकी आवासीय भूमि का हक देने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना के अंतर्गत अभी तक 2 करोड़ 25 लाख सम्पत्ति कार्ड जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लगभग 11 करोड़ किसानों को पिछले कुछ महीनों में 41,000 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। जनजातीय समाज के पांच करोड़ नागरिकों के लिए 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष' अभियान प्रारंभ हुआ है। इसके लिए अस्सी हजार करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। आज मध्यम वर्ग को मकान/फ्लैट खरीदने के लिए लोन पर सब्सिडी भी दी जा रही है एवं रेरा जैसा कानून बनाकर मध्यम वर्ग के स्वयं के मकान सम्बंधी सपने को सुरक्षा दी गई है।

देश के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से आयुषमान भारत योजना चलाई जा रही है। अब इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने का निर्णय लिया गया है। इन वरिष्ठ नागरिकों को प्रत्येक वर्ष में पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा आज युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता देने के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना शुरू की गई है। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष पांच सौ कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर भी दिये जाएंगे। पेपर लीक की घटनाओं को रोकने और भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नया कानून लागू किया गया है सहकार से समृद्धि की भावना पर चलते

हुए सरकार ने 'त्रिभुवन' सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना का प्रस्ताव स्वीकृत किया है।

जब देश के विकास का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी मिलने लगता है तभी विकास सार्थक होता है। गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिलने से उसमें जो सशक्तिकरण का भाव पैदा होता है, वो गरीबी से लड़ने में उसकी मदद करता है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत बने 12 करोड़ शौचालय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निशुल्क दिए गए 10 करोड़ गैस कनेक्शन, 80 करोड़ जरूरतमंदों को राशन, सौभाग्य योजना, जल जीवन मिशन जैसी अनेक योजनाओं ने गरीब को ये भरोसा दिया है कि वो सम्मान के साथ जी सकते हैं। ऐसे ही प्रयासों की वजह से देश के 25 करोड़ लोग गरीबी को परास्त करके आज अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने नियो मिडिल क्लास का एक ऐसा समूह तैयार किया है, जो भारत की ग्रोथ को नई ऊर्जा से भर रहा है।

उड़ान योजना ने लगभग डेढ़ करोड़ लोगों का हवाई जहाज में उड़ने का सपना पूरा किया है। जन औषधि केंद्र में 80 प्रतिशत रियायती दरों पर मिल रही दवाओं से, देशवासियों के 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बचे हैं। हर विषय की पढ़ाई के लिए सीटों की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी का बहुत लाभ मध्यम वर्ग को मिला है।

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में पच्चीस हजार बस्तियों को जोड़ने के लिए 70,000 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की हैं। आज जब हमारा देश अटल जी की जन्म शताब्दी का वर्ष मना रहा है, तब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना उनके विजन का पर्याय बनी हुई है। देश में अब 71 वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेन चल रही हैं, जिनमें पिछले छह माह में ही 17 नई वंदे भारत और एक नमो भारत ट्रेन को जोड़ा गया है।

आगे आने वाले समय में देश के आर्थिक विकास में देश की आधी आबादी अर्थात मातृशक्ति के योगदान को बढ़ाना ही होगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त किया जा रहा है। देश की दस करोड़ से भी अधिक महिलाओं को इसके साथ जोड़ा गया है। इन्हें कुल नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि बैंक लिंकेज के माध्यम से वितरित की गई है। केंद्र सरकार ने देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने लक्ष्य निर्धारित किया है। आज एक करोड़ 15 लाख से भी अधिक लखपति दीदी एक गरिमामय जीवन जी रही हैं। इनमें से लगभग 50 लाख लखपति दीदी, बीते 6 महीने में बनी हैं। ये महिलाएं एक उद्यमी के रूप में अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं। भारत में सभी के लिए बीमा की भावना के साथ कुछ महीने पूर्व ही बीमा सखी अभियान भी शुरू किया गया है। बैंकिंग और डिजी पेमेंट सखियां दूर दराज के इलाकों में लोगों को वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कृषि सखियां नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा दे रही हैं और पशु सखियों के माध्यम से देश का पशुधन मजबूत हो रहा है। आज भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, पुलिस में भर्ती हो रही हैं और कॉरपोरेट कंपनियों का नेतृत्व भी कर रही हैं। आज बालिकाओं की भर्ती राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूलों में भी प्रारंभ हो गई है। नेशनल डिफेंस अकैडमी में भी महिला कैडेट्स की भर्ती शुरू हो गई है।

पिछले एक दशक में मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल ने युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर प्रदान किए हैं। पिछले दो वर्षों में सरकार ने, रिकॉर्ड संख्या में दस लाख स्थायी सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। युवाओं के बेहतर कौशल और नए अवसरों के सृजन के लिए दो लाख करोड़ रुपए का पैकेज केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया है। एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था से युवाओं को ग्राउंड पर काम करने का अनुभव प्राप्त होगा। आज भारत में डेढ़ लाख से अधिक स्टार्टअप हैं जो इनोवेशन के स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। एक हजार करोड़ रुपए की लागत से स्पेस सेक्टर में वेंचर कैपिटल फंड की शुरूआत भी की गई है। आज भारत क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल इंडेक्स 2025 में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। अर्थात, फ्यूचर ऑफ वर्क श्रेणी में अंक और डिजिटल तकनीक अपनाने में भारत दुनिया को रास्ता दिखा रहा है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भी भारत की रैंकिंग 76 से सुधर कर 39 हो गई है। यह सब भारतीय युवाओं के भरोसे ही सम्भव हो पा रहा है।

देश में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षा व्यवस्था तैयार की जा रही है। कोई भी शिक्षा से वंचित ना रहे, इसीलिए मातृभाषा में शिक्षा के अवसर दिये जा रहे हैं। विभिन्न भर्ती परीक्षाएं तेरह भारतीय भाषाओं में आयोजित कर, भाषा संबंधी बाधाओं को भी दूर किया गया है। बच्चों में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए दस हजार से अधिक स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स खोली गई हैं। 'ईज ऑफ डूइंग रिसर्च' के लिए हाल ही में वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन स्कीम लायी गई है। इससे अंतरराष्ट्रीय शोध की सामग्री निशुल्क उपलब्ध हो सकेगी। पिछले एक दशक में भारत में उच्च शिक्षण संस्थाओं की संख्या बढ़ी है। इनकी गुणवत्ता में भी व्यापक सुधार हुआ है। क्यूएस विश्व यूनिवर्सिटी - एशिया रैंकिंग में भारत के 163 विश्वविद्यालय शामिल हुए हैं। नालंदा विश्वविद्यालय के नये कैंपस का शुभारंभ कर शिक्षा में, भारत का पुराना गौरव वापस लाया गया है।

विकसित भारत के निर्माण में किसान, जवान और विज्ञान के साथ ही अनुसंधान का बहुत बड़ा महत्व है। भारत को भारत को ग्लोबल इनोवेशन पावरहाउस बनाने के लक्ष्य निर्धारित किया गया है। देश के शिक्षण संस्थाओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पचास हजार करोड़ रुपए की लागत से अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउन्डेशन स्थापित किया गया है। 10,000 करोड़ रुपए की लागत से 'विज्ञानधारा योजना' के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में इनोवेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत के योगदान को आगे बढ़ाते हुए 'इंडिया ए आई मिशन' प्रारम्भ किया गया है। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन से भारत, इस फ्रंटियर टेक्नॉलाजी में दुनिया के अग्रणी देशों की पंक्ति में स्थान बना सकेगा। देश में 'बायो - मैन्यूफैक्चरिंग' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से BioE3 Policy लायी गई है। यह पॉलिसी भविष्य की औद्योगिक क्रांति का सूत्रधार होगी। बायो इकॉनामी का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का कुशल उपयोग करना है जिससे पर्यावरण को संरक्षित करते हुए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

भारत के छोटे व्यापारी गांव से लेकर शहरों तक, हर जगह आर्थिक प्रगति को गति देते हैं। केंद्र सरकार छोटे उद्यमियों को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर दे रही है। टरटए के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम और ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट हब्स सभी प्रकार के उद्योगों को बढ़ावा दे रहे हैं। मुद्रा ऋण की सीमा को दस लाख रुपए से बढ़ाकर बीस लाख रुपए करने का लाभ करोड़ों छोटे उद्यमियों को हुआ है। केंद्र सरकार ने क्रेडिट एक्सेस को आसान बनाया है। इससे वित्तीय सेवाओं को लोकतांत्रिक बनाया जा सका है। आज लोन, क्रेडिट कार्ड, बीमा जैसे प्रोडक्ट, सबके लिए आसानी से सुलभ हो रहे हैं। दशकों तक भारत के रेहड़ी-पटरी पर दुकान लगाकर आजीविका चलाने वाले भाई-बहन बैंकिंग व्यवस्था से बाहर रहे। आज उन्हें पीएम स्वनिधि योजना का लाभ मिल रहा है। डिजिटल ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड के आधार पर उनको बिजनेस बढ़ाने के लिए और लोन मिलता है। ओएनडीसी की व्यवस्था ने डिजिटल कॉमर्स यानी ऑनलाइन शॉपिंग की व्यवस्था को समावेशी बनाया है। आज देश में छोटे बिजनेस को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिल रहा है।

संपादकीय

एआई और भविष्य

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर हुए सम्मेलन में दुनिया को एआई से सावधान रहने की नसीहत देते हुए इसके इस्तेमाल के संदर्भ में वैश्विक तंत्र बनाने की बात की। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीक नौकरियां नहीं लेती। लेकिन मूल प्रश्न है कि क्या सचमुच कृत्रिम प्रतिभा या बुद्धिमत्ता पर नियंत्रण के सर्वमान्य और पूर्णतः लागू होने योग्य नियंत्रणकारी प्रावधान खोजे जा सकते हैं। दुनिया का अब तक का अनुभव है कि जो भी उन्नत तकनीक वाले अन्वेषण हुए हैं, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित, वे सब धनी देशों, व्यक्तियों और समुचित धन का प्रवाह रखने वाले समूहों के हाथों में केंद्रित हुए हैं। इन सभी प्रयासों ने दुनिया के हर व्यक्ति पर तकनीक सक्षम होने का दबाव बढ़ाया है और स्पष्ट रूप से दर्शाया है कि जिनके पास प्रतिभा है, वही तकनीक सक्षम हो पाते हैं और दुनिया में ऐसे लोगों की संख्या कम है। कहने का तात्पर्य है कि प्रौद्योगिकी से उत्पन्न शक्ति और संपदा चुनिंदा समूहों तक सीमित रहने के लिए अभिशप्त है। दुनिया के जो देश, समूह या व्यक्ति इस प्रौद्योगिकी की क्षमता को प्राप्त करने में असफल रहे, जाहिर है कि वे वंचित रहने के लिए विवश हैं। एआई के संदर्भ में कहा जाए तो यह दुनिया के गरीबी और अमीरी के भेद को एक नया रूप प्रदान करेगी। करोड़ों लोग अपनी अक्षमता के कारण अनेक प्रकार के आर्थिक संकटों से घिरेंगे जिनसे उबरने का उनके पास कोईमार्ग नहीं होगा। दूसरे, दुनिया में हर प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल उन लोगों ने अधिक कुशलता, चतुराई या धूर्तता से किया है, जो अराजक हैं, हितपोषक हैं, और जिनका मानव कल्याण से दूर-दूर तक संबंध नहीं है। आतंकवादियों से लेकर ड़ीपस्टेट तक ने उन्नत प्रौद्योगिकी का खुल कर प्रयोग किया है जिस पर लगाम नहीं लगायी जा सकी है। भारत जैसा देश भी साइबर अपराधों की गिरफ्त में है। ऐसे में एआईक्या गुल खिलाएगी इसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। यह तो स्थापित है कि भविष्य की दुनिया एआई के सहारे आगे बढ़रूनी है, लेकिन विचारणीय प्रश्न यह है कि एआई का मानव हित में कितना इस्तेमाल किया जा सकेगा? इस प्रश्न का उत्तर ही मनुष्य जाति के भविष्य को तय करेगा।

चिंतन-मनन

भगवान की नज़र में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं।

भगवान की नजर में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया।...

वैलेंटाइन डे व बिगड़ते रिश्ते जिम्मेदारी किसकी

आज कल अगसर देखने को मिल रहा स्त्री और पुरुष में रिश्ते बनने के बजाय बिगड़ रहे है हाल ही में इसके कई उदाहरण भी सामने आए हैं जैसे 9 दिसंबर की रात को 34 वर्षीय भारतीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। उसके शव के पास एक तख्ती लगी थी जिस पर लिखा था न्याय मिलना चाहिए। अतुल सुभाष ने 24 पन्नों का विस्तृत सुसाइड नोट और 81 मिनट का एक वीडियो छोड़ा जिसमें उन्होंने अपनी शादी और तलाक की कार्यवाही में आई परेशानियों को जिम्मेदार ठहराया। उनके जीवन के बारे में परेशान करने वाले विवरण वाले पत्र और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और लोगों में आक्रोश फैल गया। दक्षिणी शहर बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया, उसकी मां और भाई पर लगातार उत्पीड़न और यातना देने का आरोप लगाया इसमें गलती किसकी है ऐ तो न्यायालय में होगा लेकिन जो दुनिया से चला गया वो बापस तो नहीं आएगा ऐ पत्नी को समझना चाहिए उसे कैसे ढाले मेरा हर एक लेख आपसी झगड़े के लिए नहीं बल्कि आपको सही सलाह देने के लिए होता है आखिर ऐ हो क्यों रहा है इसकी सबसे बड़ी आज का संगत, जैसी संगत वैसी रंगत भगवान राम के मंदिर या महाकुम्भ जाने से ऐ समस्या दूर नहीं होगी हमें हमेशा एक दूसरे की सहायता करने की जरुरत है आप कभी भी निराश होकर आप आत्महत्या का कदम मत उठाना नहीं तो ऐ शरीर जो परमात्मा का दिया है वैसे ही खो बैठोगे पाने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है त्याग और संघर्ष में ही आप कुछ बनकर निकलते हो कभी अपना दुःख दूसरे को नहीं सुनाये काम पर ध्यान दें क्योंकि आज खुद ही आदमी इतना दुःखी है कि दूसरों का दुःख से कोई मतलब नहीं है नहीं यकीन है तो दिल्ली के चुनाव परिणाम को देख कर ही अनुमान लगा लें सभी जेल गए बेल बहुत मुश्किल से मिला और सोचा कि जनता भावुक हो जाएगी और उस समय कांग्रेस का संगत भारी पड़ा औ? उधर बीजेपी पर्दे के कोने से काम करती रही और शायद इसलिए जनता ने चुना, इसकी सबसे बड़ी बजह रही कमिटमेंट जो कांग्रेस का विरोध करती थी उसी के साथ गठबंधन बनाना भारी पड़ा और हार का सामना करना पड़ा यही हाल रहा तो पंजाब भी अगले चुनाव में हार सकती है क्योंकि लोकसभा चुनाव में आमआदमी का प्रदर्शन काफी खराब रहा केजरीवाल जी को जब कुर्सी पर बैठ कर काम पर ध्यान देना चाहिए वहीँ उन्होंने आतिशी को बैठा देने से उनके साथ पार्टी के लोगों में असंतोष हुआ होगा क्योंकि उसमें औ? भी कितने दावेदार होंगे जो अंदरूनी कलह की वजह से पार्टी में टूट हुआ और नतीजा आपके सामने आया जब भी अपने घर के अंदर असंतोष होता है तो आपका ही परिवार बिखड़ जाता है नुकसान दूसरों का नहीं आपका होता है वैसे ही परिवार में रिश्ता होता है जिसमें बाहरी सफाई से ज्यादा जरुरी है अंदर की सफाई और ऐ समझदारी और शांति से विवेक से होगा इस हेतु आप रामचरित्र मानस को पढ़े और किसी दूसरे के बहकावे में ना आए अपने विवेक से आगे बढ़ यदि दो कदम पाने के लिए 4कदम पीछे हटना पड़े तो रिश्ते में हट जाइए और अंदर के अहंकार को खत्म कर शांति से काम ले लड़ाई झगड़ा से समस्या और बढ़ती है अतः इससे दूर होकर मौन हो जाये दूसरे के बहकावे में कभी ना आएं ऐ आपका घर बर्बाद कर आपकी जिंदगी से खुशी जो आप सही समझ रहें है वो नश्वर है ईश्वर सत्य है औ? किसी जाति धर्म से नहीं बंधा है,

छीन लेगा शांति और समझदारी से रिश्ते मजबूत होते हैं,इसपर आधारित एक फिल्म डेमोन्स देखा जिसमें पति पत्नी में इंज्याटी को लेकर पत्नि परेशान रहती थी और पति हमेशा किसी शोक में डूबा रहता और इन सबसे उसके शारीरिक सम्बन्ध 2साल से बिगड़ गए पति के इंज्याटी के वजह से नपुंसकता बढ़ी और पत्नी धीरे धीरे अलग होने लगी और इससे घबराया पति और भी डिप्रेशन में चला गया और उधर स्त्री का ऑफिस में किसी औ? के साथ सम्बन्ध बन गया और उसने खुल कर पति को बताया बाद में उसके पति ने उस लड़के को बुलाया और शारीरिक सम्बन्ध बनाने को कहा पत्नी वहाँ अपना आपको समझ नहीं पाई और आपाक या सीमा से पड़े जाकर रिश्ते का मजा दिखा दिया जिससे पति अंदर से औ? भी क्रोधित हो गया इस समस्या का हल निकालने हेतु उसने अपने पति को एक कॉल गर्ल को बुला लिया जिससे उसके पति बात कर खूब खुश हुआ औ? जैसे उसने सम्बन्ध बनाना चाहा पत्नी को नगावार गुजरी और उसने उसे मना कर दिया इससे पति औ? भी क्रोधित हो गया क्योंकि उसके अंदर उसके प्रति बदले की ज्वाला भूट रही थी लेकिन पत्नी ने उससे माफी और रिश्ते को सुधारने की बात की लेकिन जैसे ही बिस्तर पर दोनों लेटने ही वाले थे पति का गुस्सा इतना फूटा की उसने सामने बाल्टी से सर कुचल दिया और जेल चला गया आप हमेशा ध्यान रखें पति पत्नि का रिश्ता सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि एक दूसरे की भावना को समझने के लिए जिम्मेदारी और बच्चे को संस्कारी बनाने के लिए होता है मैं बहुत पहले एक पति पत्नी का सच्चा प्यार देखा है जब वो आँख से अंधा हो जाता है तो ऑफिस छोड़ने औ? लेने जरूर आती अतः पति पत्नी को कभी एक दूसरे के प्रति बैर नहीं रखना चाहिए और भावना का कद्र करना चाहिए यही तो सनातन धर्म में लिखा है भगवान श्री राम को ही बनवास मिला लेकिन वो माता सीता ही थे की उनके साथ जीवन जीने के लिए वन में भी चली गई धन्य है माता सीता औ? भाई लखन चाहती तो अयोध्या में राज कर सकती थी लेकिन अपने प्रभु राम पर पूर्ण विश्वास था एक दिल से प्रेम होता है जो सामने दीखता नहीं लेकिन कुछ भावनाओं में दुःख के समय मालूम पड़ता है और यही बच्चे सीखते है जैसे श्रवण कुमार ने एक तरफ माता को रखा औ? दूसरी तरफ पिता को लेकर चल पड़े चार धाम की यात्रा पर, पंडित श्री राम शर्मा आचार्य एक पुस्तक में लिखते हैं कि नर नारी के अनुठे सम्बन्ध शिशु को जन्म देने के लिए होता है बाद में बच्चे को संस्कारवान बनाएं और अच्छी शिक्षा दें अतः पति पत्नी का सम्बन्ध सिर्फ शारीरिक सुख के लिए नहीं बल्कि अपने सभी परिवार को साथ लेकर चलना भी आवश्यक है इसमें हो सकता है कुछ त्याग भी करना पड़े तो आगे आना चाहिए सब को साथ लेकर चलना ही अच्छी पत्नी का संस्कार है प्रेमी-प्रेमिका, आप जहां भी हों, अपना ख्याल रखें, क्योंकि वैलेंटाइन डे जल्द ही आने वाला है। **- संजय गोस्वामी**

चिंता का सबब : राजौरी में कहीं 'इताई-इताई' तो नहीं

पंकज चतुर्वेदी

दो हफ्ते से अपने घर से दूर रह रहे बड्डाल गांव के लोग अब हताश हो कर प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं। पनीर की तरह दुग्ध उत्पाद 'कलाड़ी' के लिए मशहूर राजौरी जिले का छोटा सा गांव बड्डाल बीते दो महीने में 17 संदिग्ध मौतों के कारण कोविड के दिनों की तरह आइसोलेट कर दिया गया। मौत का असल कारण पता नहीं चल सका है। गांव के जिन सोलह मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा था, वे अब स्वस्थ हैं।

पाकिस्तान की सीमा से सटे गांव में संदिग्ध मौतों ने कई आशंकाएं खड़ी की हैं। हालांकि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जनवरी के दूसरे हफ्ते में ही कह दिया था कि मरने वालों के शरीर में कैडमियम की भारी मात्रा पाई गई और मौत का कारण यही है। 24 जनवरी को पीजीआई, चंडीगढ़ की रिपोर्ट से पता चला कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत सी भारी धातु पाई गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं। बहरहाल, मरीजों के नमूनों को केंद्रीय एफएसएल, डीआरडीओ ग्वालियर व अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं को भेजा गया है। वहां से रिपोर्ट मिलने पर बीमारी का असली कारण पता चल सकेगा। मरने वालों में अधिकांश बच्चे हैं। इन सभी को अचानक तेज बुखार, सांस लेने में दिक्कत हुई। इसके बाद वे नीम बेहोशी में चले गए। यह बात तो तय हो गई है कि मरने वालों और मरीजों के शरीर में किसी किस्म का जहर नहीं पाया गया है। डॉ. सिंह ने लखनऊ की सरकारी प्रयोगशाला में अध्ययन के हवाले से कैडमियम की बात कही है। बड्डाल गांव हिमालय की पीर पंजाल श्रृंखला की गोद में बसा है और यहां से कई जल धाराएं बहती हैं। चिनाब की सहायक नदी आन्सी बड्डाल से होकर गुजरती है। संभावना है कि पानी के माध्यम से भारी धातु इंसान के शरीर में पहुंची। विदित हो कि बड्डाल और उसके आसपास चंदन, सुख, नील, हानडु सहित कई 'सर' अर्थात तालाब भी हैं। यहां की बड़ी आबादी पानी के लिए झरनों या इन्हीं नैसर्गिक सरिताओं पर निर्भर है। चूंकि इस इलाके में कोयलाङ्क चूना, बाक्साइट, लौह अयस्क और बेन्टोनाइट जैसे अयस्क मिलते हैं, और अवैध खनन बड़ी समस्या रहा है। ऐसे में खनन अवशेषों के जल धाराओं में मिलने से उसमें भारी धातु की मात्रा बढ़ने की संभावना है।

ऐसे मामले पहले मेघालय में भी देखे गए, जब अवैध कोयला खनन के अवशेषों के चलते नदी का पानी नीला हो गया और उसमें मछली सहित जलचर मारे गए। 1912 के आसपास जापान में तोयामा बेसिन की जीनजू नदी के किनारे रहने वाले लोगों को जब शरीर के जोड़ों में भयानक पीड़ा और सांस की दिक्कतें शुरू हुई तो इसे 'इताई इताई' (जापानी में जोड़ में दर्द के कारण आउच औच) का नाम दे दिया गया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद 1946 में जब इन मामलों की गंभीरता से जांच की गई तो पता चला कि नदी के किनारों पर भारी खनन के कारण पानी में कैडमियम की मात्रा बढ़ने से यह रोग फैला। जोड़ों में दर्द, उसके बाद किडनी और फेफड़ों के काम करना बंद होने से कई मौतें हुई। 1961 के बाद नदी के पानी और उसके पानी के उपयोग से पैदा हो रही धान और सब्जियों में कैडमियम की जानलेवा मात्रा का पता चला। गौर करें बड्डाल के भौगोलिक हालात और मरीजों की स्थिति जीनजू नदी के किनारे बसे लोगों से मिलती-जुलती है।

कैडमियम (सीडी) विषाक्तता चीनङ्क बांग्लादेश, भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में प्रमुख मुद्दा है। एजेंसी फॉर टॉक्सिक सब्सटेंस एंड डिजीज रजिस्ट्री (एटीएसडीआर) रैंकिंग के अनुसार कैडमियम (सीडी) सातवें स्थान पर है। कैडमियम की सीमा से अधिक मात्रा मिट्टी, पानी और हवा के माध्यम से इंसान की खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर सकती है, और इससे ऊतकों को नुकसान पहुंच सकता है। वैसे कैडमियम प्राकृतिक रूप से मिट्टी में मौजूद होता है, लेकिन अंधाधुंध कृषि, खनन जैसी मानवीय गतिविधियों से इसका स्तर बढ़ कर खतरनाक हो सकता है। पौधे अपनी जड़ों के माध्यम से कैडमियम को अवशोषित करते हैं, और यह पत्तेदार सब्जियों, अनाज, जड़ वाली फसलों और अनाजों में जमा हो सकता है। कई बार मवेशी कैडमियमयुक्त पौधे खाते हैं, जो उनके शरीर में यह जमा हो जाता है। फिर उनके दूध या मांस के जरिए यह जहर इंसान के शरीर को खोखला करता है। पानी में यह तेजी से घुलता है, और इसी तरह हवा में भी। कैडमियम सबसे पहले गुर्दों विशेष रूप से गुर्दे की नलिकाओं को प्रभावित करता है, और कम आणविक-वजन वाले प्रोटीन के मूत्र विसर्जन को बढ़ाता है। इससे कमजोरी होने के साथही यकृत को भी नुकसान पहुंचता है।

राजौरी के गांव में जिस तरह मरीजों के ऑर्गन्स काम करना बंद कर रहे हैं, और फेफड़े जवाब दे रहे हैं, उससे कैडमियम की आशंका को ही बल मिल रहा है। कुछ लोगों को आशंका है कि कहीं सीमा पार से या किसी देश विरोधी ने रासायनिक आतंकवाद का कोई प्रयोग न किया हो।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Pulwama marked a shift in war against terror

On a winding stretch of the Jammu-Srinagar highway, a convoy of 78 vehicles carrying 2,500 CRPF personnel was making its way to Srinagar on February 14, 2019. Among them were 40 bravehearts of the 76th CRPF Battalion. Unnoticed by the troops, a Mahindra Scorpio packed with 200 kg of explosives, driven by 22-year-old Adil Ahmad Dar — a suicide bomber from the Pakistan-based Jaish-e-Mohammed (JeM) — rammed into one of the buses. The explosion killed 40 soldiers, marking one of the deadliest attacks on Indian security forces in decades.This was not the first time that India faced such brutality. The 2016 Pathankot airbase attack, the 2018 Uri terror strike and the horrific 26/11 Mumbai attacks were all grim reminders of Pakistan's proxy war against India.

However, Pulwama became the inflection point that tested India's strategic patience. Prime Minister Narendra Modi's statement after the attack reflected the nation's resolve: "Security forces have been given full freedom to choose the time and place for the future course of action. Terrorists have made a big mistake and will pay a heavy price."The Pulwama attack forced India to rethink its counterterrorism strategy. For decades, Pakistan had waged a proxy war, bleeding India with "a thousand cuts."While diplomatic efforts to isolate Pakistan globally were initiated, the national leadership, including the military, believed a stronger response was necessary. The challenge was to act decisively despite the nuclear dynamics between the two nations.India had to move beyond reactive approaches, overcoming bureaucratic inertia, intelligence gaps and predictable military response.Addressing the root causes of radicalisation in Jammu and Kashmir and transforming governance in the region became critical.The abrogation of Articles 370 and 35A in August 2019 was a watershed moment. It revoked J&K's special status, extended the jurisdiction of Central agencies, and allowed them to target terror funding, money-laundering and other activities that fuelled terrorism. The state was also bifurcated into two union territories — Jammu & Kashmir and Ladakh — further integrating the region with the rest of the country.India's desire for a proactive counterterrorism strategy has often been hindered by several barriers.First, geopolitical constraints, including Pakistan's alleged support for militant groups and the nuclear deterrence dynamics, have historically limited India's options.Second, intelligence gaps — due to inadequate human intelligence, poor coordination and technological limitations — have made pre-empting attacks difficult.Third, legal and institutional hurdles, such as delays in implementing counterterrorism laws and reforms, have slowed progress. For instance, the proposal for a National Counter-Terrorism Centre (NCTC) after the 26/11 attacks remains stuck in bureaucratic red-tape.Finally, anti-India propaganda fuelled by Pakistan and supported by internal actors, like the Hurriyat Conference, and overground workers has complicated efforts to balance public demand for swift retaliation with long-term strategic goals.Post 2014, India began to adopt a more assertive approach. Surgical strikes across the Line of Control (LoC) in 2016 and 2019 demonstrated India's willingness to use military force.Diplomatic efforts to isolate Pakistan and designate terrorists gained momentum.However, Pulwama demanded an even stronger response.On February 26, 2019, the Indian Air Force conducted airstrikes on a JeM training camp in Balakot, Pakistan. This marked the first use of air power against Pakistan since 1971 and signalled a significant shift in India's strategy.The strikes, which killed hundreds of terrorists, effectively called Pakistan's nuclear bluff and raised the threshold for India's response to terrorism.Pakistan retaliated with airstrikes on Indian military targets, leading to a dogfight in which India lost a MiG-21 Bison and its pilot. Wing Commander Abhinandan Varthaman was captured, but not before he had shot down a much superior aircraft in terms of capability, the F-16 of the Pakistani Air Force.

Balancing conservation and livelihoods in HP's forests

The HP govt must demonstrate the political will to implement the Forest Rights Act effectively to safeguard livelihoods and justice for those facing eviction.

The longstanding issue of forest land occupation for agriculture and habitation in Himachal Pradesh remains unresolved. In its order on July 17, 2024, the Shimla High Court stated that encroachments on forest land cannot be regularised by the state government without approval from the Central government under the Forest Conservation Act, 1980. Following this, a series of eviction orders were issued.

In Himachal Pradesh, where two-thirds of the geographical area is classified as forest land and 90 per cent of the population resides in rural areas surrounded by forests, the dependence of communities on forest resources for survival and livelihoods is undeniable.

With agricultural land comprising only about 10 per cent of the total area and the average landholding size being less than one hectare, access to land remains a critical issue.

Under the Land Regularisation Policy of 2002, approximately 1.67 lakh families applied to legalise their occupation of forest land.Additionally, land settlement records indicate a significant number of unauthorised occupations. For example, during the 1989 land settlement in Spiti, over 1,200 cases of najayaz kabza (unauthorised occupation) were recorded, representing nearly 50 per cent of the total households.To address the situation, the state government decided to intervene in the Godavaraman case pending before the Supreme Court of India — a move that is only partially welcome.

While some aspects of this intervention align with the interests of the affected communities, concerns remain regarding the true intent and effectiveness of the government's approach in protecting the people who are facing eviction.The government's decision to approach the Supreme Court to exclude the allottable pool and certain other land categories from the definition of forests is a crucial step. If the state secures relief, it could facilitate the allocation of land to landless families and those displaced by natural disasters.When implemented effectively, this move could help address land scarcity and support the vulnerable communities in need of rehabilitation.However, the proposal to de-reserve certain land categories should not rely solely on revenue records. It must also include an assessment of the actual physical and ecological status of the land.

It will be necessary to present a well-founded argument, demonstrating that this will not cause any harm to the existing forest areas and that it will prevent new conflicts and ecological impacts.This requires a cautious approach as the Supreme Court, in its order from February last year, ruled that the definition of "forest" would continue to have a broad and all-encompassing meaning, including 1.97 lakh square km of undeclared forest land.

The government's other decision to get the permission of the Supreme Court to conduct a forest settlement under the Indian Forest Act, 1927 (IFA), appears unnecessary. The Central government has already enacted the Forest Rights Act (FRA), 2006, the very purpose of which was to address the anomalies of the settlement processes under the IFA. It explicitly acknowledges the failure, terming it as a "historical injustice" to forest-dependent communities.We don't need to reinvent the wheel to settle the rights under the IFA. Instead of seeking the suspension of the Forest Conservation Act, 1980, to conduct the forest settlement process under the IFA, 1927, the focus should be on the proper implementation of the Forest Rights Act, 2006, which was specifically designed to recognise and safeguard the rights of forest dwellers.

Forests in India are governed by the Indian Forest Act and the Wildlife Protection Act (WPA). Seeking forest settlement solely under the IFA will not fully serve the purpose.In Himachal Pradesh, many national parks and wildlife sanctuaries were declared without properly settling the rights of the forest-dependent communities. The case of settling 53 habitation rights in the Kalatop Wildlife Sanctuary, Dalhousie (Chamba), under the FRA highlights this issue.To address such historical oversight, the state government must advocate for the recognition of the rights provided under the Forest Rights Act, which applies to all types of forest land.The government must demonstrate the political will to implement the FRA effectively to safeguard livelihoods and justice for those facing eviction.It should first intervene in the high court, where it is already a party, and request time for the FRA implementation to protect the eligible right-holders from eviction.Delaying action under the pretext of the Supreme Court intervention, while neglecting the available legal recourse, merely shifts responsibility and leaves the vulnerable communities without protection or justice.The rights of people and forest conservation must go hand in hand. A well-balanced approach — one that safeguards livelihoods while ensuring communities take responsibility for conserving the natural resources they depend on — can be achieved through the legal framework provided by the Forest Rights Act.

This will help uphold both the rights of the forest dwellers and the integrity of the forests.

The government must act now to not only protect the rights of those who rely on forests for their survival but also uphold justice and sustainability in forest governance.

Defence conundrum

Cutting down on imports a big challenge

IT's intriguing that India continues to be the world's biggest arms importer despite the Modi government's consistent emphasis on self-reliance (Atmanirbharta) and indigenous production in the defence sector. In his address at the ongoing Aero India 2025 in Bengaluru, Defence Minister Rajnath Singh said the evolving global security scenario demanded innovative approaches and stronger partnerships. But is greater strategic collaboration helping India become a global powerhouse of defence research, development and innovation? Or is it making the country more dependent on foreign manufacturers? These questions need to be addressed with an open mind by the Centre as well as the top brass of the defence forces.

The government's resolve to cut down on arms imports and boost exports is being put to the test by US President Donald Trump. He is insistent that India should buy more US-made security equipment. Trump, who is set to host Prime Minister Modi, wants a 'fair' trading relationship with New Delhi. And he has made no bones about his zealousness to introduce new tariffs on steel and aluminium imports into the US, a move that could hit many Indian companies. India, which is keen on co-production of Stryker combat vehicles and fighter jet engines, needs to ensure that such deals are not skewed in favour of the US.

Russia's preoccupation with the Ukraine war has prompted India to rely less on its traditional defence partner and focus more on acquisitions from Western nations in a bid to diversify supplies. Transfer of technology is a prerequisite for bolstering domestic production in the long run, but some Western firms have shown reluctance on this count. The Defence Minister has asserted that India does not believe in transactional relationships or imposing solutions. However, the same cannot be said with confidence about the country's top partners. New Delhi must judiciously prioritise its strategic interests, striking a balance between indigenous capacity-building and its 'Make for the world' aspirations.

ISRO's indigenous thrust gets a fillip

Equipped with re-ignition capability, cryogenic engine set to power spacecraft on ambitious missions

On February 7, the Indian Space Research Organisation (ISRO) successfully tested the re-ignition of the made-in-India CE20 cryogenic engine in space-like vacuum conditions at the ISRO Propulsion Complex, Mahendragiri, Tamil Nadu. This is another remarkable milestone in ISRO's saga of indigenous cryogenic technology.Most of us turn off the motor while driving down a slope and let gravity accelerate us downward. We restart the engine and continue driving as we approach the foothill. Similarly, to place satellites in various orbits or for intricate interplanetary missions, we must turn on the cryogenic engine mid-flight, after a period of days or months. For example, a lander mission to Mars will require the engine to be turned on after roughly 10 months. Currently, ISRO has only one engine, the Liquid Apogee Motor, which can be re-ignited and powered by liquid fuel.

In the trial, the upgraded CE20-U engine worked as planned under fuel tank pressure conditions expected to prevail while restarting mid-flight. ISRO will make additional alterations and perform step-by-step trials before rolling out the CE20-U engine for the next-generation launch vehicle.When released, pressurised air exits a balloon, thus propelling it in the opposite direction. This illustrates the basic rocket principle, known as Newton's third law. Likewise, if hot gas can be generated and released from a nozzle, the rocket can be made to propel forward in the opposite direction. Combustion requires fuel and oxygen, which are referred to as propellants. Rocket propellants are of three types: solid, liquid and gaseous. Instead of a solid propellant, one might utilise kerosene and a suitable oxidiser as fuel. This is a liquid propellant rocket. Solids and liquids are less voluminous than gases. In normal temperature and pressure, the amount of water in its vapour stage will take up 16 times the space it would take in its liquid state. As a result, gaseous fuels must be cooled to liquefy them before they can be used as rocket fuel. That is cryogenic fuel.The term 'cryo' means ice-cold or chilled. Cryogenics is the science and technology of substances at temperatures below -153°C, the boiling point of methane. The most common cryogenic propellants are hydrogen liquefied at-253°C as fuel and oxygen liquefied at -183°C as oxidiser. When liquefied hydrogen and liquefied oxygen combine, they are highly reactive and produce steam.The lighter the gas, the lesser the energy required to accelerate it. As hydrogen is the lightest of the atoms, we can use it as fuel and liquid oxygen as an oxidiser to achieve more thrust per kilogramme of fuel, making it ideal for space travel. Cryogenic rockets are critical for deep space missions such as lunar landings and interplanetary probes and for putting larger payloads into geostationary orbit 36,000 km above earth's surface.The US, Russia, Japan, India, France and China are the only countries operating cryogenic rocket engines. These engines are used only in the upper stage of the vehicle and operate beyond the earth's atmosphere after the vehicle has entered space. According to international consensus, anything more than 100 km beyond the earth's surface is considered space.If cryogenics are more efficient, why not use them immediately at liftoff? The high efficiency of cryogenic engines is not suitable for the initial launch stages, where more raw power is required to overcome gravity.

Once the red light turns green, you try to go as fast as possible. You need fuel with good pickup. However, while driving long distances on a motorway, a fuel-efficient engine benefits your wallet and the environment. Petrol vehicles have a higher initial pickup than diesel cars, but the latter have more pulling power and mileage. Similarly, the launch vehicle must overcome inertia, climb into the sky, race against gravity's gripping hands and then overcome atmospheric drag. Solid or liquid fuel with a powerful thrust is the best option. However, once there is no atmospheric resistance in space, the vehicle is already propelling, and a fuel-efficient engine provides superior mileage.The Soviets and the Americans fought to create more efficient launch vehicles capable of putting heavier spacecraft into orbit, reaching the moon, and undertaking interplanetary travel. The RL10, which debuted in 1963, was the first cryogenic rocket engine built in the US. It was utilised in the Saturn 1 rocket during the early stages of the Apollo moon landing mission and still powers US launch vehicles.

The Soviets designed the RD-56, also known as the 11D56, at about the same time in 1964. They shifted their focus from fully cryogenic to semi-cryogenic, developing the powerful RD-180, which used liquid kerosene and liquefied oxygen as launch propellants. In parallel, the Soviets developed a better-designed cryogenic engine, the KVD-1, that was sold to India.

By the 1990s, ISRO was looking for cryogenic technology and had initially approached Japan and the US. The engines were far too pricey. Meanwhile, the Soviets were eager not only to sell their KVD-1 engines but also to transfer knowledge, allowing ISRO to manufacture and produce its own cryogenic engines at a significantly lower cost than that quoted by US corporations.

In the following months, the Soviet Union collapsed and the US exerted pressure on Russia not to export the technology, claiming that India might use it as a nuclear missile. The argument was flimsy because missiles must be ready for launch in seconds, while cryogenic engines require at least 24 hours of fuelling. It was a hypocritical irony because the US came forward only months ago to sell engines at significantly higher prices. The Russians honoured their word and delivered six engines, but they could not impart technology due to the American embargo.Slapped with the ban, ISRO learnt from the six engines and created its own cryogenic engine, CE20. The Indian design is not a replica, as the Russian engines are staged combustion engines, but the made-in-India CE20 are gas-generator cycle engines. After years of hard labour, the CE20-powered LVM3 launch vehicle delivered the GSAT-19 into geostationary transfer orbit on June 5, 2017. The engine was fitted in the Chandrayaan 2 and 3 launch vehicles. The human-rated engine will assist Indian astronauts in reaching orbit during the Gaganyaan expedition. With re-ignition capability, the CE20 engine will power Indian spacecraft on ambitious interplanetary missions.

ITC in talks to acquire MTR Foods and Eastern Condiments in $1.4 bn deal

ITC is in preliminary discussions with Norway's Orkla ASA to acquire two of its brands as part of its efforts to expand presence in the southern Indian spice market

NEW DELHI. Diversified conglomerate ITC Ltd is in early discussions with Norway's Orkla ASA to acquire its Indian subsidiaries, MTR Foods Pvt Ltd and Eastern Condiments Pvt Ltd, for approximately $1.4 billion, according to a report by Mint. This move aims to strengthen ITC's presence in the southern Indian market. Known for its diversified portfolio spanning FMCG, hotels, and agribusiness, this potential acquisition for ITC represents a strategic move to bolster its offerings in the food segment, particularly in southern India. The company has been actively seeking opportunities to expand its presence in the spices and ready-to-cook food sectors. As part of its efforts, ITC acquired Sunrise Foods, a spices manufacturer, in 2020, and more recently, in February 2025, announced the acquisition of Prasuma, a brand specialising in frozen and ready-to-cook foods.

Orkla ASA and its Indian subsidiaries

Orkla ASA is a Norwegian industrial investment company that entered the Indian market by acquiring MTR Foods in 2007 and later expanded its footprint by purchasing a majority stake in Eastern Condiments in 2020. In October 2023, Orkla restructured its Indian operations, consolidating MTR, Eastern, and its international business into a single entity named Orkla India.

MTR Foods and Eastern Condiments have established strongholds in the

ready-to-cook and spices segments, particularly in the southern states of Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu, and Kerala.Their combined market presence would provide ITC with a significant advantage in these regions. Initially, Orkla had contemplated an initial public offering (IPO) for its Indian business as recently as September 2024. However, the company is now evaluating whether a private sale could yield a more favourable valuation. If the negotiations with ITC do not result in an agreeable outcome, Orkla may proceed with the IPO as an alternative strategy, Mint reported.

Indian spice market

The Indian spices market is substantial, with a valuation of Rs 2,00,643.7 crore in 2024 and projections to reach Rs 5,13,253.9 crore by 2033, reflecting a compound annual growth rate (CAGR) of 10.56 per cent during this period. Should the deal materialise, ITC would significantly enhance its footprint in the southern Indian food market, positioning itself as a strong competitor against established brands like Everest and MDH in the spices sector. Neither entity has confirmed reports on potential acquisition.

Carlyle combines India's Highway, Roop to build global auto parts platform

NEW DELHI. Carlyle Group has acquired controlling stakes in India's Highway Industries and Roop Automotives, combining the two manufacturers to form a diversified global automobile components platform, said the investment company in a statement.

The deal was executed through Carlyle Asia Partners and continues the company's bet on India's advanced manufacturing sector. The transaction amount was not disclosed in the statement.

Highway and Roop manufacture forged and precision-machined components, steering assemblies, and power train parts for electric, hybrid, and internal combustion engine vehicles. The platform will have a portfolio of more than 1,500 products, clients in 17 countries, and 12 plants and 14 international warehouses.

Carlyle plans to "deepen its footprint" in auto components and expand the platform through further acquisitions. The founders of Highway and Roop will hold stakes in the platform. Mohit Oswal, managing director of Roop, will be non-executive chairperson in the new entity.

"We believe India offers a tremendous opportunity in the advanced manufacturing sector, particularly in the auto components supply chain for both domestic and export markets," said Amit Jain, managing director and head, Carlyle India Advisors. "We believe creating scale with consolidation will enable investments in technology, talent and systems, which will allow the platform to deliver an enhanced value proposition for its customers." The platform will benefit from Carlyle's global network and operational expertise. The new entity's board will also include Mark Blaufuss, an industry veteran with more than 30 years of experience, and Kishore Saletore, former executive director and group chief financial officer at Bharat Forge.

The deal is part of Carlyle's broader push into industrials. The firm has invested more than $32 billion in the sector globally, including $1.1 billion in Asia as on December 31, 2024.

Pesky calls: Trai seeks 2-10L fines on telcos for violations

NEW DELHI. Telecom regulator Trai on Wednesday intensified its crackdown on pesky calls and messages with new rules, that prescribe fines ranging from Rs 2 lakh to Rs 10 lakh for recurring and repeated instances of violation, in cases where telcos misreport the count of such spams.The regulator has mandated all telecom operators to analyse calls and SMS patterns based on parameters, such as unusually high call volumes, short call durations, and low incoming-to-outgoing call ratios to flag potential spammers in real-time. The amendment in the regulation in Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations comes with a graded penalty, that will be imposed on telecom operators in case they fail to implement the provisions of the rule."A financial disincentive (FD) of Rs 2 lakh for the first instance of violation, Rs 5 lakh for the second instance of violation and Rs 10 lakh per instance for subsequent instances of violation, shall be imposed on access providers in case of misreporting of the count of UCC," Trai said.

The new penalties will be levied, in addition to existing fines imposed on telecom operators against invalid closure of complaints, and not fulfilling their obligations in respect of registration of approved message headers and content templates. The new rules will be implemented in two phases within 30 and 60 days.

Trai has given more power to subscribers for filing complaints against pesky callers and spammers. Once the new norms are rolled out, subscribers will get seven days to report about pesky calls and SMS instead of the three days limit at present. Subscribers will not need to register under 'Do Not Disturb' list for making complaints against unregistered pesky callers means those who call from phone numbers that do not start with prefix like 140 and 160. agencies

Consumption, investment to push economy, says Piyush Goyal

BENGALURU. Commerce and industry minister Piyush Goyal said the combination of growth driven by consumption, alongside growth propelled by investment can serve as twin pillars for India's economic advancement. "Economists will tell you that consumption-led growth, coupled with investment-led growth, can together become the twin pillars on which India's growth story will rapidly scale up," he said at the Invest Karnataka event held in Bengaluru on Wednesday."When you give Rs 1 lakh crore to consumers, the multiplier impact of that is at least 2.5 times in terms of the consumption demand that the marketplace receives. And when Rs 11.2 lakh crore is invested in one year on infrastructure creation, the multiplier impact of that is 3.5 times, which spurs investment-led growth. On these twin pillars, India will see rapid growth," he said. In the Budget, FM Nirmala Sitharaman gave relief to taxpayers by announcing that there will be no tax on income up to Rs 12 lakh under the new regime.Goyal spoke about boosting exports and manufacturing by introducing new policies to propel the toy and footwear industries. "Our exports are now 3.5 times what they were five years ago. We will soon introduce policies to further promote manufacturing in toys and footwear so that we can become a global champion in these sectors," he said. Over the past decade, Goyal said India attracted nearly $700 billion in FDI.

Next decade presents huge opportunity in manufacturing sector in India: Experts

BENGALURU. Initiatives such as Production-linked incentives (PLI), semiconductor ecosystem development and tax reforms have spurred the growth of the manufacturing sector in the country.

The next decade presents an opportunity for the country to lead sustainable manufacturing by driving the energy transition and bolstering technology exports, said N Venu, MD & CEO - India and South Asia, Hitachi Energy.Speaking at Invest Karnataka 2025 here about 'Made in India for the World', he said Karnataka is leading from the front, and it is the ideal investment destination.

The company has committed Rs 1,000 crore investments in Karnataka and it will invest over the next four to five years, with a focus on localisation and talent development."We are planning to expand our factory in Mysuru, and we have been expanding our R&D centre," Venu said. He added that the company is investing in Karnataka not only for energy transition in the State but also for powering the global energy transition.

Guruprasad Mudlapur, President & Managing Director, Bosch Group in

India, Bosch Limited, stressed the need to develop strong infrastructure manufacturing that is very critical in terms of logistics. He said, "Over the years, the government has put in a lot of measures to strengthen the logistics and infrastructure base. We have seen steady progress in our highways and infrastructure," he added.

Mudlapur added that the government has done a lot in the last one decade, and as an industry, we need to do more. He stressed on strengthening industrial ecosystems, advancing tech and focusing on cleantech and sustainability, as these are key for staying ahead.

Sudeep Santram Dalvi, senior VP, director and chief communication officer, of Toyota Kirloskar Motor said around 7 to 8% of the total GDP is being contributed by the automotive sector. "If you look at the EV penetration today, we are just less than 5%," he said.At another session on the future of skilling, experts spoke about the importance of AI. Avinash Avula, President of Applied Materials India & VP Semiconductor Products Group Asia, pointed out that with Artificial Intelligence, the human element diminishes, but it is still the biggest value addition.

Sensex, Nifty open higher as cooling inflation boosts market sentiment

NEW DELHI. Benchmark stock market indices opened higher on Thursday as inflation cooled down to hit a 5-month low as per data released by the government.The S&P BSE Sensex was up 163.21 points to 76,334.39, while the NSE Nifty50 gained 46.25 points to 23,091.50 as of 9:30 AM.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said that a positive domestic trigger is the better-than-expected decline in CPI inflation in January to 4.31% from 5.22 % in December 2024."The decline in inflation trajectory justifies the MPC's rate cut this month and creates a favourable condition for another 25 bp rate cut in April. This augurs well for the stock market in general and rate-sensitives in particular. From the market perspective, the elephant in the room continues to be the sustained FII selling which is showing no signs of abating," he added.

Bajaj Finserv emerged as the top gainer on Nifty50, advancing 3.34%, while Cipla showed strong momentum with a 2.52% rise.

Tata Steel gained 2.49%, followed by Bajaj Finance which added 2.18%. Bharat Electronics Limited rounded off the gainers with a 2.16% increase.On the losing side, Tata Consumer Products led the declines, falling 0.53%, while Tata Consultancy Services dropped 0.34%. Hero MotoCorp slipped 0.18%, HDFC Bank edged lower by 0.13%, and Tech Mahindra dipped 0.10%.

All sectoral indices traded in green in early trade with Nifty Pharma leading the gains.

Others also saw an increase with heavyweight financial and banking stocks pushing markets up after six consecutive sessions of losses for the Dalal Street.

Coca-Cola to Apple: Global firms bank on India amid market slowdown

NEW DELHI. Top executives from major multinational consumer companies, including Coca-Cola, Harley-Davidson, Philip Morris International, Yum! Brands, Carlsberg Group, Pernod Ricard, Apple, Beiersdorf, and Skechers, have highlighted India as a significant growth market. As global demand slows, India has stood out as a strong performer in their recent earnings calls, particularly for the December quarter and the 2024 financial year, according to a report by The Economic Times. Many of these corporations cater to mid- to high-income consumers, focusing on discretionary spending.

However, brands like Coca-Cola, Diageo, and Colgate also have a strong foothold in the mass market, which has recently experienced an urban slowdown. Despite these challenges, their leadership remains optimistic about India's potential.

Coca-Cola bets big on India The Economic Times report quoted Coca-Cola's Chief Financial Officer, John Murphy saying that India is a market with "tremendous runway ahead" and a "vibrant" business environment. He said a "significant portion" of the company's capital investment in 2025 will be directed toward India and Africa. In a notable achievement, Coca-Cola's fruit drink brand Maaza became its 30th billion-dollar brand last quarter,

driven by strong volume growth. India outshines China for Beiersdorf Vincent Warnery, CEO of German skincare company Beiersdorf, emphasised India's growing importance, even surpassing China. He pointed out India's 'booming' market and significant opportunities in untapped categories like face care, the report said.Apple, Skechers, and AO Smith post strong growth Apple, Skechers, and AO Smith reported robust growth in India during the October-December quarter. Apple achieved record sales, with the iPhone emerging as the top-selling smartphone in the country. Alcohol giants Pernod Ricard and Carlsberg credited India for their regional growth despite subdued demand for spirits globally. Carlsberg CEO Jacob Aarup-Andersen acknowledged India's complexity as a market but confirmed plans to increase investments in 2025, focusing on expanding capacity for the 2026 season and strengthening sales and marketing efforts.

New Income Tax bill focuses simpler rules; makes no structural changes

Contrary to speculations, the old tax regime has not been abolished and will continue to operate alongside the new regime.

NEW DELHI. The new Income Tax Bill is more about consolidation of scattered tax provisions, simplification and elimination of redundant laws than about rate ir structural changes. The Bill, which is likely to be tabled on Thursday, maintains the existing tax rates and leaves capital gains tax rules unchanged.

Contrary to speculations, the old tax regime has not been abolished and will continue to operate alongside the new regime. The new tax regime has been put in chapter XIII of the Bill under the head -- Determination of tax in special cases.

Most of the rate changes announced in the budget have been incorporated in the bill.The new bill is crisper and shorter with 622 pages as compared to 823 pages earlier. The Income Tax Act, 1961 with 298 sections and 14 schedules has now been recouped into 536 sections over 23 chapters with 16 schedules. The number of proviso and explanations has been substantially reduced and the references to rules and other sections have been curtailed, making the law easier to comprehend.Under the new proposed law, incomes not forming part of total income have now been moved to schedules to simplify the statute. Deductions from salaries such as standard deduction, gratuity, leave encashment etc, have now been tabulated at one place, instead of being scattered over different sections and rules. All the deductions have been put under chapter VIII from Clause 123 to clause 154.Various provisions have been summarised in tabular format such as TDS provisions, presumptive taxation rates, assessment time limits etc. The bill has a separate clause (Clause 194) which provides for taxation of earnings from online games, and transfer of virtual digital assets.It introduces the concept of 'tax year' to replace assessment and financial year, thus eliminating the chances of

confusion. A tax year would comprise 12 months from April-March of relevant financial year. The language of the law has been simplified. For instance, the term 'notwithstanding' has been replaced with 'irrespective of anything' at many places.Giving an example of how the new bill eliminates cross-references, Amit Maheshwari, tax partner, AKM Global, points out that clauses from the other laws such as 'wealth tax' has been incorporated clearly in the code as compared to earlier referencing which was making the interpretation complex.

The new Bill has increased the compliance and reporting mechanisms. Clause 509 requires detailed reporting of crypto transactions, clause 510 mandates Annual Information Statements (AIS) for better taxpayer transparency and clause 511 enforces international tax reporting for cross-border transactions.

According to Rajat Mohan, senior partner, AMRG Associates, the bill grants CBDT greater procedural powers to frame schemes and rules, similar to GST. The new proposed law bars civil courts from interfering in tax matters, ensuring direct tax administration authority.

AAP's Amanatullah Khan seeks pre-arrest bail, denies aiding murder accused's escape

The bail plea pertains to a fresh FIR registered against Amanatullah Khan for allegedly obstructing a police operation to arrest an accused in a murder case.

New Delhi. Aam Aadmi Party (AAP) leader Amanatullah Khan moved the Delhi Rouse Avenue Court seeking anticipatory bail in a newly registered FIR on Wednesday. The court is set to hear his plea today. Khan had requested protection before joining the investigation, claiming that the allegations against him were unfounded.

The bail plea pertains to a fresh FIR registered against Khan for allegedly obstructing a police operation to arrest an accused in a murder case. Police said the incident, which happened in Jamia Nagar, helped the accused escape police custody.

The AAP leader, who won the Okhla seat for a third time in the February 5 Assembly polls, has claimed that the allegations against him are false.

According to reports, AAP MLA Amanatullah Khan was allegedly protecting accused Chavez Khan, who has been declared a proclaimed offender (PO) or a fugitive by the court.

In a letter sent to Delhi Police Commissioner Sanjay Arora via email, Amanatullah Khan claimed that he was in his constituency and not on the run and alleged that the Delhi Police was framing him in a false case.

Khan said that the crime branch team had caught Chavez Khan during a raid, but he was out on bail and had presented bail documents. However, court records indicate that Chavez Khan had been officially declared a fugitive.

Amanatullah Khan is accused of allegedly attacking a police team with his supporters when the team reached Jamia to nab Chavez Khan. He allegedly freed the accused from the police custody and helped him escape.

However, the AAP MLA denied being on the run and alleged that the Delhi Police was framing him in a false case.

"Some people in the Delhi Police are implicating me in a false case. The person whom the Delhi Police had come to arrest is (out) on bail. The police are implicating me in a false case to hide its mistake," Amanatullah Khan said in the letter dated February 12.

He added that he went to "save" Chavez when he was asked to help the man who was being "threatened" by the police.

"I was asked to save that person who, I was told, was a resident of the area. I do not have any close relations with that person. When I asked the locals, I got to know that those people (in plainclothes) were threatening him," Amanatullah Khan said in the letter in Hindi. It was later revealed that the person had got "anticipatory bail" from the Saket court in 2018. Despite this, the people in plainclothes, who claimed to be from the police, were trying to arrest him and threatening the others, he added in the letter.

Dokra artwork, silver table mirror: PM Modi's gifts for Macron, French First Lady

New Delhi. During his visit to France this week, Prime Minister Narendra Modi presented President Emmanuel Macron and First Lady Brigitte Macron with gifts, symbolising India's rich cultural heritage and traditional craftsmanship.PM Modi presented the President Dokra artwork, depicting musicians with studded stonework, and silver hand-graved table mirror with floral and peacock motifs to the First Lady.Dokra art is a popular traditional metal-casting technique from Chhattisgarh. It uses bell metal -- an alloy of brass, nickel and zinc oxide -- and showcases intricate craftsmanship.

Rooted in the region's rich tribal heritage, this artwork, using the ancient lost-wax technique, depicts traditional musicians in poses, highlighting the cultural significance of music.Meanwhile, the gift to the First Lady has roots in Rajasthan's rich tradition of metalwork. The mirror's intricate silver frame features floral and peacock motifs, symbolising beauty, nature and grace.

Besides his presents to the French First Couple, Prime Minister Modi also brought eco-friendly gifts for US Vice President JD Vance's children.

Vance was also in Paris to attend the AI Action Summit.PM Modi gave a wooden railway toy set to Vivek Vance, the Vice President's eldest son, and a jigsaw puzzle featuring Indian folk paintings to second child Ewan Blaine Vance.To JD Vance's youngest child, daughter Mirabel, the Prime Minister gifted a wooden alphabet set.

On Monday, the Prime Minister arrived in France on a two-day visit, during which he co-chaired the AI Action Summit in Paris with President Macron and also inaugurated the first-ever Indian Consulate in the city of Marseille, amongst a host of other things.

AAP's Amanatullah Khan gets pre-arrest bail for 'helping' accused flee cops

New Delhi. AAP leader Amanatullah Khan was granted pre-arrest bail by the Delhi Rouse Avenue Court on Thursday after Delhi Police accused him of helping a murder case accused flee cops.The court directed him to join the probe whenever summoned by the Investigating Officer (IO). The police have been instructed to ensure that his questioning takes place under CCTV surveillance. The next hearing in the case is scheduled for February 24.The AAP MLA moved the Delhi Rouse Avenue Court seeking anticipatory bail in a newly registered FIR on Wednesday. Khan had requested protection before joining the investigation, claiming that the allegations against him were unfounded.

According to the police, AAP MLA Amanatullah Khan was allegedly protecting accused Chavez Khan, who has been declared a proclaimed offender (PO) or a fugitive by the court.In a letter sent to Delhi Police Commissioner Sanjay Arora via email, Amanatullah Khan alleged that the Delhi Police was framing him in a false case.Khan said that the crime branch team had caught Chavez Khan during a raid, but he was out on bail and had presented bail documents. However, court records indicated that Chavez Khan had been officially declared a fugitive.

"Some people in the Delhi Police are implicating me in a false case. The person whom the Delhi Police had come to arrest is (out) on bail. The police are implicating me in a false case to hide its mistake," Amanatullah Khan said in the letter dated February 12.

He added that he went to "save" Chavez when he was asked to help the man who was being "threatened" by the police.

Permanent alimony, maintenance can be granted even if marriage void: Supreme Court

New Delhi. The Supreme Court has ruled that permanent alimony and interim maintenance can be granted under the Hindu Marriage Act,1955, even if a union is declared void. The top court also said that whether such a relief can be granted or not depends on the facts of each case.

The ruling on Wednesday by a bench comprising Justices Abhay S Oka, Ahsanuddin Amanullah and

Augustine George Masih in response to a reference made by a two-judge bench headed by Justice Vikram Nath last year.

The reference was taken due to conflicting decisions of the Supreme Court on the question of providing permanent alimony or maintenance to either spouse even after the marriage is declared void under Section 11 of the Hindu Marriage Act.

"A spouse whose marriage has been declared void under Section 11 of the 1955 Act is entitled to seek permanent alimony or maintenance from the other spouse by invoking Section 25 of the 1955 Act," the Supreme Court said.Section 25 provides discretionary powers to the family court to grant permanent alimony upon passing of "any decree" under the Hindu Marriage Act.

"Whether such a relief of permanent alimony can be granted or not always depends on the facts of each case and the conduct of the parties," it added.

Security tightened at Jamia; 10 students detained for protesting action against two PhD scholars

NEW DELHI. Over 10 Jamia Millia Islamia University students were detained by Delhi Police for protesting against the university's disciplinary action against two PhD scholars, who were served show-cause notices for allegedly organising a demonstration last year, an official said on Thursday.

The protest began on Monday, with students condemning what they termed as the administration's "crackdown on student activism."The university claimed the protesting students vandalised university property, including the central canteen, and broke the gate of the security advisor's office, forcing the administration to take action.According to police sources, the university requested police intervention to remove the students from the protest site to maintain law and order.

"We removed over 10 students at around 4 am after receiving a request from the university administration. Further, we have deployed heavy police security outside the campus to maintain law and order," a police source said.

Sharing a statement from the university, another police officer said that over 10 students had been detained and further investigation was underway.In a statement, the university said a handful of students called for a protest, unlawfully gathering in the academic block since the evening of February 10.

"Since then, they have not only disturbed the peaceful conduct of classes but also prevented other students from accessing the Central Library and attending classes at a time when mid-semester exams are about to begin," the statement read.

It said protesting students vandalised university property, including the central canteen, and broke the gate of the security advisor's office, forcing the administration to take action.

"They have violated university rules and were found carrying objectionable contraband items. The university administration, taking a strong view of the damage to university property, defacement of walls, and obstruction of classes, has taken preventive measures to ensure academic activities continue as normal," it added.

Despite the university administration offering to discuss their demands through a committee, the students allegedly refused to engage with the administration, including the Supervisor, Head, and Dean, it said.

Days after BJP came to power, Delhi witnessing prolonged power cuts: Atishi

NEW DELHI. Days after the Delhi election results, caretaker CM Atishi on Thursday hit out at the BJP, saying the city has been facing prolonged power cuts.Speaking to media persons, the caretaker CM said, "As soon as the BJP government came to power, long power cuts started happening in Delhi. The BJP workers also made several complaints about power cuts on social media."

Atishi further alleged that as soon as the BJP government came to power in Delhi, the power system has been ruined. People troubled by power cuts have started buying inverters. Now they are admitting that they made a mistake this time in the elections and brought the BJP government to power.The AAP on Wednesday alleged that infighting within the BJP over the selection of

Delhi's Chief Minister is causing hardships for the people.

AAP Chief Spokesperson Priyanka Kakkar said that several days have passed since the election results, yet the BJP has failed to appoint a Chief Minister for Delhi, leading to prolonged power cuts across the city.

Speaking to the media, she highlighted that the BJP's delay in finalising a Chief Minister is a clear sign of factionalism within the party. "Their factions are meeting in groups of ten because they cannot agree on who should lead Delhi. Their internal conflict is ongoing, but why should the people of here bear the brunt of it? On Tuesday, reports of prolonged power cuts emerged from several parts of the city. The BJP must put aside its differences, appoint a CM without delay, and focus on governance."She further said that while the AAP is working on strengthening the party, the people of Delhi should not have to suffer.

Aaditya Thackeray's 'traitor' jab at Eknath Shinde after Sharad Pawar's praise

Aaditya Thackeray's remarks came a day after NCP (SP) founder Sharad Pawar praised Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde for his work when he was the Chief Minister.

New Delhi. Shiv Sena (UBT) leader Aaditya Thackeray on Thursday launched a sharp attack on Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde, saying that the party would never honour someone who breaks a party or a family."I will not comment on Sharad Pawar's age, seniority, or principles, but as per our principle, we will never honour a person who works against Maharashtra. A traitor to Maharashtra is a traitor to the nation. He (Shinde) has not only split our party and family but has also weakened Maharashtra's industrialisation. Farmers' suicides, crimes against women, and unemployment have increased in the last 2–3 years under their rule. We will never honour a person responsible for such wrongdoings," Aaditya Thackeray said when asked about his stance on Sharad Pawar felicitating Eknath Shinde.

Thackeray's remarks came a day after NCP (SP) founder Sharad Pawar praised Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde for his work when he was the Chief Minister.

On Tuesday, Pawar, who heads the NCP (SP) faction, felicitated Shinde with the award 'Mahadji Shinde Rashtra Gaurav Puraskar', on the occasion of the 98th All India Marathi Literary Conference, which the NCP founder chairs.However, Pawar's move did not go down well with Shiv Sena (UBT) leaders including party chief Uddhav Thackeray.Sena (UBT) spokesperson Sanjay Raut also criticised the move, saying felicitating Eknath Shinde was like honouring Home Minister Amit Shah, as Shinde split the Shiv Sena with his help. However, Pawar's party said it was a programme about literature and not politics.

This is not the first time that Sharad Pawar has praised his opponents beyond the political sphere.Last month, Pawar, in a surprise praise, credited the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) for the BJP's landslide victory in the 2024 Maharashtra Assembly polls.The BJP-led Mahayuti secured a landslide victory in Maharashtra, winning 230 of the total 288 seats. The Shiv Sena and NCP headed by Ajit Pawar won 57 and 41, respectively. The MVA managed 46 seats, with the Thackeray-led Shiv Sena (UBT) getting 20 seats, the Congress 16 and NCP(SP) 10.

Indian courts under pressure from Modi government? DY Chandrachud counters BBC

New Delhi. DY Chandrachud, former Chief Justice of India (CJI), faced tough questions on diverse issues ranging from alleged political interference in the Indian judiciary and Prime Minister Narendra Modi's controversial visit to his home to key judgments as he appeared on BBC's HARDtalk.During the interview with Stephen Sackur, he addressed contentious cases such as the Ram Temple judgment, the Article 370 abrogation, and the Citizenship Amendment Act (CAA) and provided a robust account of the delicate balance between legal independence and political realities. The former CJI underscored that despite the challenges, the judiciary remains committed to upholding the rule of law and ensuring that every citizen's rights are protected, reinforcing its status as a pillar of democratic governance.

He reiterated that the higher courts in India, especially the Supreme Court, have sent a clear message that they are here to safeguard personal liberties and that's why the judiciary has the faith of the people.

DYNASTY IN INDIAN JUDICIARY

To a question about whether there is a dynasty problem in the Indian judiciary and whether it is dominated by elite, male, Hindu upper caste men like him, Justice (retd) Chandrachud disagreed."If you look at the lowest levels of recruitment to the Indian judiciary, the district judiciary, which is the base of the pyramid, over 50 per cent of the new recruits coming into our states are women. There are states where the recruitment of women goes up to 60 or 70 per cent."

He said the higher judiciary now reflects the status of the legal profession 10 years ago.

"What's happening now, as the reach of education, particularly legal education, has reached women, that gender balance you find in law schools is now reflected in the lowest levels of Indian judiciary. In so far as gender balance in concerned, you find an increasing number of women coming into the district judiciary and these women will be climbing up," he said.In response to the question about being the son of a Chief Justice, he said that his father, former Chief Justice of India YV Chandrachud, had told him not to enter a court of law so long as he was Chief Justice of India.

"That's why I spent three years at Harvard

Law School doing my studies. I entered a court for the first time after he retired. If you look at the overall profile of the Indian judiciary, most lawyers and judges are first-time entrants into the legal profession. So quite contrary to what you said, it is not that our judiciary is either upper caste or... in the higher echelons of the judiciary, the movement of women to more responsible positions is just about taking place," he said.

PRESSURE FROM MODI GOVERNMENT

The former Chief Justice was asked if he had to deal with political pressure during his term. Sackur quoted an editorial in The New York Times which said that, according to political opponents, the ruling BJP had leaned on the courts to protect its own.

DY Chandrachud said the 2024 general election results debunked the myth that India is combining towards a one-party state."If you look at the states in India, the states are where the regional aspirations and identities have come to the fore, and so many of our states in India you have regional political parties which have done exceptionally well, and they are ruling those states," he said.Sackur then cited Gujarat High Court upholding the conviction of Opposition leader Rahul Gandhi which was later paused by the Supreme Court to highlight that "there is a problem with courts in India with the courts being used for political purposes."

NEWS BOX

Chilling Audio Of Moment Doomed Titanic Submersible Imploded Released

World The National Oceanic and Atmospheric Administration has released a chilling audio of the moment the Titan submersible imploded, killing all five passengers instantly as they descended towards the Titanic wreck site. The 20-second audio clip, published on Friday by Defense Visual Information Distribution Service (DVIDS), features a burst of static, a thunderous boom and then an eerie return to white noise - believed to be the final sounds of the ill-fated submersible. Officials said that boom was the sound of the sub imploding before reaching the Titanic wreck on the bottom of the North Atlantic Ocean on June 18, 2023. According to the New York Post, the recording was picked up by a moored passive acoustic recorded about 900 miles away from where the OceanGate vessel buckled under the water pressure. The US Coast Guard said the clip reveals "the suspected acoustic signature of the Titan submersible implosion."The Titan submersible tragedy in 2023 claimed the lives of five individuals, including renowned British adventurer Hamish Harding, father-son duo Shahzada and Suleman Dawood, French national Paul-Henri Nargeolet, and Stockton Rush, CEO of OceanGate Expeditions.

The incident prompted intense scrutiny over the sub's engineering as reports surfaced that the vessel had significant design flaws and was never independently certified for deep-sea travel.

Also Read | Why Meta CEO Mark Zuckerberg Was Almost Sentenced To Death In Pakistan

The Titan's mothership had lost communication with the small submersible less than two hours into the dive, triggering a frantic search for the missing vessel. Its debris was discovered four days later by a remotely operated underwater vehicle. In October 2023, the US Coast Guard announced that it had recovered the last pieces of the submersible.

Later, investigators concluded tht the sub had several structural flaws and safety hazards and had not been independently reviewed - as is standard practice - before setting off for the depths of the ocean. They revealed that the sub was plagued by numerous problems during previous expeditions, including 70 equipment issues reported in 2021 and 48 more in 2022.

Eggs Worth Rs 33,000 Stolen From US Cafe Amid Soaring Prices, Probe On

North Korea is tearing down a key venue that once hosted reunions for families separated by the Korean War, South Korea confirmed on Thursday, calling the move "inhumane."The Mount Kumgang Reunion Centre, which facilitated emotional meetings between long-separated relatives, is being demolished by Pyongyang, Seoul's unification ministry said.

'Trampling on wishes of separated families'

"The demolition of the Mount Kumgang Reunion Center is an inhumane act that tramples on the earnest wishes of separated families," a spokesperson for the ministry stated.South Korea "sternly urges an immediate halt to such actions" and "expresses strong regret," the official added."North Korea's unilateral demolition cannot be justified under any pretext, and the North Korean authorities must bear full responsibility for this situation."

Decades of separation

Since 1988, more than 133,600 South Koreans have registered as "separated families," meaning they have relatives in the North. However, as of 2025, only around 36,000 are still alive, according to official figures.For years, some families were allowed to meet at the Mount Kumgang resort in planned reunions, but these meetings often depended on political relations between the two Koreas. The last reunion was in 2018.

The reunions were a rare chance for aging family members to meet their loved ones after decades apart, but North Korea has frequently used them as a bargaining tool in negotiations with Seoul.

Gas explosion at Taiwan food court kills one and leaves 11 hospitalised

TAIPEI. A gas explosion at a depart.ment store in Taiwan on Thursday killed one man and left 11 others hospitalized, fire authorities said.

The blast occurred at the food court on the 12th floor of the Shin Kong Mitsukoshi department store in Taichung City. Among the 11 people who were hospitalized, four had no vital signs, the Taichung Fire Bureau said.Dozens of firefighters were deployed to the scene at about 11:30 am. Parts of the building's exterior were damaged and scattered fragments were strewn on the streets.Taichung mayor Lu Shiow-yen told reporters at the scene that she felt the shock at her office nearby. She said the fire bureau would focus on a rescue operation first, but an investigation was also underway and officers were checking whether there were other sources of danger.

Video posted on social media and verified by AFP showed the moment of the explosion, with cladding and other debris flying off the building and dust billowing from inside."I was working in the city goernment building around 11:30 am and because it's right next to Shin Kong Mitsukoshi department store, I felt a vibration," Lu said.

Tulsi Gabbard confirmed as DNI: Is Tulsi Gabbard of Indian origin

World. Tulsi Gabbard, the newly confirmed Director of National Intelligence (DNI), has made history in multiple ways. As the chief intelligence officer of the United States, she now oversees 18 intelligence agencies, including the CIA and NSA, and serves as the principal intelligence advisor to the president. Beyond the political implications of her appointment, there has been renewed curiosity about her background, particularly whether she is of Indian origin.The short answer is no—Tulsi Gabbard does not have Indian ancestry. She was born in American Samoa to a diverse family background. Her father, Mike Gabbard, is of Samoan and European descent, while her mother, Carol Porter Gabbard, is of European heritage. Despite her lack of Indian lineage, she has a well-documented connection to Hinduism, a faith that is predominantly associated with the Indian subcontinent.

Gabbard's spiritual journey into Hinduism has played a significant role in her personal and political life. Raised in a multifaith household, she gravitated toward Hindu philosophy as a teenager, particularly the teachings of the Bhagavad Gita. Over time, she aligned herself with the Vaishnava tradition, which emphasizes devotion to Krishna. Her deep commitment to Hinduism has been evident throughout her career—she took her congressional oath on the Bhagavad Gita and has often spoken about the values of karma yoga (selfless action) and bhakti yoga (devotion) in public life.However, her religious background has also sparked controversy, particularly regarding her alleged ties to the Science of Identity Foundation (SIF), a religious organization founded by Chris Butler. SIF, often described as an offshoot of the Hare Krishna movement, has been criticized for its cult-like structure and strict adherence to Butler's teachings. Gabbard's childhood association with the group, along with her family's involvement, has led to speculation about

Butler's influence on her political career. Critics argue that her ties to SIF could raise concerns about bias or external influence in her role as DNI, where objectivity and independence are crucial.

Despite these criticisms, Gabbard has sought to distance herself from SIF, stating that she does not follow Butler's teachings and instead identifies as a Vaishnava Hindu. Her supporters argue that her religious beliefs should not be used against her, especially when many American politicians openly practice their faith.

Gabbard's appointment as DNI is groundbreaking not only because she is the first Hindu to hold the position but also because of her unorthodox political trajectory. A former Democratic congresswoman, she later aligned herself with conservative figures and endorsed Donald Trump. Her foreign policy positions, including her willingness to engage with authoritarian leaders and her criticism of US interventionism, have often placed her at odds with both major parties.As she takes on the role of Director of National Intelligence, Gabbard faces significant challenges, including skepticism from lawmakers on both sides of the aisle. While her Indian connection remains spiritual rather than ancestral, her leadership in the intelligence community will be closely watched, especially given the ongoing scrutiny of her past affiliations.

Techie Who Lost Bitcoin Worth Rs 6,500 Crore Plans To Buy Landfill Where He Thinks It's Buried

World In a desperate bid to recover his lost fortune, a computer expert is planning to purchase an entire landfill in South Wales, where he believes his hard drive containing 8,000 Bitcoin, worth a staggering $775 million (nearly Rs 6,500 crores), is buried. According to the Guardian, James Howells' desperate attempt comes after a 12-year search and a recent high court defeat, which denied him permission to search the landfill.

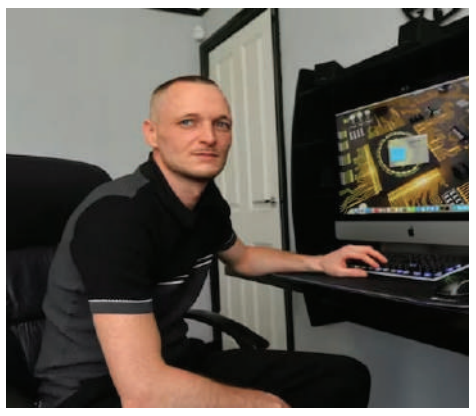

With the council announcing plans to close and cap the site, and even securing permission for a solar farm on part of the land, Howells' chances of recovering his lost Bitcoin seemed all but lost. However, by buying the landfill, he hopes to gain access to the site and finally retrieve his prized hard drive.'It was quite a surprise to hear of the landfill's closure. It [the council] claimed at the high court that closing the landfill to allow me to search would have a huge detrimental impact on the people of Newport, whilst at the same time they were planning to close the landfill anyway," he said.

"I expected it would be closed in the coming years because it's 80/90% full – but didn't expect its closure so soon. If Newport City Council would be willing, I would potentially be interested in purchasing the landfill site 'as is' and have discussed this option with investment partners and it is something that is very much on the table," he added.

What exactly happened?

James Howell's multimillion-dollar misfortune began in 2013 when his partner mistakenly threw away a hard drive containing the keys to his Bitcoin wallet. Now buried under 100,000 tonnes of waste in a Newport landfill, the hard drive remains inaccessible despite its growing value.

Halfina Eddy-Evans, the mother of Howells' two teenage sons, told Daily Mail that nearly a decade ago, she took the hard drive to a landfill in Newport, Wales, as part of a cleanup at Howells' request. "Yes, I threw away his rubbish. He asked me to," she explained. "I had no idea what was inside. Losing it wasn't my fault."

OpenAI questions Musk-led USD 97.4 billion takeover bid, citing contradictions

Washington DC [US]. OpenAI's board of directors has raised concerns over a USD 97.4 billion takeover bid led by Elon Musk and others, questioning the rationale behind the proposal, as reported by The New York Times on Wednesday.

On Monday, a group of investors led by Musk made a USD 97.4 billion bid to acquire OpenAI's assets. In response, OpenAI CEO Sam Altman took a jibe at the offer on X, saying, "No thank you, but we will buy Twitter for $9.74 billion if you want." Musk responded by calling Altman a "swindler."In a court filing on Wednesday, OpenAI argued that Musk's offer contradicted his legal stance in a lawsuit he filed against the company last year. The filing pointed out that Musk had previously asserted that OpenAI's assets must remain with the nonprofit and should not be transferred to another organisation for public gain.The company is essentially accusing Musk of hypocrisy. In his lawsuit, he argued that OpenAI must be governed by the nonprofit. Now, OpenAI contends, he is arguing the opposite, The New York Times reported.

As of now, OpenAI's board has not made a formal decision on the offer.

Meanwhile, Marc Toberoff, a Los Angeles lawyer who filed the lawsuit against OpenAI on behalf of Musk, said in a statement to The New York Times on Wednesday, "The lawsuit is not about who controls OpenAI. It's about Sam Altman and OpenAI's misconduct."He added, "If OpenAI's board is prepared to stipulate to take the 'For Sale' sign off the charity's assets in its so-called 'conversion,' Musk will withdraw his bid. But, of course, OpenAI will never do that."

Notably, Musk and Altman have been at loggerheads for quite some time.In August last year, Musk filed a lawsuit accusing OpenAI of putting profits before its initial nonprofit mission of advancing AI in a way that benefits all of humanity.This month, a United States federal judge had said that parts of Elon Musk's lawsuit against OpenAI to halt its conversion to a for-profit entity might go to trial, adding that the Tesla CEO will have to appear in court and testify, Al Jazeera reported.

It is, however, pertinent to note that Musk co-founded OpenAI with Altman in 2015 but left before the company took off and subsequently founded the competing AI startup xAI in 2023.

Taiwan detects 6 Chinese aircraft, 8 vessels operating near its waters

Taipei [Taiwan]. Taiwan on Thursday detected six sorties of People's Liberation Army (PLA) aircraft, eight People's Liberation Army Navy (PLAN) vessels, and one official ship operating around the island as of 6 am (UTC+8).

According to Taiwan's Ministry of National Defence (MND), four of the six aircraft sorties crossed the median line and entered Taiwan's northern Air Defense Identification Zone (ADIZ).

In a post on X, MND wrote, "6 sorties of PLA aircraft, 8 PLAN vessels and 1 official ship operating around Taiwan were detected up until 6 a.m. (UTC+8) today."On Wednesday, 30 PLA aircraft, seven PLAN vessels, and one official ship were detected around Taiwan's territory. Of the 30 aircraft, 23 crossed the median line into Taiwan's northern, southwestern, and eastern ADIZ.Additionally, the MND said that two US naval vessels sailed through the Taiwan Strait from north to south on February 10.

On Tuesday, MND had detected 32 aircraft from the PLA, eight vessels from PLAN, and one official ship operating nearby its shores as of 6 am (UTC+8). The MND noted that 22 of the aircraft crossed the median line and entered Taiwan's northern and southwestern ADIZ. It also detected two balloons from China.In recent weeks, China had visibly increased its capacity to conduct amphibious assaults on Taiwan's beaches with new naval equipment. This included the formal launch of an advanced landing helicopter assault (LHA) vessel, unique in the world, and the mass production of floating bridge docks to aid ship unloading during beach landings.

The Taiwan-China conflict remained a longstanding geopolitical issue centred on Taiwan's sovereignty. While Taiwan functioned as a de facto independent state with its own government, military, and economy, Beijing considered it a breakaway province under the "One China" policy.Since the Chinese Civil War (1945-1949), when the Republic of China government retreated to Taiwan, China had used diplomatic, economic, and military measures to pressure Taiwan, which continued to assert its independence with strong domestic support. (ANI)

Russian President Putin Agrees To Begin Negotiations On Ending War In Ukraine: US President Trump

World President Donald Trump upended three years of U.S. policy toward Ukraine on Wednesday, saying that he and Russian leader Vladimir Putin had agreed to begin negotiations on ending the war following a sudden prisoner swap. Trump said he spent more than an hour on the phone with Putin and "I think we're on the way to getting peace." He noted that he later spoke with Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy, but he was noncommittal about whether Ukraine would be an equal participant in U.S. negotiations with Russia. "I think President Putin wants peace and President Zelenskyy wants peace and I want peace," Trump told reporters in the Oval Office. "I just want to see people stop being killed." Of his conversation with Putin, Trump said, "People didn't really know what President Putin's thoughts were. But I think I can say with great confidence, he wants to see it ended also, so that's good — and we're going to work toward getting it ended and as fast as possible."Trump noted that he would "probably" meet in person with Putin in the near term, suggesting that could happen in Saudi Arabia. Trump speaking to Putin sent a potentially dramatic signal that Washington and Moscow could work to hammer out a deal to end fighting in Ukraine by going around that country's government. Doing so would break with the Biden administration, which steadfastly insisted Kyiv would be a full participant in any decisions made.

TRENDING NOW

Asked specifically about Ukraine being an equal member in the peace process, Trump responded, "Interesting question. I think they have to make peace."In another blow to Ukraine's Western-leaning aspirations, Defense Secretary Pete Hegseth said at NATO headquarters in Brussels that NATO membership was unrealistic for Ukraine. "I don't think it's practical to have it, personally," Trump said later about NATO membership for Ukraine. He added that Hegseth had said "it's unlikely or impractical. I think probably that's true. "After Russia invaded Ukraine in February

2022, the Biden administration joined other NATO members in vowing that membership in the Western military alliance was "inevitable."Trump said Wednesday of Russia: "I think long before President Putin, they said there's no way they'd allow that.""They've been saying that for a long time that Ukraine cannot go into NATO," Trump said. "And I'm OK with that."Response from Zelenskyy and the KremlinDespite all that, Zelenskyy sought to put a brave face on what many in Ukraine will see as a major disappointment. In a social media post, he said he had "a meaningful conversation" with Trump that included discussion of "opportunities to achieve peace" and Kyiv's "readiness to work together at the team level.""I am grateful to President Trump," he said. Kremlin spokesman Dmitry Peskov said the conversation between Trump and Putin covered a good deal of ground, including the Middle East and Iran, but that Ukraine was the main focus. Peskov said Trump called for a quick cessation of hostilities and a peaceful settlement, and that "President Putin, in his turn, emphasized the need to remove the root causes of the conflict and agreed with Trump that a long-term settlement could be achieved through peace talks." "The Russian president supported one of the main theses of the U.S. president that the time has come for our two countries to work together," Peskov told reporters. "The Russian president invited the U.S. president to visit Moscow and expressed readiness to host U.S. officials in Russia for issues of mutual interest, naturally including Ukraine, the Ukrainian settlement.

NEWS BOX

Kevin Pietersen slams England for not training after Nagpur loss

AHMEDABAD. A "gobsmacked" Kevin Pietersen has lashed out at the England team for their lack of practice during their tour of India, stating that the players should have been facing net bowlers and working on their ability to play spin.England endured a disastrous tour, suffering a 4-1 defeat in the T20I series before being whitewashed 3-0 in the ODIs.While England held a couple of training sessions before the tour began in Kolkata with the first T20I, they held one session each in Chennai and Rajkot before the second and third T20Is.But no sessions were held ahead of the fourth and fifth T20Is in Pune and Mumbai respectively.

They also did not hold training sessions before the second and third ODIs at Cuttack and Ahmedabad."I'm sorry, but I am absolutely gobsmacked that England did not have ONE team practice session since losing the 1st ODI and losing the T20 series," a frustrated Pietersen wrote on his X account.

"How can this be? Seriously, how? I believe Joe Root was the only player to have a net this series, post Nagpur," he added.

England's inability to handle spin has been a glaring issue throughout the series, raising serious concerns ahead of next week's Champions Trophy in Pakistan and the UAE.

"There isn't a single sportsman on this planet who can honestly say, that they'd improve without practicing whilst they're getting beaten. There also cannot be one player in that England side that can sit on the plane leaving India and saying to themselves, they did everything they can to try help England win.""And for that, I'm am actually incredibly sad this evening. Losing is fine if you're giving your best to improve everyday and if England didn't train during this series then they didn't try. Heartbreaking for any England fan!"According to reports, England stopped net sessions due to mounting injuries and a packed schedule."Injuries are part of sport and this schedule is like every bilateral series almost ever played. Injuries are NOT stopping batters from batting against net bowlers and learning the art of playing spin. And that's where they should have been to IMPROVE!""Trust me on this one as it saved my career against spin!" he added.

IPL 2025: Virat Kohli, Rajat Patidar frontrunners for RCB captaincy role

New Delhi. IPL franchise Royal Challengers Bengaluru is set to announce its captain for the upcoming season on Thursday with star batter Virat Kohli and Rajat Patidar being the frontrunners for the position. Kohli was the RCB captain between 2013 and 2021 before stepping down as Faf du Plessis took over.

But RCB released Du Plessis, who was their skipper from 2022 to 2024, ahead of last year's mega auction. The 40-year-old Du Plessis will play for Delhi Capitals this season. Kohli has a fine record as RCB captain, though he could not land them the title. The 36-year-old has led RCB in 143 matches, the second-longest stint as captain after the legendary Mahendra Singh Dhoni for Chennai Super Kings.Kohli has 68 wins and 70 losses and four no-results to show as RCB leader. In 2016, Kohli led the franchise to the IPL final, and made 973 runs, to date the highest for a batter in a single IPL season.

In IPL 2024, Kohli was the top run-getter with 741 runs at a strike-rate of 154.

On the other hand, Patidar was among RCB's retained players ahead of the auction and has the experience of leading Madhya Pradesh in the Syed Mushtaq Ali Trophy and Vijay Hazare Trophy. The 31-year-old Patidar had guided Madhya Pradesh to the SMAT final where they lost to Mumbai by five wickets. He was also the second highest run-getter, behind Ajinkya Rahane, with 428 from 10 matches at an average of 61 and at a strike-rate of 186.08.

Champions Trophy: Dangerous Afghanistan set for bigger heights on debut

The deadline day for finalising squad for the Champions Trophy is here. With the ICC set to lock-in squads on February 11, Tuesday, will India make changes to its preliminary side

New Delhi. Afghanistan are making their Champions Trophy debut and are the underdogs. But the seven other participating teams in the tournament cannot undermine them by any stretch of the imagination. Under Hashmatullah Shahidi's captaincy, the Afghans have taken giant strides. In the ODI World Cup on Indian soil, they got the better of heavyweights like Pakistan and England, and nearly took down Australia.In the Men's T20 World Cup, they knocked the Aussies out to qualify for the semi-final. Already possessing a strong spin-attack, the Afghans have always strengthened their batting unit, which could pose a massive threat to the big teams in the Champions Trophy. One shouldn't raise eyebrows if Afghanistan go on to lift the title, the probability of which isn't nil.In the upcoming tournament, Shahidi's men will start their campaign on Friday, February 21, against South Africa at the National Stadium in Karachi. Let's now have a look at how the Afghans can go deep into the Champions Tropy.

The Gurbaz factorRahmanullah Gurbaz smacked three hundreds from 11 ODIs in 2024, which fetched him a spot in the ICC ODI Team of the Year.

The youngster was in decent form last year after scoring 531 runs at an average of 48.27 with a top score of 121 against Ireland at the Sharjah Cricket Stadium. Having notched eight hundreds and six fifties in only 46 ODIs, Gurbaz has turned out to be a brute force.

Gurbaz takes on the opposition bowlers early on, not letting them settle down. If he takes off in the powerplay, Afghanistan would be on the front foot. Although he struggled a wee bit in the SA20 and ILT20, one would expect him to strike gold for the Afghans.

More responsibility on Omarzai

After kicking off his career in the ODI World Cup 2023, Azmatullah Omarzai hasn't looked back. Last year, he won the award for the ICC ODI Cricketer of the Year. In 2024, Omarzai scored 417 runs from 14 ODIs at an average of 52.12 and took 17 wickets with

two four-wicket hauls against Bangladesh and Zimbabwe.

In February 2024, Afghanistan lost to Sri Lanka by 42 runs in Pallekele, but Omarzai stole the limelight with an unbeaten 149-run knock off 115 balls, laced with 13 fours and six sixes. Omarzai needs to be on top of his game for the Afghans to perform well on debut.**The spin terror**

Afghanistan have always boasted of a strong spin-attack. Rashid Khan, AM Ghazanfar, Mohammad Nabi and Noor Ahmad have been sensational for them in white-ball cricket. At the age of Ghazanfar, who has an IPL deal with the Mumbai Indians, has two five-wicket hauls in ODIs.

But Ghazanfar won't be a part of Afghanistan's campaign after he was ruled out due to a fracture in his L4 vertebra. In his place, the Afghans have roped in the 20-year-old Nangeyalia Kharote, who has taken 11 wickets and scored 41 runs from seven ODIs.Rashid Khan would be flying high after becoming the all-time leading wicket-taker in T20Is. Nabi might not be as lethal as Ghazanfar and Rashid, but he adds value to their lineup with the truckload of experience he brings. Noor Ahmad hasn't played a lot, but is definitely a wicket-taking option.

Afghanistan Recent form

After the ODI World Cup, Afghanistan have played four bilateral series and won three of them. After being blanked 0-3 by Sri Lanka, the Afghans went on to beat Ireland 2-0, South Africa 2-1 and Bangladesh 2-1. In their last 14 completed ODIs, they won eight

Liverpool's Arne Slot, Jones shown red in chaotic Merseyside Derby vs Everton

Liverpool's Merseyside Derby against Everton ended in chaos with three red cards, a fiery brawl, and Arne Slot's ejection after a dramatic 2-2 draw, leaving tensions high despite Liverpool maintaining their Premier League lead.

New Delhi. Liverpool's Merseyside Derby against Everton ended in dramatic chaos as three red cards, an intense on-field brawl, and a furious exchange between Liverpool manager Arne Slot and referee Michael Oliver overshadowed a thrilling 2-2 draw at Goodison Park on February 13.

Everton stunned the Premier League leaders early, with Beto breaking the deadlock in the 11th minute, sending the home crowd into raptures. However, Liverpool responded swiftly, as Alexis Mac Allister fired in a 16th-minute equaliser to restore parity. The Reds gradually took control, and it was once again their talisman Mohamed Salah who delivered, putting Liverpool ahead in the 73rd minute.With time running out, it seemed like Arne Slot's men were on course for another crucial three

points. However, Everton had other plans. Deep into stoppage time, James Tarkowski struck a dramatic equalizer in the eighth minute of added time, sending Goodison Park into wild celebrations and dealing a frustrating blow to Liverpool.But the real drama unfolded after the full-time whistle. Everton's Abdoulaye Doucoure sparked chaos by taunting Liverpool fans, leading to a heated confrontation with Curtis Jones. The altercation quickly escalated, resulting in both players being shown red cards. Tensions continued to boil over as Liverpool manager Arne Slot stormed onto the pitch, confronting referee Michael Oliver in frustration. Slot's aggressive handshake with Oliver saw him receive a straight red card, capping off an extraordinary night.While Liverpool remain atop the Premier League table, the emotional fallout from the heated derby could have repercussions heading into their upcoming fixtures. Slot's potential touchline ban and the suspension of Curtis Jones might prove costly as the title race intensifies.

Champions Trophy: No warm-up matches for India, Australia and Pakistan

New Delhi. After securing a dominant 3-0 ODI series victory over England, Rohit Sharma-led India has opted out of warm-up matches ahead of the Champions Trophy. Australia has taken a similar approach, while co-hosts Pakistan have lined up multiple warm-up fixtures before the tournament.

India's campaign begins on February 20 against Bangladesh, and the team believes their recent series against England provides enough preparation. As per PTI, the Indian squad will arrive in Dubai, where they will be playing all of their Champions Trophy fixtures, on February 15, focusing solely on internal training sessions rather than competitive warm-ups, with their learning from the England series win as the sole guiding factor.

India have only played a total of 6 ODIs in the last 6 months, with 3 against Sri Lanka in August 2024 and 3 in the recently concluded series against England. While the Sri Lanka series ended in a 0-2 defeat for Rohit Sharma's India, the England series seems to have corrected the wrongs for now.

Australia has also decided to skip warm-ups, trusting their squad's conditioning and recent performances. In contrast, Pakistan has chosen a rigorous preparation plan, deploying three different "Shaheen" squads for warm-up games against Afghanistan, South Africa, and Bangladesh.Shadab Khan is set to captain a Pakistan Shaheen squad against Afghanistan in Lahore on February 14. On February 17, two Shaheen teams will play simultaneously—Mohammad Hurraira's side will battle South Africa in Karachi, while Mohammad Haris' squad faces Bangladesh in Dubai.Afghanistan, apart from their match against Pakistan's Shaheens, will also play a warm-up fixture against New Zealand on February 16 in Karachi.India's ODI series against England showcased key positives, with batters like Rohit Sharma, Shubman Gill, and Shreyas Iyer finding form.

Jos Buttler backs England teammates after India loss, rejects 'unserious' claims

Jos Buttler defended his England teammates after their 3-0 ODI series defeat to India, dismissing criticism from the likes of Kevin Pietersen and Ravi Shastri, who questioned England's training approach and preparation ahead of the Champions Trophy.

New Delhi. England captain Jos Buttler has defended his teammates following their 3-0 ODI series defeat to India, dismissing claims that the squad lacked seriousness in their preparation. Former England captain Kevin Pietersen and ex-India coach Ravi Shastri were amongst those who criticised the team's approach, pointing out that players

prioritised golf over intense training sessions.After India clinched a dominant series win with a convincing victory in the Ahmedabad ODI, questions were raised about England's commitment and readiness. Many felt that the Brendon McCullum-coached side failed to prepare adequately, leading to their lackluster performances in both the T20I and ODI series. However, Buttler refuted these claims during the post-match press conference, insisting that the team's training sessions were well-structured and taken seriously."I'm not sure that's quite true, to be honest. We had a reasonably long tour, a few long travel days. There's been a couple of times we've not trained, but we've certainly done plenty of training throughout the tour," Buttler said.

"We obviously try and create a really good environment, but don't mistake that for a lazy environment or a lack of effort. The guys are desperate to perform and do well and improve," he added.England's famed Bazball approach struggled to make an impact in the white-ball series, raising concerns ahead of the Champions Trophy. The batting unit failed to deliver consistently, with key players unable to step up against a dominant Indian bowling attack. The bowling department, too, lacked penetration, with veteran leg-spinner Adil Rashid standing out as one of the few positives.

Champions Trophy: Spencer Johnson hoping to replicate Mitchell Starc in Pakistan

Australia's Spencer Johnson is hoping that he can replicate senior left-arm pacer Mitchell Starc's heroics during the upcoming Champions Trophy in Pakistan. Johnson has been picked as a replacement for Starc in the squad for the tournament.

New Delhi Australia pacer Spencer Johnson is hoping that he can replicate Mitchell Starc during the upcoming Champions Trophy in Pakistan. Starc decided to skip the upcoming tournament for personal reasons as Australia will also be without the services of Pat Cummins and Josh Hazlewood for the tournament, starting on February 19.

Johnson was added to the squad as a like-for-like replacement for Starc and was impressive during the first ODI loss against

Sri Lanka on Wednesday, February 12. Johnson, much like Starc, picked up a wicket in his very first over of the match and ended with figures of 2 for 44 in Colombo. Speaking after the match, as quoted by Yahoo! Australia, the 29-year-old said that he has pictured himself playing a role similar to Starc.Johnson was also confident he would get better in the longer run and will be able to do some of the things that Starc has done in ODI cricket."While the ball is swinging, it's (the approach) pitch the ball up and try and hit the stumps," he said.

"Guys like Trent Boult (New Zealand) and Starcy, left-armers who are aggressive, hopefully it's what I can bring to Pakistan.

"It's something I have pictured in my mind, come in and play a similar role to him (Starc). There was a bit of nerves there.

"I think I am better for the run, it's only my third ODI, hopefully a few more and I'll be able to replicate some of the stuff he's done."

'It's in my hands'Johnson also feels that selection into the playing XI is in his hands and said he wants to force the hand of the selectors and pick him and Starc in the same lineup in the future."I think it is in my hands, really, if I perform then I'll be around," he said."It's up to performances, I feel like I am ready to play for Australia and had a little bit of a taste in T20 cricket and now some ODIs.""Heading to Pakistan is exciting and I am ready to go."Australia will face Sri Lanka in the second ODI on February 14, before facing England in their Champions Trophy opener on February 22.

Nora Fatehi

Thanks Fans For Spreading 'Positivity And Kindness' On Her Birthday

Nora Fatehi, who celebrated her 33rd birthday on February 6, expressed her gratitude for the overwhelming love she continues to receive from her fans. The global star shared a heartfelt post to thank her supporters, especially those who made charitable donations in her honour. Every year on her birthday, Nora's fan clubs collect funds to provide meals for underprivileged children in India. This generous and meaningful act deeply moved Nora, prompting her to give a special shout-out to her fans.Many children joined in to wish Nora Fatehi, making her special day even more memorable. Taking to Instagram, the actress shared a heartfelt video along with an emotional caption to express her gratitude. "That's such a beautiful, generous and selfless gesture! (emotional emoji) Shoutout to my Fans!" Nora captioned the video.

Moving on, she also appreciated the fan clubs for their "generous donations". "I am incredibly grateful for the love and kindness you've shown me every year on my birthday. Your generous donations of funds and food to those in need have not only made my special day brighter but have also made a lasting impact on the lives of the underprivileged.""Your compassion and support mean the world to me, and I feel so lucky to be surrounded by such incredible and kind people," she added.To conclude her post, the actress wrote, "Thank you for making my birthday not just a celebration, but a chance to give back and help others. Let's continue spreading positivity together!"Meanwhile, Nora Fatehi is basking in the success of her latest music video, Snake, co-produced by Jason Derulo and Tommy Brown. The track has achieved several milestones, including becoming the most-viewed video within 24 hours and securing the #2 spot on the global charts. With over 90 million views, Nora's collaboration with international artists has turned into a global sensation.The actress was last seen in Kunal Kemmu's directorial movie, Madgaon Express, featuring Pratik Gandhi, Divyenndu, Avinash Tiwary, and Chhaya Kadam. Nora is now gearing up for her upcoming debut in the south film industry with Hari Hara Veera Mallu: Part 1, starring Pawan Kalyan in the lead role.

Shilpa Shetty

Is The Life Of The Party In A Sleek Black Dress

Shilpa Shetty and Raj Kundra were recently spotted in Mumbai, turning heads with their stunning red Ferrari Portofino, worth Rs 4.03 crore. The couple exuded style as they arrived in the luxury car, making a statement with their fashion and choice of ride.Known for her impeccable fashion sense, Shilpa looked effortlessly elegant in a black midi dress. She kept her accessories minimal, allowing her outfit to take centre stage. The actress, who never fails to impress with her style, once again proved why she is considered a true fashionista.

Raj Kundra, on the other hand, kept his look simple yet classy. While his full outfit wasn't entirely visible in the viral clip, he was seen wearing a white sweatshirt paired with stylish sunglasses.

Shilpa's Ferrari Portofino, known for its sleek design and powerful performance, grabbed instant attention. The luxurious sports car complemented her glamorous look, adding to the couple's dazzling presence. Reports suggest that the actress has a growing collection of high-end cars. In May 2024, she added a brand-new Land Rover Range Rover Sport to her garage. Depending on the model, this luxury SUV costs between Rs 2 crore and Rs 3.3 crore in Mumbai.

Shilpa's Commitment to Fitness

Apart from making style statements, Shilpa is also known for her dedication to health and fitness. Recently, she shared an inspiring workout video on Instagram, demonstrating a Bosu Ball exercise for core strength and balance.

She captioned the post, "Mondays are for BALANCE! A Bosu Ball workout targets your core and stabilises muscles, improving balance, strength, and coordination. It challenges your body on an unstable surface, activating multiple muscle groups, enhancing functional fitness, and reducing injury risks while building overall stability and strength."On the work front, Shilpa Shetty was last seen in Rohit Shetty's web series Indian Police Force. She is now gearing up for her next Kannada film, KD – The Devil, where she will share the screen with Dhruva Sarja, Sanjay Dutt, and Reeshma Nanaiah.From making bold fashion choices to maintaining a disciplined fitness routine, Shilpa continues to inspire fans with her lifestyle and work.

Riteish Deshmukh And Genelia Get Cozy In Romantic Photo Ahead Of Valentine's Day

Actress Genelia Deshmukh shared a romantic picture with her actor-husband Riteish Deshmukh and said that they don't need Valentine's Day to celebrate their love of 23 years. Genelia took to her Instagram stories, where she shared a picture of the couple. In the image, the actor is all curled next to her and seems to be asleep as he hugs her. Genelia is all smiles as she takes the selfie."Who needs Valentine's Day, when we have 12th Feb @riteishd 23years and counting N still sneaking in pictures for keeps," she wrote as the caption.

For the unversed, the couple first met on the sets of their debut film, "Tujhe Meri Kasam." Their bond grew stronger, and their on-screen chemistry in the film was widely praised. What started as a friendship quickly blossomed into love, and after nine years of dating, they tied the knot on February 3, 2012.The couple welcomed their first child, a son named Riaan, on 25 November 2014. Their second son, Rahyl, was born on 1 June 2016.

Genelia in the latest season of the World Pickleball League, has spoken up on her foray into the world of OTT. The actress recently spoke with IANS about her journey in films and the growing love for sports in India. The actress had a rich background in theatricals and has done films across languages long before the pan-India film movement saw a meteoric rise.When asked if the audience will get to see her in an OTT series any time soon, she told IANS, "I would love to. For me, whether it is the short format or the long format, what matters is what I'm able to get to my audience. I've always been someone who is open to doing any kind of work. Work is work. I started doing South Films way before anybody really did it. And I'm very proud of doing South Films".

She continued, "I have done Bollywood, I have done films from the South. So I'm someone who loves films as a medium, whether it is the long-format or the short-format. But long-format content is something I'm definitely looking forward to".

Gadar Director REACTS To Ameesha Patel's Demand About Sakina Going To Pakistan: 'Is It A Tourist Centre?'

Ameesha Patel has once again stirred the pot with her grievances against Gadar 2 director Anil Sharma, accusing him of changing the film's climax without her knowledge. While she had earlier claimed to feel 'cheated,' Anil has now clapped back, firmly denying her claims and setting the record straight.In a chat with Vickey Lalwani, Anil didn't hold back. He brushed off the controversy, saying, "Everyone is free to share their opinion. I don't throw stones in dirt. For me, she is still part of the family." Reminiscing about their early days, he recalled how Ameesha, when she was new, would train with him for hours to perfect her role as Sakina. But then came a subtle dig — "Woh bade ghar ki beti hai, bade ghar ke bacche moody hote haina, woh bhi moody hai."

Anil also pointed out Ameesha's privileged background, sharing how she used to arrive at

rehearsals in a luxury car, adorned with solitaire diamonds. "She wasn't a very good performer but she learned it… she had that attitude that mostly kids who come from rich families have, and that fitted my character," he remarked.

Dismissing Ameesha's claims about the climax, Anil said, "If she has that much understanding than she is free to make the film. It's an open market. Who is stopping her?" As for her claim that Sakina was originally meant to accompany Tara Singh to Pakistan, Anil wasn't having any of it. "Is Pakistan a tourist centre that Sunny Deol will take everyone there? Tara Singh pagal hai kya jo biwi ko bhi leke jaega?"

And when probed about whether Ameesha pressured him to tweak the climax and involved the production studio, Anil simply brushed it aside, "That all kept happening — I don't want to get into that."